बुधवार
05 जून 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

चिराग पासवान की पार्टी ने सभी सीटों पर मारी बाजी, मोदी के बने थे हनुमान

4

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोकसभा चुनाव 2024: एग्जिट पोल के विपरित रहे चुनाव परिणाम, एनडीए-इंडिया दोनों बना सकती हैं सरकार

एनडीए को बहुमत, इंडिया गठबंधन भी मजबूत

- देर रात तक जारी रही वोटों की गिनती, नतीजे व रुझानों के अनुसार बीजेपी समर्थित एनडीए को मिल रही 292 सीटें
- कांग्रेस, राजद, सपा समेत अन्य पार्टियों की गठबंधन को 233 सीटें मिलती नजर आ रही हैं
- बहुमत के जादुई आंकड़ा को छूने के लिए जरूरत है 272 सीटों की, ऐसे में दोनों ही सरकार बनाने के लिए ठोक सकते हैं दावेदारी

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के वोटों की गिनती मंगलवार को की गई। सुबह से शुरू हुआ काउंटिंग का दौर देर रात तक जारी रहा। हालांकि इस बीच रुझानों और कई सीटों पर मिली जीत के अनुसार एनडीए को अब तक 292 और इंडिया गठबंधन को 233 सीटें मिल रही हैं। इस हिसाब से एनडीए के पास केंद्र में सरकार बनाने के लिए बहुमत है, लेकिन इंडिया गठबंधन भी सरकार बना सकता है। केंद्र में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए। अगर आईएनडीआई गठबंधन को 233 सीटें मिलती हैं तो विपक्षी दलों का गठबंधन बहुमत से मात्र 39 सीटें दूर रहता है। ऐसे में बहुमत पाने के लिए उसे मौजूदा पार्टनर के अलावा भी गठबंधन करना होगा।

जब विपक्षी दलों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाया था, तब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी बैठकों में शामिल हुई थीं। ममता ने ही आईएनडीआई के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, बंगाल में सीट शेयरिंग के मुद्दे पर सहमति न बनने के चलते कांग्रेस और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला लिया था। फिर भी ममता दीदी ने कहा था कि वह इंडिया गठबंधन के साथ हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश करता है तो तृणमूल कांग्रेस से समर्थन मिल सकता है। टीएमसी को अब तक 29 सीटों पर जीत मिल चुकी है। ऐसे में ममता से समर्थन मिलने के बाद भी इंडिया गठबंधन को 10 सांसद और चाहिए होंगे। ऐसी स्थिति में कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन बिहार में जदयू और आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर सकता है।

साल 2019 में एनडीए को मिली थीं 303 सीटें

दूसरी ओर देखा जाए तो कांग्रेस पार्टी ने इस बार दमदार प्रदर्शन करते हुए सभी को चौंका दिया है। खबर लिखे जाने तक कांग्रेस पार्टी करीब 99 सीटों पर आगे चल रही थी। यूपी में समाजवादी पार्टी और बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। बीजेपी मध्य प्रदेश, हिमाचल और उत्तराखंड स्वीप किया लेकिन हरियाणा और राजस्थान में उसे नुकसान हुआ है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने दम पर 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस इस चुनाव में 52 सीटों पर सिमट गई थी। उसे इस चुनाव में खासी बढ़त मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

देश में एनडीए की सरकार बननी तय है: पीएम मोदी

चुनावी जीत के बाद बीजेपी हेडक्वॉर्टर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, देश में एनडीए की सरकार बननी तय है। मैं देशवासियों का ऋणी हूं। लगातार तीसरी बार उन्होंने एनडीए की सरकार बनाने के लिए मौका दिया है। ये विकसित भारत के सपने की जीत है। चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर हर भारतीय को गर्व है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मतदाताओं ने भारत को बदनाम करने की कोशिश करने वाली ताकतों को आईना दिखाया है। सक्रिय भागीदारी के लिए सभी दलों, सभी उम्मीदवारों का अभिनंदन करता हूं। हर किसी की मदद के बगैर यह संभव नहीं था। लोकतंत्र में इस तरह की भागीदारी होनी चाहिए। कहा, 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार लगातार तीसरी बार लौटकर वापस आई है। राज्यों में जहां भी विधानसभा के चुनाव हुए, वहां पर एनडीए को भव्य

विजय मिली है। चाहे वो अरुणाचल प्रदेश हो, आंध्र प्रदेश हो, ओडिशा हो या फिर सिक्किम। और इन चुनावों में कांग्रेस साफ हो गई। शायद कई जगह उनकी जमानत नहीं बची।

यूपी की 80 में से मात्र 36 पर ही एनडीए को मिली जीत

लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के बाद यूपी की 80 सीटों के नतीजे आ गए हैं। यूपी की 80 में से 43 सीटें इस बार इंडिया गठबंधन के खाते में आई हैं। वहीं भाजपा के एनडीए को 36 सीट से ही संतोष करना पड़ा। पिछले चुनाव में 10 सीट जीतने वाली बसपा इस पर शून्य पर ही रही। सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव परिवार के 5 लोग लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी की अलग-अलग सीटों से खड़े थे। इन सभी ने जीत दर्ज की है। जीत दर्ज करने वालों में कन्नौज से अखिलेश यादव, मैनपुरी से डिंपल यादव, आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव और बदायूं से आदित्य यादव शामिल हैं। एटा लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी देवेश शाक्य ने जीत दर्ज की है। देवेश ने भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया को हराया है। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे हैं राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया। मेरठ में भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल ने सपा गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा को हराकर चुनाव जीत लिया है। वाराणसी से चुनावी मैदान में उतरे नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय को 1.52 लाख वोट से हराया। वहीं रायबरेली लोकसभा सीट से उतरे राहुल गांधी ने 3 लाख से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की है। नगीना लोकसभा सीट से चंद्रशेखर ने 1.51लाख वोटों से जीत दर्ज की है।

मोदी कैबिनेट के छह मंत्री हारे: यूपी से मोदी कैबिनेट के छह मंत्री चुनाव हार गए हैं। इनमें मोहनलालगंज से मोदी कैबिनेट के मंत्री कौशल किशोर, अमेठी से स्मृति ईरानी, जालौन से भानु प्रताप वर्मा, लखीमपुर खीरी से अजय मिश्रा टेनी, फतेहपुर से निरंजन ज्योति, चंदौली से महेंद्र नाथ पांडेय हार गए।

किस सीट पर किसे मिली जीत किसे मिली हार

सीट	जीत	पार्टी	हार	पार्टी
वाराणसी	नरेंद्र मोदी	बीजेपी	अजय राय	कांग्रेस
नागपुर	नितिन गडकरी	बीजेपी	विकास ठाकरे	कांग्रेस
गांधीनगर	अमित शाह	बीजेपी	सोनल रमनभाई पटेल	कांग्रेस
वायनाड	राहुल गांधी	कांग्रेस	एनी राजा	सीपीआई
रायबरेली	राहुल गांधी	कांग्रेस	दिनेश प्रताप सिंह	बीजेपी
चंडीगढ़	मनीष तिवारी	कांग्रेस	संजय टंडन	बीजेपी
अमेठी	किशोरीलाल शर्मा	कांग्रेस	स्मृति ईरानी	बीजेपी
गुना	ज्योतिरादित्य सिंधिया	बीजेपी	यादवेंद्र सिंह	कांग्रेस
पाटलीपुत्र	मीसा भारती	आरजेडी	रामकृपाल यादव	बीजेपी
कृष्णनगर	महुआ मोइत्रा	टीएमसी	अमृता रॉय	बीजेपी
तिरुवनंतपुरम	शशि थरूर	कांग्रेस	राजीव चंद्रशेखर	बीजेपी
बहरमपुर	यूसुफ पठान	टीएमसी	अधीर रंजन चौधरी	कांग्रेस
लखनऊ	राजनाथ सिंह	बीजेपी	रविदास मेहरोत्रा	सपा
गोरखपुर	रवि किशन	बीजेपी	काजल निषाद	सपा
नॉर्थ ईस्ट दिल्ली	मनोज तिवारी	बीजेपी	कन्हैया कुमार	कांग्रेस
हैदराबाद	असदुद्दीन ओवैसी	एआईएमआईएम	माधवी लता	बीजेपी
सुलतानपुर	रामभुआल निषाद	सपा	मेनका गांधी	बीजेपी
जालंधर	चरणजीत सिंह चन्नी	कांग्रेस	सुशील रिंकू	बीजेपी
मंड्या	एचडी कुमारास्वामी	जेडीएस	स्टार चंद्रू	कांग्रेस
बारामती	सुप्रिया सुले	एनसीपी (रद)	सुनेत्रा पवार	एनसीपी
नागौर	हनुमान बेनीवाल	आरएलपी	ज्योति मिर्धा	बीजेपी
छपरा	राजीव प्रताप रूडी	बीजेपी	रोहिणी आचार्य	राजद

किस सीट पर किसे मिली जीत किसे मिली हार

सीट	जीत	पार्टी	हार	पार्टी
नागौर	हनुमान बेनीवाल	आरएलपी	ज्योति मिर्धा	बीजेपी
आरा	सुदामा प्रसाद	भाकपा माले	आरेक सिंह	बीजेपी
मंडी	कंगना रनौत	बीजेपी	विक्रमादित्य सिंह	कांग्रेस
हासन	श्रेयस पटेल	कांग्रेस	प्रज्वल रेवन्ना	जेडीएस
धारवाड़	प्रह्लाद जोशी	बीजेपी	विनोद असूती	कांग्रेस
मैनपुरी	डिंपल यादव	सपा	जयवीर सिंह	बीजेपी
कन्नौज	अखिलेश यादव	सपा	सुब्रत पाठक	बीजेपी
खीरी	उत्कर्ष वर्मा मधुर	सपा	अजय मिश्र टेनी	बीजेपी
बारामूला	अब्दुल राशिद शेख	निर्दलीय	उमर अब्दुल्ला	एनसी
मुंबई नार्थ	वर्षा एकनाथ	कांग्रेस	उज्जवल निकम	बीजेपी
खदूर साहिब	अमृतपाल सिंह	निर्दलीय	कुलबीर सिंह जीरा	कांग्रेस
बाड़मेर	उम्मेदराम बेनीवाल	कांग्रेस	रविंद्र सिंह भाटी	निर्दलीय
पोरबंदर	मनसुख मंडाविया	बीजेपी	ललित बसोया	कांग्रेस
डायमंड हार्बर	अभिषेक बनर्जी	टीएमसी	अभिजीत दास	कांग्रेस
विदिशा	शिवराज सिंह चौहान	बीजेपी	प्रतापभानु शर्मा	कांग्रेस
हमीरपुर	अनुराग ठाकुर	बीजेपी	सतपाल रायजादा	कांग्रेस
सिरसा	कुमारी शैलजा	कांग्रेस	अशोक तंवर	बीजेपी
अरुणाचल पश्चिम	किरेन रिजिजू	बीजेपी	नाबाम तुकी	कांग्रेस
अमरावती	बलवंत वानखेड़े	कांग्रेस	नवनीत राणा	बीजेपी
गौतम बुद्ध नगर	महेश शर्मा	बीजेपी	महेंद्र सिंह नागर	सपा
जालौर	लुंबाराम	बीजेपी	वैभव गहलोत	कांग्रेस

इंदौर में नोटा को रिकॉर्ड 2 लाख से ज्यादा वोट

एजेंसी/इंदौर

इंदौर में लोकसभा चुनाव काउंटिंग के दिन एक साथ तीन रिकॉर्ड बन गए हैं। बीजेपी का सबसे ज्यादा वोट पाने का, देश में बड़ी जीत हासिल करने और NOTA का देश में सबसे वोट पाने का..। इधर, बीजेपी को बहुमत नहीं मिलने की खबरों के बीच मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की प्रतिक्रिया आई। उन्होंने कहा कि संविधान, आरक्षण के नाम पर विपक्ष ने भ्रमित किया।

वोटों की बात करें तो इखढ को इंदौर में पहली बार लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड 12 लाख 26 हजार 751 वोट मिले। पिछली बार 10.68 लाख वोट मिले थे। दूसरा, देश में सबसे बड़ी जीत का। लालवानी ने यह रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। जीत का अंतर नोटा के मुकाबले 10 लाख+ रहा। इससे पहले, 2019 में सबसे बड़ी गुजरात की नवसार सीट के नाम पर थी। भाजपा के वहां 6.90 लाख वोटों से जीते थे। तीसरा नोटा का। जिसे पहली बार देश में 2 लाख 18 हजार से ज्यादा वोट मिले। अब तक देश में रिकॉर्ड बिहार की गोपालगंज सीट के नाम पर था। उसे 2019 में देश में सबसे ज्यादा 51,600 वोट मिले थे। इनके अलावा चुनाव की बात करें तो लोकसभा चुनाव में इंदौर में तीसरे नंबर पर बसपा प्रत्याशी संजय सोलंकी हैं। उन्हें 51 हजार से ज्यादा वोट मिले हैं। पहले कभी पार्टी को इतने वोट नहीं मिले।

इस बार यहां से कांग्रेस प्रत्याशी नहीं खड़ा था। कांग्रेस ने चुनाव में नोटा को वोट देने की अपील की थी। पार्टी का कहना है कि हमें जो उम्मीद थी, उसे पूरा कर दिखाया है।

लोकसभा चुनाव में मिले सुखद परिणाम पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने जताई खुशी

अपनी साख खो चुके हैं पीएम, तुरंत दें इस्तीफा : ममता

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दिल्ली में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने लोकसभा चुनाव नतीजों पर कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं उत्तर प्रदेश की जनता को कहना चाहूंगी कि उन्होंने बहुत विवेक दिखाया और मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने उत्तर प्रदेश पर है।

दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, आज जो नतीजे आए वो जनता और लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि ये लड़ाई मोदी बनाम जनता है... इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया, सत्ताधारी दल बीजेपी ने एक व्यक्ति के चेहरे पर वोट मांगा। आज ये साफ हो गया है कि ये जनादेश नरेंद्र मोदी के खिलाफ है, यह उनकी नैतिक हार है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा बंगाल के लोगों की राय से मैं खुश हूं, जिस संदेशखाली को लेकर दुष्प्रचार फैलाया गया, हमारी मां-बहनों का असम्मान किया गया, लेकिन उसके बावजूद भी हम संदेशखाली सीट जीतें। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं किया। प्रधानमंत्री

अपनी साख खो चुके हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस बार 400 पार। मैंने आपसे कहा था कि 200 पार भी होगा या नहीं पता नहीं। अब उन्हें टीडीपी और नीतीश कुमार के पैर पकड़ने होंगे। ममता बनर्जी ने कहा, मैंने अखिलेश यादव को धन्यवाद किया है, आने वाले चुनाव में अखिलेश यादव ही उत्तर प्रलदेश में जीतेंगे। बिहार के परिणाम की सत्यता नहीं है, तेजस्वी यादव से मेरी बात हुई है, उन्होंने कहा कि अभी मतगणना बाकी है। मैंने शरद पवार, उद्धव ठाकरे, कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल को भी धन्यवाद किया है।

जदयू और टीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाने की संभावनाओं पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, जैसा हमने पहले कहा कि हम इंडिया गठबंधन के हमारे साथियों के साथ कल बैठक करेंगे। उसके बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकेगा। हम अपने गठबंधन के दलों से बात किए बिना हम इस पर कोई बयान नहीं देना चाहते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, "हमने यह चुनाव सिर्फ बीजेपी के खिलाफ नहीं बल्कि संस्थानों, देश की शासन संरचना, खुफिया एजेंसियों सीबीआई और ईडी, न्यायपालिका के खिलाफ भी लड़ा, क्योंकि इन सभी संस्थानों पर अमित शाह और नरेंद्र मोदी जी ने कब्जा कर लिया था।

दुनियाभर के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने दी प्रतिक्रिया

भारत के चुनाव पर दुनियाभर की नजरें लगीं थी और अब रुझानों पर भी दुनियाभर के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन का कहना है कि भारतीय चुनाव में मोदी गठबंधन का दबदबा है, लेकिन विपक्षी गठबंधन भी रफ्तार पकड़ रहा है। अखबार ने लिखा है कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। अमेरिकी मीडिया संस्थान न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि भारत के लोकसभा चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है और शुरूआती रुझान उम्मीदों के विपरीत चल रहे हैं। शायद भाजपा बहुमत हासिल नहीं कर सकेगी और पार्टी को बहुमत के लिए छोटी पार्टियों का समर्थन लेना होगा। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है नरेंद्र मोदी ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन रुझानों में मुकाबला कड़ा है और अब भाजपा को अकेले दम पर बहुमत पाने में भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। रुझानों में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के बीच कुछ सीटों का ही अंतर है।

संक्षिप्त समाचार

नागौर में डंके की चोट पर जीते हनुमान बेनीवाल

● बीजेपी प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने लगाया हार का 'चौका'

नागौर (एजेंसी)। राजस्थान की नागौर लोकसभा सीट से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल ने बड़ी जीत दर्ज की है। बेनीवाल ने भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा को 52,341 मतों से पराजित किया। पिछले चुनाव में हनुमान बेनीवाल भाजपा के समर्थित प्रत्याशी थे जबकि इस बार उन्होंने भाजपा से नेता तोड़ लिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। कांग्रेस से गठबंधन करने के बाद बेनीवाल को एक बार फिर नागौर से बड़ी जीत हासिल हुई है। हनुमान बेनीवाल लगातार दूसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं। अब एक बार फिर लोकसभा में हनुमान बेनीवाल की दहाड़ गूंजेगी।

मोदी का दबदबा तो दिखा लेकिन... कमजोर रही जीत

● भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर बोला विदेशी मीडिया

इस्लामाबाद- भारत में हुए लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे काफी हद तक साफ हो गए हैं। भाजपा और सहयोगी दल बहुमत के 272 के आंकड़े को पार कर गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी भारतीय चुनाव पर रिपोर्ट कर रहा है। दुनिया के कई देशों के मीडिया ने चुनाव नतीजों पर कमेंट किया है। बीबीसी न्यूज ने कहा है कि नतीजों में मोदी की

बड़ी चुनावी जीत की उम्मीदें धूमिल हुई हैं। यूके से स्काईन्यूज ने कहा कि बीजेपी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। दूसरे देशों से भी चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में सत्ताधारी भाजपा की निगाहें तीसरी बार सरकार बनाने पर है। अखबार कहता है कि विवादों के बावजूद नरेंद्र मोदी भारत के लोकप्रिय नेता हैं। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने लिखा है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बहुमत लेकिन विपक्षी दलों का भी शानदार प्रदर्शन। बीबीसी इंग्लिश ने कहा है कि भारत में चुनाव नतीजों में भाजपा की बड़ी जीत की उम्मीदों को झटका।

एनडीए को बहुमत

...लेकिन बीजेपी पिछड़ी

● सहयोगी रहेंगे हावी, सत्ता की चाबी नीतिश और नायडू के पास रहेगी ● जातिगत जनगणना और मुस्लिम आरक्षण का दबाव बनाएंगे सहयोगी ● अब धरा रह जाएगा बीजेपी का कोर एजेंडा, यूपी ने सबसे बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देर शाम तक क के नतीजों के मुताबिक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बन रही है, लेकिन इस बार सत्ता की चाबी एनडीए के दो बड़े पार्टनर नीतिश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के हाथों में रहेगी। ऐसे में बीजेपी को अपने कोर एजेंडे को आगे ले जाने में धक्का लग सकता है। ट्रेंड के मुताबिक बीजेपी 244 सीटों पर आगे चल रही है। टीडीपी 16 और जदयू 14 सीटों पर आगे हैं। बहुमत के लिए 272 सीटों की जरूरत होगी। इस बेस पर इन पार्टियों के पावर का डिस्ट्रीब्यूशन करें, तो 89 फीसदी पावर बीजेपी के पास और 5.5-5.5 प्रतिशत जदयू और टीडीपी के पास है। देखने में 5.5 फीसदी का पावर मीटर भले छोटा हो, लेकिन सरकार गिराने के लिए काफी है। हमने बहुमत के आंकड़े यानी 272 को 100 फीसदी मानते हुए पावर मीटर निकाला है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान, नीतिश कुमार ने रैलियों में कहा कि उन्होंने अपने शासनकाल में सांप्रदायिक सद्भाव बरकरार रखा। अल्पसंख्यकों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाईं। भाजपा के साथ होने के बावजूद नीतिश कुमार ने अल्पसंख्यक समुदाय को यह संदेश दिया है कि वह भाजपा के साथ गठबंधन के बावजूद उनके हितों की रक्षा करना जारी रखेंगे। भाजपा में शामिल होने से पहले नीतिश ने आरक्षण पर बहस छेड़ दी थी और बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण भी करवाया था। जेडीयू जाति जनगणना के पक्ष में है।

NDA	INDIA	OTH
293	234	16

एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बनना तय...: पीएम मोदी

मैं सभी देशवासियों का ऋणी हूं- मोदी

नईदिल्ली। एनडीए की जीत के बाद पार्टी मुख्यालय में संबोधन की शुरुआत नरेंद्र मोदी ने 'भारत माता की जय' और 'जय जगन्नाथ' से की. पीएम ने कहा- आज बड़ा मंगल है. इस पावन दिन एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है. पीएम ने कहा, हम जनता जनार्दन के बहुत आभारी हैं. पीएम मोदी बोले- जनता ने देशवासियों का विश्वास जताया है। पीएम मोदी ने चुनाव आयोग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है. पीएम मोदी ने कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है. ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है. ये विकसित भारत के प्रण की जीत है. ये 'सबका साथ-सबका विकास' के इस मंत्र की जीत है. यह 140 करोड़ भारतीयों की जीत है।

संविधान बचा लिया, नरेंद्र मोदी की यह नैतिक हार

नतीजों के बाद संविधान दिखाकर बरसे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी सामने आए हैं। कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे राहुल गांधी ने कहा कि हम यह लड़ाई सिर्फ मोदी से नहीं थी बल्कि संस्थाओं से भी थी। उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में पहले से ही था कि हिन्दुस्तान की जनता अपने संविधान के लिए खड़ी होगी। इन लोगों ने जब हमारे खाते सीज किए और मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला तो हमें यह यकीन हो गया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके साथ सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी थीं। राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन जहां भी लड़ा, वहां एकता के साथ मुकाबला हुआ।

खरगे बोले-

● अब यकीन है कि संविधान बचा रहेगा- खरगे ने कहा कि लोगों को यह विश्वास हो गया था कि यदि नरेंद्र मोदी को एक और मौका मिला तो अगला हमला संविधान पर होगा। अब हमें यकीन है कि इस षड्यंत्र में भाजपा सफल नहीं हो पाएगी। इस जीत का क्रेडिट खरगे ने राहुल गांधी को दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दोनों यात्राओं के दौरान लाखों लोग जुड़े थे। सभी एक साथ मिलकर एक स्वर में रहे और मिलकर प्रचार किया था।

मंडी सीट पर कंगना रनौत की बड़ी जीत

● विक्रमादित्य सिंह को भारी मतों से दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बड़ी खबर सामने आ रही है। मंडी से बीजेपी की तरफ से मैदान में उतरीं कंगना रनौत ने भारी मतों के साथ जीत दर्ज की है। सामने आ रहे आंकड़ों के मुताबिक, कंगना रनौत ने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को 70 हजार से अधिक वोटों से मात दी है। गौरतलब है कि मंडी शुरुआत से ही हाई प्रोफाइल सीट बनी हुई थी। इस सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, अब नतीजे साफ हो चुके हैं।

ओडिशा में 24 साल का पटनायक राज अब खत्म

● बीजेपी 78 सीटों पर जीती, आंध्र में एनडीए सरकार, 162 सीटें जीती

भुवनेश्वर/अमरावती (एजेंसी)। ओडिशा में 24 साल से सत्ता में काबिज नवीन पटनायक के हाथ से सत्ता जाती दिख रही है। अब तक के रुझान में बीजेपी 147 में से 80 सीटों पर आगे चल रही है। एग्जिट पोल में बीजेपी और बीजेडी में कांटे का मुकाबला बताया गया था। पोल में नवीन पटनायक की बीजेडी और भाजपा को, दोनों को 62-80 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। वहीं, आंध्र प्रदेश में एनडीए (भाजपा, टीडीपी और जन सेना पार्टी) सरकार बनाता दिख रहा है। मौजूदा सीएम जगन मोहन रेड्डी की वायएसआरसीपी को खासा नुकसान हो रहा है। एग्जिट पोल में भी इस बार सत्ता बदलने का अनुमान जताया गया था। 5 एग्जिट पोल में एनडीए तो दो में सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार बनते दिख रही है। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के जगन मोहन रेड्डी 2019 से सत्ता में हैं। जगन मोहन ने पिछली बार 175 में से 151 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की थी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल चुनाव हार्

● कोरबा में कांग्रेस को बढ़त

रायपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजे आ गए हैं। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों के लिए मतगणना खत्म हो गई है। अब तक के रुझानों में भाजपा 10 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं कोरबा से कांग्रेस की ज्योत्सना महंत आगे हैं। हालांकि राजनांदगांव से पूर्व सीएम भूपेश बघेल चुनाव हार चुके हैं। अभी तक आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग से विजय बघेल, राजनांदगांव से संतोष पांडेय और रायगढ़ से राधेश्याम राठिया की जीत तय मानी जा रही है। प्रदेश में चुनाव में 3 सांसद, 1 पूर्व सांसद भी लड़ रहे थे।

मध्यप्रदेश में भाजपा की सुनामी, सभी सीटें जीती

● इंदौर में शंकर लालवानी ने दर्ज की देश में सबसे बड़ी जीत ● छिंदवाड़ा में 26 साल बाद भाजपा की जीत, लहराया परचम

भोपाल। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर काउंटिंग संपन्न हो गई है। भोपाल, इंदौर, गुना, टीकमगढ़, मंदसौर और खजुराहो समेत भाजपा सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। राजगढ़ में भाजपा कैंडीडेट से पीछे चल रहे दिग्विजय सिंह ने दो जगह काउंटिंग रुकवा दी। इंदौर में भाजपा के शंकर लालवानी 11 लाख की लीड के साथ देश की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। छिंदवाड़ा में भाजपा 26 साल बाद जीत दर्ज की है। बीजेपी ने सभी 29 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि 27 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे थे। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भारती पारधी की जीत लगभग सुनिश्चित हो गई है। भाजपा कार्यालय में जश्न शुरू हो गया है। नेता और पदाधिकारी भारती पारधी को बधाई दे रहे हैं। जीत की खुशी में पटाखे फोड़े जा रहे हैं।

नासिक में एयरफोर्स का सुखोई क्रैश, खेत में गिरा

नासिक (एजेंसी)। वायुसेना का लड़ाकू विमान सुखोई मंगलवार को नासिक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास था। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डीआर करालें ने बताया कि सुखोई विमान के पायलट और को-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव के पास एक खेत में गिरा। राजस्थान के पोकरण में हुए भारत शक्ति युद्धाभ्यास में शामिल तेजस फाइटर जेट 27 फरवरी की दोपहर करीब 2 बजे क्रैश हो गया था। यह जैसलमेर शहर से 2 किमी दूर जवाहर नगर स्थित भील समाज के हॉस्टल पर जा गिरा। तेजस के क्रैश होने की यह पहली घटना थी।

दोनों पायलट सुरक्षित

● ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के पास था विमान

बाजार 5.74 फीसदी टूटा, निवेशकों के 31 लाख करोड़ डूबे

● सेंसेक्स 4389 अंक गिरकर 72,079 पर बंद, सरकारी बैंकों का इंडेक्स 15 फीसदी नीचे

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन आज यानी, 4 जून को सेंसेक्स 4389 अंक (5.74 फीसदी) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 1,379 अंक (5.93 फीसदी) की गिरावट रही, ये 21,884 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 शेयरों में तेजी रही। बीएसई और एनएसई के शेयरों में करीब 15 फीसदी की गिरावट रही। पावर ग्रिड के शेयर 12 फीसदी से ज्यादा नीचे है। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में करीब 5.74 फीसदी की तेजी रही। सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट रही। निफ्टी एस बैंक इंडेक्स 15.14 फीसदी टूटा है। ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 11.80 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी मेटल में 10.63 और रियल्टी में 9.62 फीसदी की गिरावट रही। ऑटो सेक्टर भी 3.33 फीसदी नीचे बंद हुआ।

भाजपा के साथ आते ही 'रोशन' हुआ पासवान का चिराग

बिहार में चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के रुझान अगर नतीजों में तब्दील हुआ तो चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहेगा। भारतीय जनता पार्टी का साथ मिलते ही रामविलास पासवान का चिराग रोशन हो गया। इससे लोक जनशक्ति पार्टी के असली वारिस का भी फैसला होता दिख रहा है। बिहार में चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पांच सीटों पर चुनाव लड़ी है और काउंटिंग में सभी सीटों पर एलजेपीआर के कैंडीडेट आगे चल रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे चौंकाने वाले आते दिख रहे हैं। एनडीए के उम्मीद के मुताबिक देश में रिजल्ट नहीं आ रहा है। यूपी में बीजेपी को काफी नुकसान होता दिख रहा है। बिहार में भी बीजेपी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं दिख रहा है। यहां पर एनडीए को को करीब 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। इनमें चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) को काफी फायदा हुआ है। चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी दिख रहा है। बिहार एनडीए सभी सीटों पर चुनाव लड़ी है।

बदल गई कश्मीर की हवा

चुनावों में उमर और महबूबा दोनों हारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद हुए पहले संसदीय चुनावों में राज्य की सियासी हवा बदलती नजर आ रही है। सात चरणों में हुए लोकसभा चुनावों की हो रही मतगणना में राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री हार की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ पीडीपी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से एक लाख 74 हजार 664 वोटों से आगे हैं। महबूबा के लिए यह बड़ा अंतर है। दूसरी तरफ नेशनल कांफ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी बारामूला सीट पर पिछड़ते दिख रहे हैं। इस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख उर्फ इंजीनियर रशीद उनसे करीब 89000 वोटों से आगे चल रहे हैं। इस बीच, नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बारामूला लोकसभा सीट से जीतने की उम्मीद थी। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''उतार-चढ़ाव होंगे लेकिन अंतिम परिणाम हमारे पक्ष में होंगे।'' बहरहाल, घाटी की एक और सीट श्रीनगर से नेशनल कांफ्रेंस के उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी पीडीपी के वाहिद उर रहमान पारा से एक लाख 20 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। निर्वाचन आयोग के रुझानों के अनुसार, जम्मू संभाग के उधमपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह करीब 59000 मतों से आगे चल रहे हैं जबकि जम्मू से मौजूदा सांसद जुगल किशोर शर्मा 103,136 मतों से बढ़त बनाये हुए हैं। कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों पर 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था।

उ.प्र. से क्यों लगा बीजेपी को इतना बड़ा झटका, यह 5 वजह तो नहीं है?

अबकी बार-400 पार के नारे के साथ शुरू हुआ एनडीए का चुनावी अभियान नतीजों में बदलता हुआ नहीं दिखा। एनडीए को बहुमत मिल गया। लेकिन बीजेपी 272 के आंकड़े से भी पीछे है। वहीं, विपक्षी दलों ने जबरदस्त वापसी की है।

1 जून 2024 की शाम करीब 6.30 बजे एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हुए। किसी को अंदाजा नहीं था कि एग्जिट पोल में बीजेपी और एनडीए को इतना भारी बहुमत मिलेगा। ज्यादातर एग्जिट पोल ने एनडीए को 350 से ऊपर सीटें दी। कई एग्जिट पोल के नतीजों में तो एनडीए को 400 का आंकड़ा छूते हुए बताया गया। ठीक इसी तरह तीन दिन बाद आए चुनाव नतीजों ने भी अब हर किसी को हैरान कर दिया है। उ.प्र. में तो बीजेपी को बहुत बड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में बीजेपी बुरी तरह पिछड़ गई। वहीं, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्ष के कई दलों ने जबरदस्त वापसी की है। आइए जानते हैं कि आखिर किन वजहों से बीजेपी उम्मीद के मुताबिक सीटें हासिल करने से चूक गई।

- **केवल मोदी मैजिक के सहारे रहना-** पिछले दो महीनों में बीजेपी और एनडीए में उसके सहयोगी दलों का चुनाव प्रचार देखें, तो एक बात साफ तौर पर नजर आती है कि इन्होंने केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा। चुनावी रैलियों और सभाओं में पार्टी के छोटे-बड़े सभी नेता स्थानीय मुद्दों से बचते हुए नजर आए। पूरा प्रचार केवल और केवल पीएम मोदी के करिश्मे पर टिका था। बीजेपी के प्रत्याशी और कार्यकर्ता भी जनता से कनेक्ट नहीं हो पाए, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। दूसरी तरफ, विपक्ष लगातार महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के जरिए सरकार के प्रति नाराजगी को जोर-शोर से उठाता रहा।
- **अग्निवीर और पेपर लीक इससे थी बीजेपी के वोटर्स की नाराजगी-** लोकसभा चुनाव के नतीजे इस बात के भी संकेत दे रहे हैं कि कई बड़े मुद्दों पर बीजेपी को अपने ही वोटर्स की नाराजगी झेलनी पड़ी। अग्निवीर और पेपर लीक जैसे मुद्दे साइलेंट तौर पर बीजेपी के खिलाफ काम करते रहे। वोटर्स के बीच सीधा मैसेज गया कि सेना में चार साल की नौकरी के बाद उनके बच्चों का भविष्य क्या होगा? पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी को समझने में बीजेपी ने चूक की। पुलिस भर्ती परीक्षा के मुद्दे पर यूपी के लखनऊ में हुआ भारी विरोध प्रदर्शन इसका गवाह

है। पार्टी के नेता ये मान बैठे थे कि केवल नारेबाजी से वो अपने समर्थकों और वोटर्स को खुश कर सकते हैं।

- **महंगाई-** इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि महंगाई के मुद्दे ने इस चुनाव पर बहुत ही गहरा असर डाला। पेट्रोल-डीजल से लेकर खाने-पीने की चीजों पर लगातार बढ़ रही महंगाई ने सरकार के खिलाफ एक माहौल पैदा किया। विपक्ष इस मुद्दे के असर को शायद पहले ही भांप गया था, इसलिए उसने हर मंच से गैस सिलेंडर सहित रसोई का बजट बढ़ाने वाली दूसरी चीजों की महंगाई को मुद्दा बनाया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बढ़ती महंगाई के लिए आर्थिक नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कई बार प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला बोला। दूसरी तरफ, बीजेपी नेता और केंद्र सरकार के मंत्री महंगाई के मुद्दे पर केवल आश्वासन भरी बातें करते हुए नजर आए।
- **बेरोजगारी-** 2024 के इस लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी के मुद्दे ने एक बड़े फैक्टर के तौर पर काम किया। विपक्ष ने हर मंच पर सरकार को घेरते हुए बेरोजगारी के मुद्दे पर जवाब मांगा। यहां तक कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में वादा कर दिया कि अगर उनकी सरकार केंद्र में बनती है, तो तुरंत 30 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। मंगलवार को घोषित चुनाव नतीजे साफ तौर पर संकेत दे रहे हैं कि राम मंदिर, सीएए लागू करने की घोषणा और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दे भी बीजेपी को बेरोजगारी के खिलाफ बने माहौल के नुकसान से नहीं बचा पाए।
- **स्थानीय नाराजगी का नुकसान-** बीजेपी को इस चुनाव में स्थानीय स्तर पर भी भारी नाराजगी झेलनी पड़ी। कई सीटों पर टिकट बंटवारे की नाराजगी मतदान की तारीख तक भी दूर नहीं हो पाई। कार्यकर्ताओं के अलावा सवर्ण मतदाताओं का विरोध भी कुछ सीटों पर देखने को मिला। कुल मिलाकर कहा जाए तो बीजेपी इस चुनाव में केवल उन मुद्दों के भरोसे रही, जो आम जनता से कोसों दूर थे।

बीजेपी और उसके मिशन के आगे दीवार बनकर खड़े हो गए ये 3 सबसे बड़े राज्य

4 जून को परिणामों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना संभव नहीं हो पाया। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं।

उत्तर प्रदेश

वैसे तो कहा जाता है कि देश के प्रधानमंत्री का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। लेकिन ये सिर्फ बातें नहीं बल्कि इसमें सच्चाई भी नजर आती है। 2014 के चुनाव में बीजेपी गठबंधन को उत्तर प्रदेश से 73 सीटें मिली और एनडीए का आंकड़ा बहुमत के आंकड़ों को आसानी से पार गया। वहीं 2019 में भी प्रदेश के दो क्षेत्रीय दलों बसपा और सपा के साथ आने के बावजूद बीजेपी ने 64 सीटें जीतने में सफलता हासिल की और उसका आंकड़ा 300 को पार गया। लेकिन 2024 में बीजेपी और बहुमत के आंकड़े के बीच 80 सीटों वाला उत्तर प्रदेश आकर खड़ा हो गया। कांग्रेस और सपा के गठजोड़ ने बीजेपी गठबंधन को ऐसी चुनौती दी जिसकी उसे कतई उम्मीद नहीं थी। समाजवादी पार्टी तो अकेले 40 सीटों पर आगे चल रही थी वहीं कांग्रेस भी अपने दो बार के प्रदर्शन में बेहतरीन सुधार करती नजर आ रही है। नतीजतन यूपी से बीजेपी की सीटें इस बार आधी से ज्यादा कम हो जा रही है। जिसका की कुल आंकड़ों पर सीधा असर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कांग्रेस को 2 सीटों के लायक बताते हुए पहले ही गठबंधन करने से प्रदेश में इनकार कर दिया था। वो चुनाव में एकला चलो रे की राह अपनाते हुए सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन के जरिए चुनावी मैदान में थी। लेकिन बीजेपी को अगर इस चुनाव में किसी राज्य से सबसे ज्यादा उम्मीदें थी तो बंगाल उसमें पहले नंबर पर था। गृह मंत्री अमित शाह भी लगातार बंगाल को लेकर दावे करते नजर आ रहे थे कि पार्टी राज्य में चौंकाने वाला प्रदर्शन कर सकती है और उसका आंकड़ा 30 प्लस हो सकता है। लेकिन बंगाल में बीजेपी और प्रचंड जीत के बीच दीदी आकर ऐसी खड़ी हो गई कि उसने 2019 के प्रदर्शन को भी दोहराने से रोक दिया।

महाराष्ट्र

ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र ने राज्य में महायुति की 'जोड़ तोड़' की राजनीति को बुरी तरह नकार दिया है। शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की राकांपा और कांग्रेस वाला इंडिया ब्लॉक 48 लोकसभा सीटों में से 29 पर आगे चल रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती के छह घंटे बाद टीम ठाकरे महाराष्ट्र की 11 सीटों पर और पवार की राकांपा 5 सीटों पर आगे चल रही है। उनके अलग हुए गुट एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राकांपा 5 और 1 सीटों पर आगे चल रहे हैं। कुल मिलाकर दोपहर 2 बजे तक इंडिया 29 सीटों पर और बीजेपी 18 सीटों पर आगे है। महाराष्ट्र उन राज्यों में से है जहां एनडीए को 2019 की तुलना में बड़ी सेंध लगी है। किसी अन्य राज्य में दो चुनावों के बीच राजनीतिक परिदृश्य इस प्रमुख राज्य की तरह नहीं बदला है। 2019 में बीजेपी और शिवसेना गठबंधन में थे। दोनों ने मिलकर 48 में से 41 सीटें जीतीं।

2014 और 2019 के बाद तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की उम्मीद लिए बीजेपी 2024 के रण में उतरी। वहीं मोदी सरकार के अबकी बार 400 पार के नारे को हकीकत बनने से रोकने के लिए कांग्रेस के साथ क्षेत्रीय दलों ने इंडिया ब्लॉक बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। सात चरणों में हुए चुनाव में मंगलसूत्र, आरक्षण, संविधान, पाकिस्तान ट्रेंडिग मुद्दा रहा। सभी के अपने अपने दावे रहे। 1 जून को वोटिंग के समापन के बाद आए अधिकांश एग्जिट पोल एनडीए की जीत की भविष्यवाणी करते नजर आए और कईयों ने तो 400 पार के आंकड़े को भी आसानी से पार कराने से कोई गुरेज नहीं किया। लेकिन 4 जून को आए रूझानों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं।

ग्लोबल लीडर की साख को लगेगा धक्का?

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा का मानना है कि इसका कोई खास असर पीएम मोदी पर नहीं पड़ेगा। कमर आगा ने मीडिया से बातचीत कहा कि भारत का जो भी प्रधानमंत्री होता है, उसका दुनिया में हमेशा से ही बहुत बड़ा कद रहा है। भारत विकासशील देशों का भी संयुक्त राष्ट्र और अन्य मंचों पर प्रतिनिधित्व करता है। पीएम मोदी ने अपनी एक छवि बनाई थी और उनके काम करने का एक तरीका था। पीएम मोदी यूरोप और अमेरिका के साथ रिश्ते को और आगे बढ़ाना चाहते थे। सवाल इस बात का है कि पश्चिमी देश यह देखते हैं कि उनके हितों को भारत से कितना फायदा हो रहा है। वहीं पीएम मोदी की नीति रही है कि वह भारत के हित को बढ़ाते रहे हैं।

'जुगाड़ की सरकार' में दुनिया के नेताओं के बीच कम होगा मोदी का जलवा

भारत में लोकसभा चुनाव के बाद अब पीएम मोदी के नेतृत्व वाला गठबंधन एनडीए बहुमत पाता दिख रहा था। नतीजों और रुझानों में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को करीब 300 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं सरकार बनाने के लिए कुल 272 सीटों की जरूरत होती है। अब सबकी नजरें नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू पर टिकी हुई हैं। नीतीश की पार्टी ने कहा है कि वह एनडीए में है और वहीं रहेगी। इस बीच इंडिया गठबंधन की ओर से नीतीश और नायडू को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहा है। अगर नीतीश और नायडू एनडीए से हटते हैं तो पीएम मोदी को फिर से सरकार बनाना मुश्किल हो जाएगा। गठबंधन सरकार की वजह से अगली सरकार 'जुगाड़' पर आधारित होगी और बीजेपी को इसी वैशाखी के सहारे चलना होगा। इसी वजह से कई लोगों का कहना है कि इसका असर दुनिया में पीएम मोदी की अजेय छवि पर भी पड़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा का मानना है कि इसका कोई खास असर पीएम मोदी पर नहीं पड़ेगा। कमर आगा ने मीडिया से बातचीत कहा कि भारत का जो भी प्रधानमंत्री होता है, उसका दुनिया में हमेशा से ही बहुत बड़ा कद रहा है। भारत विकासशील देशों का भी संयुक्त राष्ट्र और अन्य मंचों पर प्रतिनिधित्व करता है। पीएम मोदी ने अपनी एक छवि बनाई थी और उनके काम करने का एक तरीका था। पीएम मोदी यूरोप और अमेरिका के साथ रिश्ते को और आगे बढ़ाना चाहते थे। सवाल इस बात का है कि पश्चिमी देश यह देखते हैं कि उनके हितों को भारत से कितना फायदा हो रहा है। वहीं पीएम मोदी की नीति रही है कि वह भारत के हित को बढ़ाते रहे हैं।

आगा ने कहा कि पीएम मोदी 'भारत फर्स्ट' की नीति से पश्चिमी देशों को दिक्कत रही है। पीएम मोदी की गठबंधन सरकार बनने पर अफ्रीका, मध्य एशिया और खाड़ी देशों के साथ रिश्ते पहले जैसे रहेंगे। भारत यूरोप, रूस के साथ अपने रिश्ते वैसे ही रखेगा। रूस भारत का सबसे करीबी दोस्त रहा है। अरब देशों में पीएम मोदी ने अपने निजी रिश्ते बनाए हैं। मुझे नहीं लगता है कि कम सीटें आने से इन देशों में पीएम मोदी के कद को कोई असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को अपने नए कार्यकाल में अमेरिका और यूरोप के साथ

रिश्ते अच्छा बनाए रखने की कोशिश करेंगे। चीन को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका के साथ भारत को अच्छे रिश्ते रखने होंगे।

कमर आगा ने कहा कि पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में उनको सबसे ज्यादा चुनौती दक्षिण एशिया में देखने को मिलेगी। पीएम मोदी जब सत्ता में आए थे तो उन्होंने पड़ोसी पहले की नीति को प्राथमिकता दी थी। नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बांग्लादेश के साथ चीन अपने रिश्ते बहुत मजबूत कर रहा है। इससे भारत को सबसे ज्यादा चुनौती दक्षिण एशिया से आ रही है। पीएम मोदी के सामने अगले 5 साल में दक्षिण एशिया के साथ रिश्ते सुधारना सबसे बड़ी चुनौती होगा।

10 साल में पीएम मोदी ने दुनिया को साधा

बता दें कि अपने 10 साल के कार्यकाल में पीएम मोदी ने विदेश नीति के मोर्चे पर भारत की धाक को बढ़ाने पर काफी काम किया। चीन की चुनौती के सामने पीएम मोदी डटे रहे और अब भारत के 50 हजार सैनिक चीन की आंख में आंख डालकर बात कर रहे हैं। पीएम मोदी ने जी-20 का सफल आयोजन किया। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर गाजा युद्ध तक भारत ने शांति को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाया। खाड़ी के मुस्लिम देशों के साथ भारत के रिश्ते अब नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इनमें से कई मुस्लिम देशों ने पीएम मोदी को सम्मानित भी किया है।

कंगना रनौत की वो नाग अंगूठी जिसने किया हैरान

एक्ट्रेस कंगना रनौत बीजेपी की ओर से खड़ी हुई हैं। उन्होंने पहले ही एक बयान में साफ किया था कि अगर वो जीतीं, तो बॉलीवुड को अलविदा कह देंगीं। देश के लिए हमेशा खास लगाव दिखाने वाली ये अदाकारा अपने कपड़ों से भी इंडिया को प्रमोट करती नजर आती हैं। हालांकि, इसके साथ-साथ वो कभी-कभी ऐसी चीजें पहन लेती हैं, जो हैरान कर जाता है। कंगना रनौत फिलहाल बीजेपी उम्मीदवारी के कारण सुर्खियों में थी और अब चुनाव भी जीत गई है। चुनावी नतीजे जैसे मर्जी रहें, लेकिन फैन्स के दिलों में इस अदाकारा के लिए हमेशा खास जगह रहेगी। कंगना सिर्फ अपनी एक्टिंग या फिर जीरो से बीटाउन की क्वीन बनने तक की इंस्पायरिंग जर्नी के कारण ही लोगों को पसंद नहीं आती हैं, बल्कि उनकी बेबाकी और ग्लैमर के साथ सादगी का आकर्षक मिश्रण भी उन्हें सबके दिल में जगह देता है। स्टाइल और सादगी का ये अट्रैक्टिव मिक्स एक बार तब भी देखने को मिला था, जब कंगना रनौत को पपराजी ने मुंबई एयरपोर्ट पर अपने कैमरे में कैद किया था। उस दौरान उन्होंने जिस तरह से हल्के रंग की प्यारी सी साड़ी और ब्राइट कलर के ब्लाउज को पेयर किया और पैप्स को फ्लाइंग किस दिया, वो सबके चेहरे पर मुस्कान ले आया था। आज भी आप इन तस्वीरों को देखेंगे, तो इस अदाकारा पर फिदा होने से खुद को रोक न सकेंगे।

लीक से हटकर चलीं कंगना- कंगना रनौत की ये थ्रो बैक तस्वीरें कुछ साल पुरानी हैं। उस समय एक ओर जहां दूसरी अदाकाराएं इंटरनेशनल ब्रैंड्स के वेस्टर्न कपड़ों में अपनी हुस्न का जलवा बिखेर रही थीं, वहीं कंगना भारतीय परिधान, साड़ी को अपनी वॉरड्रोब में प्राथमिकता देती नजर आ रही थीं। खासतौर से उनका सूती साड़ियों के लिए प्यार काफी ज्यादा दिखाई दिया था। पिक्स में दिख रहे लुक की बात करें, तो इनमें बीटाउन क्वीन को पेल ब्लू कलर की कॉटन मेड साड़ी पहने देखा जा सकता है। इस पर ओवरऑल सफेद धागों से बने पोल्का डॉट्स भी थे। वहीं बॉर्डर पर भी सिल्वर कलर की पतली सी पट्टी दी गई थी। इसके पल्ले को और खास बनाने के लिए हेमलाइन पोर्शन पर टैसल स्टाइल में थ्रेड्स वीव्ड थे।

हाथ में दिखी नाग वाली अंगूठी- कंगना रनौत अपने आध्यात्मिक विश्वास के लिए भी जानी जाती हैं। इसी का सबूत उनकी अंगूठी में देखने को मिला था। साड़ी पहनी कंगना ने कोई जूलरी तो नहीं पहनी थी, लेकिन उनके उल्टे हाथ में नाग वाली तांबे की अंगूठी देखी जा सकती थी। माना जाता है कि ऐसी रिंग शरीर के तत्वों को संतुलित करने में मदद करती है। खासतौर से साधकों को इसे जरूर पहनने के लिए कहा जाता है।

सिंपल सा लुक भी कर गया था इम्प्रेस-अगर ओवऑल देखा जाए, तो ग्लैम के नाम पर कंगना ने लुक में सिर्फ काले शेड्स और एक्सपेंसिव पर्स ही ऐड किया था। इसके अलावा उनकी सारी चीजें एकदम सादगी से भरी हुई थीं।

चिराग पासवान की पार्टी ने सभी सीटों पर मारी बाजी, मोदी के बने थे हनुमान

- पिछले लोकसभा में भी चिराग पासवान ने सभी सीटें पर दर्ज की थी जीत

केटी न्यूज/पटना

इस बार पीएम नरेंद्र मोदी के हनुमान चिराग पासवान और उनकी पार्टी पर सबकी निगाहें टिकी थीं। कई सीटों मतगणना लगभग पूरी हो चुकी है। अबतक जो रुझान आएं, उसमें चिराग पासवान और उनकी पार्टी ने फिर से सबको चौंका दिया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस बार हाजीपुर, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही थी। पांचों सीटों पर इनके प्रत्याशी ने भारी मतों से जीत दर्ज की हैं। सभी चिराग पासवान समेत सभी प्रत्याशी और इनके समर्थक जीत का जश्न मना रहे। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट लाकर चिराग ने सबसे चौंका दिया। पीएम मोदी का चिराग ने आभार जताया है। वहीं अपनी और पार्टी की जीत पर चिराग पासवान ने जनता का आभार जताया। चिराग पासवान ने पीएम मोदी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के समर्थन में मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मजबूती के साथ

खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। देश को पुनः तीसरी बार एक मजबूत और सशक्त सरकार मिलने जा रही है। वैशाली से निवर्तमान सांसद वीणा देवी ने राजद प्रत्याशी और बाहुबली मुन्ना शुक्ला को हरा दिया है। वहीं जमुई सीट से चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती ने भी राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास को हराया। इधर, बिहार सरकार के मंत्री और पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल की बहू शांभवी चौधरी ने बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी के बेटे सन्नी हजारी को 176315 वोटों से हरा दिया। देश की सबसे कम उम्र की सांसद प्रत्याशी शांभवी चौधरी पहली बार चुनावी मैदान में उतरी थीं। वहीं खगड़िया सीट से राजेश वर्मा ने महागठबंधन के प्रत्याशी संजय कुमार को 122837 वोट से हरा दिया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में केवल चिराग की पार्टी ने ही शत-प्रतिशत जीत हासिल की है। 2019 के लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी सात सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इनमें सातों पर लोजपा को जीत मिली थी। इस लोकसभा चुनाव में चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के सभी सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। यहां तक ही हर प्रत्याशी के नामांकन में पहुंची थे। उनका यह प्रयास था कि सभी चालीस सीटों पर एनडीए जीत दर्ज करें। वहीं दूसरी ओर चिराग पासवान पर सीट बेचने का भी आरोप लगाया गया था। परंतु नतीजों ने उनके विरोधियों को करार जवाब दिया है। सभी सीटों पर हुई जीते से यह स्पष्ट हो गया है कि हर सीट पर बहुत सोच-समझकर प्रत्याशी उतारा गया था। जिसका परिणाम सामने आया है। सभी जीतें है।

बाहर नहीं जायेंगे, नीतीश कुमार एनडीए के साथ बने रहेंगे : केसी

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के बीच जेडीयू नेता केसी त्यागी ने उन संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वो चुनावी नतीजों के बाद जेडीयू इंडिया ब्लॉक के साथ जा सकती है। त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे। केसी त्यागी ने कहा, उनकी (नीतीश कुमार) स्वास्थ्य को लेकर भी अतीत में कुछ टिप्पणियां की गई थी, जो गलत थी। वो पीएम नरेंद्र मोदी से मिलकर गए थे। उन्होंने चुनाव के दौरान ही साफ कर दिया था कि हम अब कहीं नहीं जाने वाले हैं। हम किसी भी ऐसी संभावनाओं को खारिज करते हैं कि एनडीए का साथ छोड़ देंगे। त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार ही वो शख्स थे। जो एनडीए के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे, हमारा प्रदर्शन बहुत संतोषजनक रहा है और एनडीए से बाहर जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। चुनावी परिणाम आने के बाद इस बात की अटकलें लगायी जा रही थी कि नीतीश कुमार पाला बदल सकते है।

बिहार की चालीस सीटों पर जीत का दावा कर रहा था एनडीए गठबंधन , उसके रथ को इंडिया गठबंधन ने रोका दिया, माले का खाता खुला

गिरिराज, रविशंकर, ललन सिंह, चिराग, मीसा, पप्पू यादव, राजीव जीते रोहिणी, रितू, रामकृपाल यादव, आरके सिंह, पवन सिंह, मुन्ना शुक्ला हारे

- काराकाट लोकसभा सीट से पवन सिंह ने उपेंद्र कुशवाहा का खेल खराब कर दिया
- महाराजगंज से बीजेपी जनार्दन सिंह जीते

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके है। कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। तो कई नये खिलाड़ियों को जीत भी नसीब हुई हैद्ध। मिली जानकारीके अनुसार मुंगेर से एनडीए के जेडीयू प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह 81,200 वोट से जीत दर्ज की है। नवादा लोकसभा सीट फाइनल 19वें राउंड में बीजेपी के प्रत्याशी विवेक ठाकुर 67,975 वोट से विजयी हुए हैं। उन्होंने आरजेडी के श्रवण कुशवाहा को हराया। विवेक ठाकुर को 4,08,537 वोट मिले। वहीं, श्रवण कुशवाहा को 3,40,562 वोट मिले। हाजीपुर लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी चिराग पासवान को 6,15,718 वोट मिले। वहीं, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी शिवचंद्र राम को 4,45,613 वोट मिले हैं। चिराग पासवान 1,70,105 वोट से चुनाव जीत गए। मधुबनी लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी अशोक यादव 3,13,233 वोट मिले हैं।

आरजेडी प्रत्याशी अली अशरफ फातमी 2,28,110 वोट मिले हैं। अशोक यादव ने जीत दर्ज की है। झंझारपुर लोकसभा जेडीयू प्रत्याशी रामप्रीत मंडल ने जीत दर्ज की है। इन्होंने इंडिया गठबंधन के सुमन महासेठ को पराजीत किया है। नांलदा सीट से जेडीयू उम्मीदवार कौशलेंद्र कुमार लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने भाकपा माले उम्मीदवार संदीप सौरभ को हराया। जहानाबाद से आरजेडी उम्मीदवार सुरेंद्र यादव ने जीत दर्ज

की है। वहीं किशनगंज से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. जावेद आजाद की जीत दर्ज की है। सारण लोकसभा सीट से 17वें राउंड में बीजेपी प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी को 2,95,730 वोट मिले हैं. आरजेडी प्रत्याशी रोहिणी आचार्य को 2,79,708 वोट मिले हैं। कांटे के मुकाबले में राजीव प्रताप ने लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य को पराजीत किया।

काराकाट से पवन सिंह को मिली हार : काराकाट लोकसभा सीट से पवन सिंह ने उपेंद्र कुशवाहा का खेल खराब कर दिया। काराकाट से सीपीआई एमएल के प्रत्याशी राजाराम सिंह ने चुनाव में जीत दर्ज कर ली है। दूसरे नंबर पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह रहे। तीसरे नंबर पर उपेंद्र कुशवाहा चले गए। उजियारपुर से नित्यानंद राय दर्ज कर ली है। उन्होंने राजद प्रत्याशी आलोक कुमार मेहता को पराजीत किया है। वहीं पूर्वी चंपारण 128 राउंड में 90 राउंड की गिनती में बीजेपी से राधामोहन सिंह ने वीआईपी राजेश कुमार को परास्त करने में सफलता पायी है।

पप्पू यादव की जीत पर पूर्णिया में जश्न शुरू : बिहार की पूर्णिया हॉट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जीत दर्ज कर इंडिया और एनडीए को पटखनी दी है। कटिहार लोक सभा चुनाव के मतगणना के क्रम में इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी तारीक अनवर ने जीत दर्ज कर ली है। तारीक अनवर 5,31,505 मत मिले हैं। एनडीए के जेडीयू प्रत्याशी दुलाल चंद्र गोस्वामी को 4,88,141 वोट मिले हैं। तारीक अनवर ने 43,364 मतों से जीत दर्ज की है। मुजफ्फरपुर से बीजेपी के राजभूषण निषाद ने कांग्रेस के अजय निषाद को परास्त किया है। सीतामढ़ी से जेडीयू प्रत्याशी देवेश चंद्र ठाकुर ने जीत दर्ज की है। वैशाली लोकसभा सीट से लोजपा की वीणा देवी राजद के बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला को हराने में सफलता प्राप्त की है। समस्तीपुर से एलजेपी रामविलास पार्टी की प्रत्याशी शांभवी चौधरी ने जीत दर्ज की है।

कांटे में टक्कर में जीती लवली आनंद : शिवहर लोकसभा में 133 राउंड की गिनती पूरी हुई। जेडीयू की लवली आनंद को 4,76,161 वोट मिले। वहीं, आरजेडी के ऋतु जायसवाल को 4,46,922 वोट मिले हैं। जेडीयू की लवली आंनद 29,239 वोट से जीत दर्ज कर ली हैं।

लगातार जीते जनार्दन सिंह सिग्रीवाल : सारण के महाराजगंज से बीजेपी उम्मीदवार जनार्दन सिंह सिग्रीवाल 1 लाख 2 हजार से जीत हो गई है। सुपौल लोकसभा सीट से जेडीयू प्रत्याशी दिलेश्वर कामत 1,69,803 वोट से चुनाव जीते। एनडीए कार्यकताओं में जश्न का माहौल है। **मधुबनी और झंझारपुर से एनडीए प्रत्याशी की जीत** मधुबनी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अशोक यादव को 5,52,705 मिले हैं। आरजेडी प्रत्याशी अली अशरफ फातमी 4,00,909 वोट मिले. अशोक यादव 1,51,796 मत से विजयी हुए। झंझारपुर लोकसभा सीट से जदयू प्रत्याशी रामप्रीत मंडल को 5,32,273 वोट मिले हैं। वहीं बक्सर लोकसभा सीट पर कांटे का मुकाबला रहा। शुरू से भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने बढ़त बनाकर रखी थी। लेकिन, अंतिम दौरान में वह पीछे हो गये। राजद के प्रदेश अध्यक्ष के पुत्र व रामगढ़ विधायक सुधाकर सिंह ने मिथिलेश तिवारी को करीब तीस हजार मतों से पराजीत कर दिया। बक्सर में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र का जलवा नहीं चल पाया। वहीं ददन पहलवान को भी जनता ने सिरे से नकार दिया। सासाराम सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। यहां से मनोज भारती ने कड़े मुकाबले में भाजपा के शिवेश राम को पराजीत कर दिया। चुनाव के पूर्व एकतरफ मुकाबला माना जा रहा था। परंतु सबकों चौकाते हुए मनोज ने जीत दर्ज कर ली। पटना साहिब से रविशंकर प्रसाद ने जीत दर्ज की है। वहीं पाटलीपुत्र से मीसा भारती ने रामकृपाल यादव को हराने में सफलता प्राप्त की है। जनता का जनादेश इस बार सबकों चौकाने वाला सामने आया है।

पूर्णिया में नहीं चला मोदी, नीतीश व तेजस्वी का फैक्टर, पप्पू यादव निर्दलीय ही जीते

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया लोकसभा सीट के नतीजे ने साफ कर दिया है कि यहां मोदी, नीतीश और तेजस्वी यादव का फैक्टर बिल्कुल भी नहीं चला। निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर पप्पू यादव ने यहां से जीत कर अपना झंडा गाड़ दिया है। पप्पू यादव ने इस सीट से बड़ी जीत हासिल कर अपने विरोधियों को तगड़ा जवाब दिया है। पूर्णिया लोकसभा सीट पर एनडीए को जीत आसान लग रही थी। लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता गया, समय के साथ पप्पू यादव सीट पर बढ़त बनाते गए। गौरतलब है कि पप्पू यादव ने चुनाव से ठीक पहले अपनी पार्टी का कांग्रेस में इसलिए विलय किया था, ताकि उन्हें पूर्णिया सीट से टिकट दिया जाए। यह सीट बाद में आरजेडी के खाते में चली गई। उसके बाद पप्पू यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसमें उन्होंने बड़ी जीत हासिल की है। पप्पू यादव के सामने अपनी साख बचाने की चुनौती थी। उनके सामने जेडीयू से संतोष कुशवाहा और आरजेडी से

बीमा भारती थे। पप्पू ने दोनों को मात दे दी है। पूर्णिया सीट से पप्पू यादव 23,847 वोट के अंतर से जीत चुके हैं। वहीं, पप्पू यादव ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए हमारा एक-एक कार्यकर्ता, बिहार और पूर्णिया में मरने की तैयारी करके आए। हर माथे पर कफन होगा। हमने अपील की है कि इंडी गठबंधन के सभी उम्मीदवार और कार्यकर्ता लोकतंत्र को बचाएं, हम पूरा सहयोग करेंगे। मतगणना को पारदर्शी रखें। वरना मरता क्या न करता, जबरदस्ती लोकतंत्र की हत्या होगी तो महाभारत का संग्राम होगा।

पप्पू को सूट करती है निर्दलीय राजनीतिः पप्पू यादव की यह बतौर निर्दलीय उम्मीदवार लोकसभा चुनाव में तीसरी और कुल मिलाकर चौथी चुनावी जीत है। इससे साफ हो रहा है कि पप्पू को निर्दलीय राजनीति सूट करती है। पप्पू ने अपने चुनावी सफर का आगाज भी बतौर निर्दलीय चुनाव लड़कर ही किया था। हालांकि, वह विधानसभा चुनाव था। पप्पू यादव 1990 में मधेपुरा की सिंहेश्वर विधानसभा सीट से निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़े और जीते। पप्पू यादव तीसरी बार निर्दलीय सांसद के रूप में चुनाव जीते है।

तालाब की सतह पर तैरती मिली युवक की लाश

गया। गया जिले के चंदौती थाना क्षेत्र के प्रेतशिला के पास तालाब में एक व्यक्ति की तालाब में डूब जाने से मौत हो गई। आज सुबह तालाब के आसपास मौजूद लोगों को एक लाश सतह पर तैरती दिखाई दी। इस पर लोगों ने आपसी सहयोग से लाश को बाहर निकालकर तुरंत पुलिस को इस संबंध में सूचना दी। हालांकि सोमवार को गांव वालों ने एक व्यक्ति के तालाब में डूबने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने इस पर संज्ञान लेकर लाश को ढूंढने के प्रयास भी किए थे लेकिन कोई सफलता नहीं मिली, इसके बाद देर शाम एसडीआरएफ ने भी शव तलाश करने की कोशिश की लेकिन उसे भी खाली हाथ लौटना पड़ा। अब आज सुबह गांव वालों को तालाब के सतह पर लाश तैरती नजर आई। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक का नाम मोनू दास है, जिसकी उम्र करीब 40-42 वर्ष है। वह पास के ही गांव छततुबाग बाग का रहने वाला है। उसकी मौत किस तरह से हुई है इस बात का पता नहीं चल पाया है।

अब कोई नहीं कह सकता है बिना सांसद वाली पार्टी

तेजस्वी के सहारे इंडी गठबंधन के हर दल को मौका

केटी न्यूज/पटना

तेजस्वी यादव के बहाने कहें या सहार, इंडी गठबंधन में शामिल हर दल को मौका मिला है। कांग्रेस या वामदल हर किसी को जीत नसीब हुई है। लोकसभा चुनाव 2019 में बिहार की 40 में से 39 सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसद चुने गए थे। सिर्फ एक सीट कांग्रेस के पास आयी थी और वह भी मुस्लिम बहुल आबादी के कारण। इस बार इंडी एलायंस बना, लेकिन वह बिहार में प्रभावी नहीं हुआ। महागठबंधन में जितने दल थे, उससे भी कम ही दल इस बार थे। इंडी एलायंस के नाम पर आम आदमी पार्टी, शिवसेना जैसी कोई पार्टी यहां चुनाव में नहीं उतरी। मतलब, महागठबंधन ही यहां चुनाव में उतरा। महागठबंधन के नेता लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने ही इस बार बिहार की कमान संभाली थी। करीब एक महीने वह व्हीलचेयर पर ही सभाएं करने के लिए जाते रहे। अपनी बात बताते रहे। लोगों को समझाते रहे। और, आज यह परिणाम सामने है।

तेजस्वी यादव ने इस जीत के साथ खुद को चिढ़ाने की वजह भी खत्म कर दी है।

बगैर सांसद वाली पार्टी... अब नहीं कह सकेंगे भाजपा नेता

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव जब भी देश की बात करते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते तो भाजपा के नेता विशेष रूप से यह कहते थे कि जिस पार्टी का एक सांसद नहीं है, उसकी बात का कोई महत्व नहीं है। एक भी सांसद नहीं होने का खामियाजा राज्यसभा चुनाव तक में राजद ने झेला, लेकिन उससे ज्यादा तंज कसे जाने की बात तेजस्वी को कचोटती थी। अब वह तंज दूर हो गया है। तेजस्वी अब शान से न केवल अपनी पार्टी के सांसदों का नाम गिना सकते हैं, बल्कि कांग्रेसी सांसदों को बनाने में अपने मतदाताओ की हिस्सेदारी का भी तार्किक हिसाब दे सकते हैं। तेजस्वी ने पूरे चुनाव एक तरह से महागठबंधन के अकेले सिपहसलार की भूमिका निभाई। कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी कांग्रेस की चुनिंदा सीटों पर प्रचार के लिए आए, लेकिन तेजस्वी ने न कांग्रेस देखा और न वामदल की सीट, अपनी पार्टी के साथ इन सभी के लिए भी खुले दिल से और सारे कष्ट में प्रचार के लिए निकलते रहे। इस दौरान उन्होंने मछली और केक की पार्टी से भाजपा को मुद्दा भी दिया, लेकिन उसका नुकसान कुछ नहीं हुआ। लालू यादव या तेजस्वी यादव मानें या नहीं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही हर बार भतीजे को उभरने का मौका दिया। तेजस्वी ठीक से उभरे 2017 के प्रकरण से और अब 2024 के प्रकरण से। नीतीश ने जब भी महागठबंधन का दामन था, वहां से उनके निकलते ही तेजस्वी और ज्यादा ताकतवर या समझदार हो गए।

जनता का जनादेश : राजद को मिली बक्सर संसदीय क्षेत्र की कमान, इंडी समर्थकों ने बैंड बाजे के साथ निकाली रैली

सुधाकर सिंह ने मिथिलेश को 30,091 मतों से पछाड़ा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर संसदीय क्षेत्र की सीट पर इंडी गठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी सुधाकर सिंह विजयी घोषित हुए है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी को 30091 मतों से पराजित किया है। सुधाकर सिंह को इस चुनाव में 438345 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी 408254 मत प्राप्त कर सकें। तीसरे स्थान पर बसपा के अनिल कुमार रहे जिन्हें 114714 वोट मिला। वही असम कैडर के आईपीएस अधिकारी तथा निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्र अपने पहले ही चुनाव में प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे। उन्हें 47409 मत मिला तथा निर्दलीय सहित कुछ दलीय प्रत्याशियों में ये सबसे अधिक मत पाने वाले प्रत्याशी बने। वही इस चुनाव में पूरे ताम झाम से ताल ठोकने वाले पूर्व मंत्री ददन पहलवान अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। जनता ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया है।

निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल ने राजद प्रत्याशी के जीत की घोषणा की तथा उन्हें जीत का प्रमाण पत्र भी दिया। इसके पहले सुबह आठ बजे से भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में बक्सर बाजार समिति प्रांगण स्थित गोदाम में मतगणना का काम शुरू हुआ। मतगणना के दौरान पूरा जिला प्रशासन व भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। पूरे बाजार समिति को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। इसके अलावे एहतियात के तौर पर बाजार समिति रोड को सील कर वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई थी। बाजार समिति के साथ ही पूरे शहर की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। लेकिन सभी राजनैतिक दलों के समर्थक शांति बनाए रखें। जिस कारण प्रशासन का काम आसान हो गया था।

भाजपा को हराने में राजद को लग गए पूरे 10 साल

मतगणना में बढ़त मिलने के बाद बाजार समिति स्थित मतगणना कक्ष के बाहर समर्थकों के साथ जीत का संकेत देते नवनिर्वाचित सांसद सुधाकर सिंह।

बक्सर संसदीय क्षेत्र की मतगणना एक नजर

प्रत्याशी	पार्टी/दल	प्राप्त मत	प्रतिशत
सुधाकर सिंह	राष्ट्रीय जनता दल	438345	40.82 %
मिथिलेश तिवारी	भारतीय जनता दल	408254	38.02 %
अनिल कुमार	बहुजन समाज पार्टी	114714	10.68 %
आनंद मिश्रा (सेब छाप)	निर्दलीय	47409	4.42 %
ददन यादव	निर्दलीय	15836	1.47 %
सुधाकर मिश्रा	निर्दलीय	12749	1.19 %
सुनिल कुमार यादव	निर्दलीय	7759	0.72 %
राम स्वरूप चौहान	निर्दलीय	5516	0.51 %
राजू सिंह	बहुजन मुक्ति पार्टी	4339	0.4 %
आनंद मिश्रा	निर्दलीय	2834	0.26 %
भगवान सिंह यादव	निर्दलीय	2053	0.19 %
निरंजन कुमार राय	निर्दलीय	1669	0.16 %
हेम लता	जनता जागरूक पार्टी	1570	0.15 %
अखिलेश कुमार पांडेय	निर्दलीय	1095	0.10 %
नोटा	ऊपर से कोई नहीं	9617	0.9 %

चौक चौराहों पर तैनात रही पुलिस

बक्सर। मतगणना को लेकर नगर के हर चौक चौराहों पर बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन की व्यवस्था की गई थी। चौक चौराहों के अलावे पुलिस के जवान बाइक से भी गश्त करते दिखे। वाहनों पर पुलिस 112 की टीम भी काफी तत्पर थी। जिससे किसी भी प्रकार की अशांति पर यथाशीघ्र कारवाई की जा सके। वहीं विपरीत परिस्थिति में वे जल्द पहुंचा जा सके। इस क्रम में नगर के सिंडिकेट पर आम लोगों की बजाय केवल पुलिस जवान ही नजर आये। इस क्रम में नगर के सिंडिकेट के साथ ही गोलंबर, ज्योति प्रकाश चौक, पांडेयपट्टी रेलवे क्रॉसिंग, मठिया मोड, अंबेडकर चौक पर पर्याप्त पुलिस के जवान दो पहिया वाहनों के साथ तैनात दिखे।

बाजार समिति रोड में नहीं पहुंचे भाजपा के कार्यकर्ता

बक्सर। बक्सर लोक सभा चुनाव के दौरान पहली बार ऐसा हुआ कि बाजार समिति रोड को इस तरह से सूनसान देखा गया है, जहां पूरे दिन किसी भी दल के कार्यकर्ता नहीं पहुंचे।

जिस तरह से मतदाता इस चुनाव में मौन थे उसी तरह मतगणना को लेकर पार्टी कार्यकताओं में भी उत्साह नहीं दिखा। जिसके कारण किसी भी दल के कार्यकर्ता मतगणना केंद्र के आस-पास नहीं दिखाई दे रहे थे। मतगणना में जारी रूझानों के कारण सभी दलों के कार्यकताओं में हताशा कायम रहा। भाजपा एवं

राजद प्रत्याशी का मतगणना में शुरू से अंत तक दबदबा कायम रहा। जीत हार को लेकर असमंजस की स्थिति शुरू से ही बनी रही। जिसके कारण कार्यकताओं का उत्साह भी पस्त दिखा। शह मात का खेल दोनों प्रत्याशियों में कायम रहा। दोनों प्रत्याशी राउंड वाइज कभी आगे तो कभी पीछे साथ-साथ चलते रहे।

वहीं मतगणना के दिन स्टेशन रोड के साथ ही नई बाजार व चौसा रोड में वाहनों की भीड़ लग जाती थी। लेकिन स्टेशन रोड में भी एक भी वाहन नहीं दिखा। संसदीय क्षेत्र से पहुंचने वाले कार्यकताओं पर मतगणना में जीत की अनिश्चितता का पूरी तरह प्रभाव दिखा। लगातार अनिश्चितता के कारण कार्यकर्ता भी अपने घरों तक ही सिमटे रहे।

हालांकि शाम होते होते यह साफ हो गया कि यहां से राजद प्रत्याशी चुनाव जीत रहे है। इसके बाद राजद समेत इंडी गठबंधन के कार्यकताओं का उत्साह बढ़ गया था। वही एनडीए समर्थक मायूस होने लगे थे।

अंबेडकर चौक से बाजार समिति रोड रहा सील

बक्सर। नगर के अंबेडकर चौक से बाजार समिति रोड के आखिरी छोर तक मतगणना को लेकर वाहनों का परिचालन बंद कर दिया गया था। प्रशासन द्वारा इस पथ को सुबह 6 बजे से ही सील कर दिया गया था। निर्देश के आलोक में अंबेडकर चौक पर बाजार समिति रोड में बैरियर लगा दिया गया था। जहां से पैदल लोगों को छोड़कर दो पहिया वाहनों के संचालन पर भी रोक लगा दिया गया था। जिससे कोई भी व्यक्ति व कार्यकर्ता के साथ ही अन्य लोग बाजार समिति रोड में मतगणना स्थल की ओर नहीं पहुंच सके। प्रशासनिक निर्देश पर मतगणना स्थल पर शांति बनी रहे इसका पूरी तरह पालन दिखा। मठिया मोड़ तक दो पहिया वाहनों का भी संचालन नहीं हुआ।

मतगणना स्थल पर काउंटिग में लगे कर्मी

गर्मी का सितम... मतगणना के दिन जिले का पारा 42 डिग्री सेल्सियस पर रहा। इसके बावजूद भी मतगणना में लगे कर्मचारी व अधिकारी पूरे दिन ईवीएम के माध्यम से काउंटिग में लगे रहे। हालांकि, प्रशासन ने पंखे और कूलर की व्यवस्था कर रखी थी। लेकिन गर्मी इतनी तेज थी कि व्यवस्था की नाकाफी साबित रही।

ईवीएम लदी ट्रक पकड़े जाने की सूचना पर हलकान हुई पुलिस, फर्जी निकला मामला

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार मतगणना कार्य की समाप्ति के उपरांत ईवीएम को बक्सा में सील करते हुए बक्सर प्रखंड परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षित रखा जाना है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से सोमवार की रात्रि में ही खाली बक्सा लदे ट्रक को डिस्पैच सेंटर से प्राप्त कर बक्सर बाजार समिति स्थित मतगणना स्थल के वज्रगृह के पास सुरक्षित रखा जाना था ताकि मतगणना कार्य समाप्ति के बाद ईवीएम को बक्सा में भरकर सील करते हुए बक्सर प्रखंड स्थित ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षित रखा जा सके। लेकिन सोमवार की रात पांडेयपट्टी गुमटी के पास ईवीएम लदा एक ट्रक पकड़े जाने की सूचना ने प्रशासन को हलकान कर दिया था। राजद कार्यकर्ता तुषार विजेता द्वारा पाण्डेयपट्टी रेलवे गुमटी के नजदीक बाजार समिति मार्ग पर रास्ते में बक्सा लदा ट्रक को रोक कर आशंका जताई गई थी कि इसमें ईवीएम मशीन है।

सूचना मिलते ही तत्काल वहां बक्सर एसडीओ तथा डीएसपी पहुंचे तथा शिकायतकर्ता तुषार विजेता एवं मीडिया कर्मियों के समक्ष ट्रक का सत्यापन कराया गया। सत्यापन में ट्रक खाली पाया गया। तुषार विजेता द्वारा स्वयं यह भी स्वीकार करते हुए संतोष व्यक्त किया गया कि ट्रक पर लदा बक्सा बिल्कुल खाली है। हालांकि इस अफवाह से प्रशासन घंटों हलकान रही।

भाजपा की ताबूत में कील ठोकने में कामयाब रहे आईपीएस आनंद मिश्र

1996 के बाद जिले में पहली बार लगा भाजपा के ब्राह्मण व वैश्य वोटों में सेंध

केटी न्यूज/बक्सर

आसाम कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे आनंद मिश्र नौकरी रिजाईन करने के पहले से ही बक्सर संसदीय क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी। माना जा रहा है कि वे आसाम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वशर्मा के आश्वासन पर वीआरएस ले चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू किए थे। लेकिन भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें तवज्जों नहीं दिया, बल्कि उनकी जगह मिथिलेश तिवारी को बक्सर से प्रत्याशी बना दिया।

लोगों ने निर्दलीय होने के बावजूद उन्हें हाथों हाथ लिया : आईपीएस की नौकरी छोड़ने के बाद भी टिकट नहीं मिलने से नाराज आईपीएस आनंद मिश्र ने भाजपा नेतृत्व को सबक सिखाने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतर गए। इस दौरान उनकी साफ सुथरी छवि, सरल स्वभाव तथा बातचीत का तरीका लोगों को काफी पसंद आया। खासकर ब्राह्मण और वैश्य समाज के लोगों ने निर्दलीय होने के बावजूद उन्हें हाथों हाथ लिया। चुनाव में उन्हें मिले मत

इस बात के प्रमाण है कि संसदीय क्षेत्र में उनके समर्थकों की संख्या बहुत अधिक थी। अगर भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया होता तो वे जरूर इस सीट को भाजपा की खातें में डाले होते।

बहरहाल यह उन्हीं का प्रभाव था कि लोकसभा चुनाव 2024 में बक्सर संसदीय सीट पर पहली बार भाजपा के आधार वोटों में सेंधमारी हुई हैं। खासकर ब्राह्मण और वैश्य दोनों जातियों का अधिकतर वोट उन्हें मिला है। जबकि ये दोनों जातियां दशकों से भाजपा के कट्टर वोटर रहे है। इसके पहले सिर्फ 1996 के चुनाव में ही भाजपा के ब्राह्मण और वैश्य वोटो में सेंधमारी हुई थी। चुनाव में आनंद मिश्र की इंट्री ने ही गेंद को भाजपा के पाले से निकाल राजद खेमें में डाल दिया।

जंह जंह पांव पड़े संतन के, तह तह बंटाधार

बक्सर। इस बार के लोक सभा निर्वाचन में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही पूरे देश में एनडीए ने चुनाव लड़ा है। इसके बावजूद भी कई दिग्गज प्रत्याशियों के लिए इस बार मोदी मैजिक नहीं चल पाया है। खासकर एनडीएम प्रत्याशियों के लिए शाहाबाद इलाके में उन्होंने जिन सीटों पर अपनी सभाएं की, वहां से भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। बता दें कि लोस चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बक्सर तथा सासाराम व काराकाट संसदीय क्षेत्र के बॉर्डर इलाके पर अपनी चुनावी सभाए किए थे। तब भाजपा द्वारा कहा जा रहा था कि मोदी के चुनाव प्रचार करने का शाहाबाद के साथ ही पूर्वांचल की सीटों पर बड़ा फायदा मिलेगा।

शहाबाद के सीटों के साथ ही यूपी के सीमावर्ती गाजीपुर व बलिया सीट पर भी फायदा मिलेगा : राजनीति के जानकारों का कहना था कि मोदी की इन सभाओं से सासाराम, काराकाट, बक्सर तथा आरा जैसे शहाबाद के सीटों के साथ ही यूपी के सीमावर्ती गाजीपुर व

बलिया सीट पर भी फायदा मिलेगा। उनके जादुई व्यक्तित्व से न सिर्फ कार्यकताओं को नई उर्जा मिलेगी बल्कि मतदाता भी गोलबंद होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। बक्सर व काराकाट के साथ ही एनडीए शाहाबाद की सभी सीटे हार गई है।

वहीं, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के गाजीपुर व बलिया सीट पर भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। शाहाबाद के जैसा ही मगध प्रमंडल का हाल भी रहा है। लेकिन, इस प्रमंडल में एनडीए नवादा व गया की दो सीटे जीतने में कामयाब रही है। प्रधानमंत्री की सभाओं का एनडीए पर उल्टा असर पड़ा है। जिससे लोग यह कहते सुने गए कि जह-जह पांव पड़े संतन के तंह तंह बंटाधार।

मतगणना की हलचल

राजद समर्थकों में उत्साह : मतगणना के दौरान राजद की बढ़त का समाचार सुन झंडे के साथ खुशी का इजहार करते समर्थक।

जीत का जश्न : राजद की बढ़त के साथ साथ समर्थकों के उत्साह में भी बढ़ोत्तरी होती रही। समर्थक ढोल और नगाड़े बजाकर जीत का जश्न मना रहे थे।

हम किसी से कम नहीं : जैसे ही यह साफ हुआ कि राजद के सुधाकर सिंह जीत रहे हैं तो महिला कार्यकर्ताएं भी जश्न में लालटेन लेकर शामिल हुई।

बहुत गर्मी है भाई : लंच के दौरान बाजार समिति में मतगणना स्थल के समीप पेड़ की छांव में आराम करते पत्रकार व अन्य।

कितनी बढ़त बना रहे हैं प्रत्याशी : डुमरांव के राजगढ़ चौक के चाय-पान की दुकान पर मोबाइल से मतगणना की जानकारी लेते युवा व अन्य।

बाहरी प्रत्याशियों के प्रति लोगों में रोष, कार्यकताओं की नाराजगी दूर नहीं कर पाए मिथिलेश तिवारी

भाजपा को भुगतना पड़ा बाहरी प्रत्याशी थोपने का खामियाजा

रजनी कांत दूबे/बक्सर

बिहार में भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित मानी जानी वाली बक्सर की सीट पर पार्टी प्रत्याशी की हार ने कई संकेत दिए है। इस हार का सीधा जिम्मेवार केन्द्रीय नेतृत्व है। जो लगतार स्थानीय कार्यकताओं की उपेक्षा कर बाहारी प्रत्याशी थोपते आ रहा है। पिछले संसदीय चुनाव में भी पूर्व सांसद अश्विनी चौबे को कार्यकताओं के जबदस्त विरोध का सामना करना पड़ा था। हलांकि, ऐन वक्त पर संगठन ने रूठे कार्यकताओं को मनाने के साथ ही उन्हें एकजुट कर लिया था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका। बता दें कि लोक सभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से

पहले से ही बक्सर संसदीय क्षेत्र के कार्यकताओं में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के खिलाफ जबदस्त आक्रोश पनपा था। यह आक्रोश कभी शांत नहीं हुआ, बल्कि सांगठिन चुनाव ने आग में घी का काम किया था। जिसके बाद वर्षों से भाजपा का झोला ठोने वाले कई प्रमुख कार्यकर्ता बागी बन गए थे। पार्टी ने इनमें पूर्व जिलाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह को निष्कासित भी किया था। लेकिन, इसका असर बागी खेमा पर नहीं पड़ा बल्कि बागी खेमा ने समानांतर संगठन खड़ा करने का प्रयास किया।

चुनाव के ठीक पहले बड़ी संख्या में प्रमुख कार्यकताओं के बागी तेवर अपनाने के बावजूद प्रदेश व केन्द्रीय नेतृत्व ने उन्हें मनाने के बदले चुप्पी साध लिया। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की गलती और मनमानी का सिलसिला यही नहीं रूका बल्कि बक्सर से प्रत्याशी चयन में भी स्थानीय कार्यकताओं को तरजीह नहीं दी गई। बलिक गोपालगंज के बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर हारने वाले भाजपा के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी को पार्टी ने टिकट थमा दिया। जिससे कार्यकताओं की नाराजगी के साथ वोटरों में भी मायूशी छा गई। कार्यकर्ता तथा भाजपा के वोटर बार बार बाहरी प्रत्याशी थोपने से पहले से ही नाराज चल रहे थे।

अश्विनी चौबे को भी झेलना पड़ा था बाहारी के नाम पर विरोध

गौरतलब है कि इसके पहले केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को भी बाहारी के नाम पर विरोध झेलना पड़ा था। कार्यकताओं के भारी विरोध के कारण शीर्ष नेतृत्व ने भले ही इस बार उन्हें टिकट नहीं दिया था, लेकिन एक बार फिर से बाहरी प्रत्याशी को थोप कार्यकताओं की नाराजगी बढ़ा दी थी। जिस कारण चुनाव प्रबंधन जमीनी स्तर के कार्यों में स्थानीय कार्यकताओं ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। यहां तक बूथ अध्यक्षों तथा कार्यकताओं द्वारा अपने मतदाताओं के घर मतदाता पर्ची तक नहीं पहुंचाई गई थी। कार्यकताओं की नाराजगी से वोटों के विखराव को रोका नहीं जा सका।

जहानाबाद लोकसभा सीट पर 20 साल बाद हुई राजद की वापसी

केटी न्यूज/जहानाबाद

बिहार की जहानाबाद लोकसभा सीट पर 20 साल बाद आरजेडी की वापसी हुई है। इस सीट पर आरजेडी कैंडिडेट सुरेंद्र प्रसाद यादव ने मौजूदा सांसद जेडीयू के चंदेश्वर चंद्रवंशी को 142591 वोटों से शिकस्त दी। सुरेंद्र यादव को 443035 वोट मिले हैं जबकि चंदेश्वर प्रसाद 300444 वोट हासिल करने में कामयाब रहे।

बीते 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से चंदेश्वर प्रसाद मामूली वोटों के अंतर से विजयी हुए थे। वह केवल 1751 वोटों से जीते थे। इसी आधार पर माना जा रहा था कि इस बार की लड़ाई बेहद करीबी रहने वाली है, लेकिन, मुनिलाल यादव की एंट्री ने जदयू

उम्मीदवार के लिए राहें आसान कर दी थी। जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में 15 लाख 80 हजार 563 मतदाता हैं। यादव और भूमिहार बहुल इस क्षेत्र में वर्ष 1977 के चुनाव को छोड़ दें तो आमने-सामने के मुकाबले में यादव और भूमिहार जाति के प्रत्याशी ही जीतते रहे हैं। 1998 के बाद से हुए चुनाव में चार बार जदयू और दो बार राजद ने जीत हासिल की है। यह देश में हुए पहले आम चुनाव 1952 से ही एक संसदीय सीट है। 1952 में सोशलिस्ट पार्टी के बिगेश्वर मिश्रा यहां के सांसद बने। उनके बाद लगातार दो बार 1957 और 1962 में कांग्रेस की सत्यभामा देवी सांसद रहीं। फिर यहां वामपंथ का प्रभाव पड़ा और 1967 से 1971 तक भाकपा के चंद्रशेखर सांसद रहे। आपातकाल के बाद 1977 में जनता पार्टी के हरिलाल प्रसाद सिन्हा लोकसभा पहुंचे।

खुलता गया ईवीएम बढ़ता गया बढ़त का फासला

लोकसभा के पिछले तीन चुनाव से इस सीट पर एनडीए चुनाव जीतते रही है। इन तीनों मुकाबले में राजद से सुरेंद्र प्रसाद यादव ही चुनावी मुकाबले में रहे हैं। लेकिन 1998 के बाद इस बार के लोकसभा चुनाव में राजद उम्मीदवार सुरेंद्र यादव जीत के दलहीज पर पहुंच गए हैं। मतगणना शुरू होते ही सुरेंद्र यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी चंदेश्वर प्रसाद पर बढ़त बढ़ाना शुरू कर दी जो हर एक राउंड के बाद बढता चला गया। जहानाबाद में कुल 23 राउंड में मतगणना की प्रक्रिया पूरी होनी है। लेकिन 15 वे राउंड की मतगणना समाप्त होने के बाद डॉ सुरेंद्र प्रसाद यादव की बढ़त 67437 हो गई। 15 में राउंड तक राजद प्रत्याशी डा सुरेंद्र प्रसाद यादव को 198869 जबकि जदयू के प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद को 131432 वोट प्राप्त हुआ। इसके बाद मतों का अंतर बढ़ता गया।

इंडिया गठबंधन के समर्थकों में खुशी, एनडीए में मायूसी

मतगणना शुरू होने से पहले दोनों खेमे में खुशी थी। इंडिया गठबंधन और एनडीए दोनों के समर्थक अपने-अपने प्रत्याशी की जीत की बात कह रहे थे। लेकिन मतगणना शुरू होने के कुछ ही देर बाद से एनडीए खेमे में मायूसी शुरू हो गई। कभी भी इस खेमे के लोगों को खुश होने का मौका नहीं मिला। हालांकि इसके ठीक विपरीत इंडिया गठबंधन, राजद समर्थको का उत्साह लगातार बढ़ता ही जा रहा था। मतगणना को लेकर जिस तरह से राष्ट्रीय जनता दल के लोग शुरू से उत्साहित थे उस उत्साह में लगातार मिल रही बढ़त घी में आग डालने का काम कर रही थी।

बाहरी प्रत्याशियों के कारण बीजेपी को गंवानी पड़ीं शाहाबाद की चारों सीटें

केटी न्यूज/बक्सर

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पूरे बिहार के साथ ही शाहाबाद की सभी चार सीटों पर एनडीए को जीत मिली थी। लेकिन इस बार के चुनाव में शाहाबाद की चारों सीट एनडीए हार चुकी है। इस हार का सबसे मुख्य कारण जो सामने आ रहा है वह है एनडीए द्वारा चारों सीटों पर बाहरी प्रत्याशी को मैदान में उतारना। जिस कारण न तो प्रत्याशी स्थानीय कार्यकताओं का भरोसा जीत सके और न ही मतदाताओं को गोलबंद कर सकें।

बता दें कि बक्सर संसदीय सीट से चुनाव लड़ने वाले भाजपा के मिथिलेश तिवारी गोपालगंज के बैकुंठपुर के रहने वाले है। पार्टी ने इस बार उन्हें भागलपुर के अश्विनी चौबे के जगह उम्मीदवार बनाया था। बक्सर में पार्टी के अंदर की दरार को वे पाट नहीं सकें। वही आरा से चुनाव लड़ने वाले आरके सिंह मूल रूप से सुपौल के रहने वाले है। वे पिछली बार जीते जरूर थे, लेकिन कार्यकताओं का एक बड़ा खेमा उनसे नाराज चल रहा था। चुनाव के दौरान यह देखने को भी मिला। वही, सासाराम की सीट से चुनाव लड़ने वाले भाजपा के शिवेश राम मूल रूप से आरा के बड़हरा विधानसभा के रहने वाले है, जिन्हें पार्टी ने वहां से उम्मीदवार बना जनता पर थोपने का काम किया था। जबकि शाहाबाद की चौथी सीट काराकाट से चुनाव लड़ने वाले एनडीए के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेन्द्र कुशवाहा भी वहां के निवासी नहीं है। वे वैशाली जिले के रहने वाले है। चारों सीटों पर बाहरी प्रत्याशी होने का बड़ा नुकसान शाहाबाद में एनडीए को उठाना पड़ा है। शाहाबाद में एनडीए का सुपड़ा साफ होने का असर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

महागठबंधन प्रत्याशी राजा राम सिंह को 3 लाख 9 हजार 340 वोट मिले

काराकाट में भाकपा माले का बजा डंका एनडीए उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा की हार

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट लोक सभा चुनाव 2024 के परिणाम आने के बाद महागठबंधन के कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। काराकाट लोकसभा सीट से महागठबंधन से भाकपा माले के प्रत्याशी राजाराम सिंह चुनावी मैदान में थे। जहां उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह व एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को मात देकर काराकाट लोकसभा सीट से जीत दर्ज किया। जीत दर्ज करने पर महागठबंधन के कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त हो गया। जीत दर्ज के बाद कार्यकर्ता आपस में एक दूसरे को रंग-गुलाल लकारक बधाई देने लगे। काराकाट लोकसभा के महागठबंधन प्रत्याशी राजा राम सिंह को अबतक 3 लाख 9 हजार 340 मत ,दूसरे स्थान पर निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह को 2 लाख 20 हजार 71 तथा तीसरे स्थान पर एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को 2 लाख 12 हजार 888 मत के साथ मतगणना जारी।भाकपा माले पार्टी व राजद सहित महागठबंधन के सभी कार्यकताओं ने राजाराम सिंह को बधाई दी। बधाई देने वालों में भाकपा माले के राजेन्द्र यादव, भैयाराम पासवान, राजद के राजीव रंजन सिंह, विश्वामित्र सिंह, वीरेंद्र सिंह यादव, श्रीनिवास सिंह, संतोष सिंह, प्रभाकर सिंह, सहित कई पार्टी कार्यकताओं ने बधाई दी ।

माले ने 35 वर्षों के बाद लोकसभा चुनाव में दो सीटों पर लहराया है जीत का परचम

लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की प्रमुख सहयोगी भाकपा माले का प्रदर्शन शानदार रहा। माले ने पैंतीस वर्षों के बाद किसी आम चुनाव में दो सीटों पर जीत का परचम लहराया। इससे पहले 1989 में रामेश्वर प्रसाद ने आरा सीट से जीत दर्ज कर पहली बार पार्टी को संसद की राह दिखायी थी। तब वे इंडियन पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार के रूप में जीते थे। बाद में इस फ्रंट का नाम भाकपा माले हो गया। इस बार के चुनाव में भाकपा माले को महागठबंधन से सीट शेयरिंग में तीन सीटें मिली थीं। इसमें आरा, काराकाट और नालंदा सीट शामिल हैं। काराकाट से राजाराम सिंह और आरा से सुदामा प्रसाद ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। दोनों ने अपने कद्दावर प्रतिद्वंदियों को हराया है। आरा में सुदामा प्रसाद ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं पूर्व आइएएस राजकुमार सिंह के खिलाफ जीत दर्ज की है तो वहीं काराकाट में राजाराम सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा और भोजपुरी फिल्मों के स्टार पवन सिंह के विरुद्ध जीत का परचम लहराया है। भाकपा माले के लिए यह ऐतिहासिक जीत इसलिए भी खास है कि बीते ढाई दशक से बिहार में वामपंथी दलों को लोकसभा के किसी चुनाव में जीत नसीब नहीं हुई थी। 1999 के चुनाव में भागलपुर सीट से माकपा के उम्मीदवार सुबोध राय को आखिरी जीत मिली थी। इसके बाद से वामदल बिहार में लोकसभा चुनाव में जीत के लिए तरसते रहे। इस बार के चुनाव में भाकपा माले ने बिहार में वामपंथ की राजनीति को फिर से खड़ा करने का भी काम किया है। वैसे माले को नालंदा संसदीय सीट से भी जीत मिलने की उम्मीद थी, जहां से उसके उम्मीदवार संदीप सौरव पूरे दमखम के साथ मैदान में थे। मगर यहां सफलता नहीं मिली।

मोदी सरकार की जीत पर लड्डू बांटकर मनाई गई खुशी

बिक्रमगंज। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के जीत पर मिठाई एवं लड्डू बांटकर सामूहिक रूप से खुशी मनाई गई। मोदी सरकार की मंगलमय भविष्य की कामना की गई हैट्रिक लगाने पर विशेष बधाई दी गई ।यह कार्यक्रम काराकाट विधानसभा की बिक्रमगंज प्रखंड अंतर्गत घुसिया खुर्द में सम्पन्न हुई। सभी लोगों ने मोदी को बधाई दी।

33 पीस शराब साथ कारोबारी गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि दिनारा गांव से गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 33 पीस 180 एमएल का 8 पी एम कंपनी का अंग्रेजी शराब के साथ श्रीराम पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

नसरीगंज। नसरिगंज पुलिस ने अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नासरीगंज धुस से अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त मामले में संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों के पास रिपोर्ट भेज दी गई है। मामले में ट्रैक्टर चालक एवं मालिक पर केस दर्ज किया गया है।

आजाद नगर गांव के समीप चाकू मार एक व्यक्ति की हत्या

केटी न्यूज/जहानाबाद

काको थाना क्षेत्र के सुलेमानपुर पंचायत अंतर्गत आजाद नगर गांव के समीप चाकू मार कर एक ब्यक्ति की हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है घटना के संबंध में लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुलेमानपुर गांव निवासी सकील मिया का कुछ दिनों से अपनी पत्नी से बिबाद चल रहा था पति पत्नी का मामला तलाक की ओर बढ़ता जा रहा था इसी से छुब्ध होकर उनके साले ने गाब से बाहर बुलाकर मारपीट किया तथा चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी वही वही घटना में बीच बचाब कर रहे शकील मिया के रिश्तेदार जाफरगंज निबासी सज्जाद मिया बुरी तरह घायल हो गए वही घटना की सूचना पाकर पहुची काको थाने की पुलिस ने दोनो लोगो को इलाईज के लिए सदर अस्पताल लाया जहाँ डॉक्टरों ने स्कील मिया को मृत घोषित कर दिया वही मामले में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया गया और थानाप्रभारी ने फोन उठाना मुनासिब नही समझा।

पूर्व कांड का एक अभियुक्त गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने पूर्व कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के चमराहा टोला निवासी जिंदल चौधरी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 490/23 के आलोक में लड़की भगाने का मामला दर्ज था। इस मामले में आरोपी की धरपकड़ के लिए छापेमारी की गई थी लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली थी।

आरा लोकसभा सीट से हैट्रिक लगाने से चूके आरके सिंह

- केंद्रीय मंत्री आरके सिंह पर भाकपा माले विधायक की बड़ी जीत
- 58 हजार वोटों के अंतर से सुदामा प्रसाद ने राजकुमार सिंह को हराया

केटी न्यूज/आरा

आरा लोकसभा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय ऊर्जा मंत्री राजकुमार सिंह हैट्रिक चुनाव हार गए। महागठबंधन के उम्मीदवार सुदामा प्रसाद ने उन्हें सीधे मुकाबले में करीब 58 हजार वोटों के अंतर से पराजित कर दिया। केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह को 462399 जबकि भाकपा-माले के उम्मीदवार सह तरारी विधायक सुदामा प्रसाद को 521,186 मत प्राप्त हुए हैं। केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह पिछले दो बार से सासंद रहे हैं। हालांकि जीत की हैट्रिक लगाने से वह चूक गए। सुदामा प्रसाद पर दांव लगा भाकपा-माले की ओर उन्हें जोरदार पटखनी दी गयी है। इसके साथ ही आरा लोकसभा सीट से महागठबंधन का खाता भी खुल गया। पिछले दो बार से भाकपा-माले आरके सिंह से चुनाव हार रही थी। इधर, देर शाम चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही महागठबंधन के कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। चुनाव परिणाम आते ही महागठबंधन जिंदाबाद के नारे बुलंद हो उठे। कार्यकताओं द्वारा लड्डू भी बांटे गए। बता दें कि बाजार समिति प्रांगण में चुनाव पर्यवेक्षक, डीएम और एसपी के उपस्थिति में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह करीब आठ बजे गिनती शुरू हुई। कुल चौबीस राउंड गिनती हुई। उसमें महागठबंधन प्रत्याशी सुदामा प्रसाद ने पहले राउंड से ही बढ़त बना ली थी, जो अंत तक जारी रही। हर चरण की काउंटिंग के बाद वोट का फासला बढ़ता गया। मतगणना के दौरान नोटा को चौथा स्थान हासिल हुआ है। नोटा के रूप में 16768 वोट पड़े हैं। जिला प्रशासन के अनुसार 1036298 वोट डाले गए थे। बता दें कि आरा लोकसभा से 2014 और 2019 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में राजकुमार सिंह चुनाव जीतने में सफल रहे थे। पिछली बार उन्होंने भाकपा-माले के प्रत्याशी राजू यादव को हराया था। अबकी बार भाकपा माले ने अपना प्रत्याशी बदल दिया। इस बार राजू यादव के बदले तरारी विधानसभा से लगातार चुने जा रहे विधायक सुदामा प्रसाद पर दांव लगाया था।

सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय ने नीरज शेखर को लगभग 90 हजार मतों से किया पराजित किया, भाजपा के हैट्रिक का सपना टूटा

पूर्वांचल में लहराया इंडिया गठबंधन का परचम, नहीं चला मोदी मैजिक

सपा के सनातन ने भाजपा के नीरज को चटाई धूल

- 90 हजार के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाने के सपने को किया चकनाचूर

केटी न्यूज / बलिया।

लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर को सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय से करारी हार का सामना करना पड़ा। सनातन पांडेय ने नीरज शेखर को लगभग 90 हजार मतों से पराजित किया। पिछले लोकसभा चुनाव में सनातन पांडेय को भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह मस्त से लगभग 15 हजार मतों से पराजित होना पड़ा था। लेकिन इस बार उन्होंने भाजपा के नीरज शेखर को धूल चटाकर अपनी हार का बदला ले लिया। वहीं इस सीट पर हैट्रिक लगाने के सपने को भी सनातन पांडेय ने चकनाचूर कर दिया। परिखरा स्थित मंडी समिति में मंगलवार को सुबह आठ बजे पोस्टल बैलेट के साथ मतगणना शुरू हुई। मतगणना के लिए विधानसभावार अलग-अलग टेबल लगाए गए थे। हालांकि पहला रुझान काफी देर से प्राप्त हुआ। मतगणना के शुरूआत से ही सपा प्रत्याशी ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त बनाए रखी। राउंड दर राउंड सपा प्रत्याशी की बढ़त लंबी होती गई। कुछ एक राउंड में ही भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर सपा प्रत्याशी की बढ़त कम करते नजर आए,

भुगतना पड़ा भितरघात का खामियाजा

बलिया। भाजपा ने बलिया लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करने के लिए अपना पूरा जोर लगाया था। यहां के सीटिंग एमपी वीरेंद्र सिंह मस्त का टिकट काटकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र को टिकट दिया गया था। इसके बाद भी भाजपा सत्ता विरोधी लहर से पार नहीं पा सकी। बैरिया और फेफना विधानसभा में पार्टी को भितरघात का भी खामियाजा उठाना पड़ा।

हैट्रिक लगाने का सपना हुआ चूर–चूर

बलिया। स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान ने भी भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया। वर्ष 2014 में भाजपा के भरत सिंह ने 359,758 मत पाकर सपा के नीरज शेखर को 139,434 मतों से हराया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के वीरेंद्र सिंह मस्त ने 469,114 मत पाकर सपा के सनातन पांडेय को 15,519 मतों से हराया था। लगातार दो चुनाव जीतने वाली भाजपा का बलिया लोकसभा सीट से हैट्रिक लगाने का सपना भी धरा का धरा रह गया।

लेकिन वो नाकाफी साबित हुआ। सिर्फ बलिया नगर विधानसभा को छोड़ दें तो सपा प्रत्याशी को बलिया के बैरिया, फेफना और गाजीपुर के जहूराबाद और मोहम्मदाबाद विधानसभा में अच्छे-खासे मत मिले। बसपा प्रत्याशी लड़ाई से एक दम बाहर दिखा। शुरू से ही उसे लड़ाई से बाहर माना जा रहा था।

@गाजीपुर : बेटी की मेहनत रंग लाई, पिता को मिली जीत

- गाजीपुर में दिग्गजों ने खूब किया प्रदर्शन, लेकिन नहीं खिला कमल
- अंसारी परिवार का जलवा कायम

केटी न्यूज / गाजीपुर

पूर्वी उत्तर प्रदेश की चर्चित सीटों में गाजीपुर लोकसभा सीट भी शामिल है। इस सीट पर सबकी निगाहें टिकी थी। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री सहित देश के दिग्गजों का लोकसभा क्षेत्र में जमावड़ा जरूर हुआ, लेकिन यहां बीजेपी कमल खिलाने में असफल रही। इस लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी से पारसनाथ राय, तो समाजवादी पार्टी से अफजाल अंसारी चुनाव लड़ रहे थे। अफजाल अंसारी को जीत दिलाने के लिए सपा कार्यकर्ता, गठबंधन के साथ ही अंसारी परिवार और उनकी बेटी की मुख्य भूमिका बताई जा रही है। सभी चुनावी रण में उतरकर घर-घर वोट मांग रहे थे। मेहनत रंग लाई और अंततः अफजाल अंसारी लगातार दूसरी बार गाजीपुर लोकसभा से सांसद चुन लिए गए। देखा जाए तो लोकसभा चुनाव में भाजपा ने माफिया के नाम से पूरे लोकसभा एवं आस-पास के जनपदों में खूब माहौल बनाया। मुख्तार अंसारी के साथ अफजाल अंसारी का नाम जोड़ते हुए लोगों में नफरत पैदा करने की कोशिश की गई। लेकिन हुआ इसके ठीक उल्टा, क्योंकि मुख्तार अंसारी की मौत के बाद नफरत की जगह अफजाल को खूब सहानुभूति मिली?। भाजपा गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र में इस बार हर कीमत पर कमल खिलाना चाह रही थी। लेकिन गैर राजनीतिज्ञ उम्मीदवार के अचानक मैदान में आने के बाद राजनीतिक समीकरण फिट नहीं बैठा। हालांकि इसे सुधारने के लिए भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं ने नामांकन से लेकर चुनाव के अंतिम समय तक कोशिश करते रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा और गृहमंत्री अमित शाह का रोड शो भी हुआ। इसके अलावा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलग-अलग विधानसभाओं में कार्यक्रम, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की जनसभा आज बड़े नेताओं के कार्यक्रम निरंतर चलते रहे। गाजीपुर के मतदाताओं का मूड परिवर्तित करने के लिए सबने पूरी ताकत झोंकी। लेकिन भाजपा की जनसभा, रोड शो, रैलियां यह सब उस समय फीकी पड़ गई, जब चार जून को सायंकाल पांच बजे फाइनल रिजल्ट आया और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अफजाल अंसारी लगातार दूसरी बार सांसद चुने गए। गाजीपुर की इस चर्चित सीट से सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी ने अपने निकटतम प्रतिदिन बीजेपी उम्मीदवार पारसनाथ राय को बुरी तरह पटखनी दी और 1,24,266 मतों से हराकर जीत का परचम लहराया। भाजपा उम्मीदवार पारसनाथ राय को कुल 4 लाख 13 हजार 518 मत मिले। जबकि सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी को कुल 5,37,784 मत मिले हैं। गाजीपुर लोकसभा सीट से तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार उमेश सिंह रहे। उन्हें कुल 1,64,601 वोट मिले। गाजीपुर लोकसभा सीट की बात करें तो इस बार के चुनाव में पिछड़े एवं अल्पसंख्यक मतदाताओं के साथ ही दलित मतदाताओं ने भी सपा के अफजाल अंसारी का साथ दिया है। बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर नवयुवकों एवं किसानों ने भी सपा का साथ दिया।

जौनपुर की दोनों लोकसभा सीट 73 जॉनपुर और 74 मछलीशहर सीट पर सपा का कब्जा

केटी न्यूज / जौनपुर।

लोकसभा के चुनाव में जनपद जौनपुर की दोनो संसदीय सीट 73 जौनपुर और 74-मछलीशहर (सु) पर सपा ने कब्जा कर लिया है जौनपुर संसदीय सीट पर सपा के बाबूसिंह कुशवाहा ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के कृपाशंकर सिंह को 97566 मतो से पराजित करते हुए जौनपुर संसदीय सीट पर कब्जा जमा लिया है। मतगणना के दौरान बाबूसिंह कुशवाहा को 506078 मत मिले तो कृपाशंकर सिंह को 408512 मत मिले है वहीं पर बसपा के श्याम सिंह यादव 1,56,691 मतो के साथ तीसरे स्थान पर रहे है। मतदान के समय कुल 10,99,223 मत पड़े और गणना भी वैध मिले 1096170 मतो की गणना हुई है।

इसी तरह मछलीशहर (सु)सीट पर भी सपा ने अपना कब्जा जमाते हुए भाजपा से छीन लिया है। यहां पर सपा ने केराकत विधायक तुफानी सरोज की बेटी प्रिया सरोज को चुनाव मैदान में उतारा प्रिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के निवर्तमान सांसद वीपी सरोज को 35313 मतो से पराजित करते हुए सपा का परचम लहराया है।यहा पर सपा की प्रिया सरोज को 4,49,096 मत मिले और भाजपा के वीपी सरोज को 413757 मत मिले है। बसपा के कृपाशंकर सरोज 1,56,680 मत के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यहां बता दें कि विगत 2019 के चुनाव में भी वीपी सरोज चुनाव हार चुके थे लेकिन सत्ता और प्रशासन ने मिलकर 182 वोटो से जीत दिलाते हुए लोकसभा में जानें का पर्चा दे दिया था लेकिन पांच साल लगातार वीपी सरोज ने आग बरसाया जिसका परिणाम रहा कि 2024 में जब पुनः मैदान मे आये तो जनता ने सबक सिखा दिया और हरा कर घर वापस कर दिया।

यहां यह भी बता दें कि 2019 के चुनाव में जौनपुर संसदीय सीट से सपा बसपा के गठबंधन पर श्याम सिंह यादव बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े और सपा के सहयोग से लोकसभा पहुंच गये पांच साल तक इनके भी कार्य से आवाम नाराज रही हलांकि 2024 के चुनाव में कई दलो में हाथ पांव मारने के बाद टिकट न पाने के बाद सपा नेतृत्व के प्रति अनाप सनाप बोलने लगे संयोग से बिल्ली के भाग से सिकहर टूटा और फिर श्याम सिंह यादव बसपा के टिकट पर चुनाव मैदान मे आ गए नाराज जनता ने इन्हे भी तीसरे स्थान पर धकेल दिया है।

प्रदेश में सपा ने अपना दम खम दिखायाः डॉ रागिनी सोनकर

- बाबू सिंह कुशवाहा और प्रिया सरोज को जीत पर दी बधाई

जौनपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा और मछली शहर लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी प्रिया सरोज की जीत पर मछली शहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस विजय को उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन और सपा की बढ़ती ताकत का प्रमाण बताया। डॉ. सोनकर ने कहा कि इस जीत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मनोबल गिरा है और जनता का विश्वास भी भाजपा से उठ गया है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सफलता का श्रेय सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अथक मेहनत और कुशल रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की दूरदर्शी योजना और समर्पण ने पार्टी को इस मुकाम पर पहुँचाया है। डॉ. सोनकर ने कहा कि पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) से जुड़े लोगों का भारी समर्थन मिलने से सपा की स्थिति और भी मजबूत हुई है। इस जीत के परिणामस्वरूप, न केवल जिले में बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देशभर में सपा और इंडी गठबंधन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विजय से सपा को और भी प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में पार्टी और भी मजबूत होकर उभरेगी। सपा की इस सफलता को डॉ. रागिनी सोनकर ने जनता की जागरूकता और अखिलेश यादव के नेतृत्व का प्रतिफल बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सपा और इंडी गठबंधन मिलकर जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और उत्तर प्रदेश को एक नई दिशा में ले जाएंगे। सपा की यह जीत आने वाले चुनावों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है और इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और जोश भरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बतौर स्टार प्रचारक मुझे देश के कई लोकसभा क्षेत्र में दौरा करने का अवसर मिला। सभी जगह जनमत इंडी गठबंधन के साथ दिख रहा था।

घोसी में सपा के राजीव राय ने मारी बाजी

केटी न्यूज / मऊ

70 घोसी लोक सभा क्षेत्र की मतगणना भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नवीन कृषि मंडी स्थल मऊ में सुबह में समय से 7बजे से मतगणना शुरू हो गई।घोसी लोक सभा क्षेत्र में मतगणना के शुरूवाती दौर में ही इंडिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी राजीव राय ने बढ़त हासिल करने लगे तीसरे चक्र में सपा के राजीव राय को 11316, सुभासपा के अरविंद राजभर को 9921 तथा बसपा के बालकृष्ण चौहान को 6212 मत मिले इस प्रकार सपा प्रत्याशी राजीव राय को 1395मत से आगे निकल गए। फिर 10वें राउंड की मतगणना में सपा को 41337,सुभासपा को 35571और बसपा को 22145मत मिला इस प्रकार सपा के राजीव राय 5766मत से आगे निकल गए । 20वें राउंड में सपा के राजीव राय को 89559,सुभासापा के अरविंद राजभर को 72347और बसपा के बालकृष्ण चौहान को 45565मत मिला और फिर सपा प्रत्याशी 17212वोट से आगे ही रहे ।

25वें राउंड में भी सपा को 117429,सुभास्पा को 92641तथा बसपा को 56263मत मिला इस प्रकार सपा के राजीव राय 24728मतों से आगे रहे । 35 वें राउंड में सपा को 195085, सुभासपा को 130746तथा बसपा को 77772मत मिला इस प्रकार सपा इस राउंड में 64339मत से आगे निकल गई। फिर 45 वें राउंड में सपा प्रत्याशी को 269030, सुभासपा को 175303 तथा बसपा को 104426मत मिला इसमें सपा ने फिर बढ़त हासिल किया और 73727मत से आगे निकल गई। 50 वें राउंड में सपा को 338513, सुभास्प को 212411 तथा बसपा को 130392 मत मिला ।और फिर सपा के राजीव राय 126102मत से आगे बढ़ हो गए। घोसी लोक सभा क्षेत्र के मधुबन, घोसी, मऊ,और मोहम्मदाबाद गोहाना विधान सभा की गिनती होने पर इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी राजीव राय को 458642 , एन डी ए के सुभासपा प्रत्याशी अरविंद राजभर को 308224था बसपा के बालकृष्ण चौहान को 192624 मत मिला है वही 28 प्रत्याशियों में मूल निवासी समाज पार्टी की लीलावती ने 35हजार मत पाकर सबको चौका दिया । नोटा पर करीब 3 हजार मत मिला। अभी रसड़ा विधान सभा की जानकारी नहीं मिलने से अभी परिणाम अधूरा रह गया है । खबर लिखने तक कोई कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उलटफेर : चंदौली में राजपूत वोटरों की नाराजगी भारतीय जनता पार्टी को पड़ी भारी, महेंद्र नाथ पांडे को 452911 मतों से करना पड़ा संतोष

सपा की हुई चंदौली, वीरेंद्र ने महेंद्र को 21565 मतों से दी शिकस्त

केटी न्यूज / चंदौली

राज्य सरकार में पूर्व मंत्री रहे इंडिया गठबंधन और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह ने 76 लोकसभा संसदीय क्षेत्र चंदौली से विजय श्री हासिल की है। उन्होंने केंद्र सरकार में भारी उद्योग मंत्री रहे डॉ महेंद्र नाथ पांडे को 21565 मतों के अंतर से शिकस्त दी है। चुनाव के शुरूआत से ही क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाने में सफल रहे वीरेंद्र सिंह ने दो बार के लगातार सांसद रहे डॉ महेंद्र नाथ पांडे के हैट्रिक लगाने के इरादे पर तुषारापात कर दिया है। उन्हें कुल 474476 मत प्राप्त हुए। वही डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे को 452911 मतों से संतोष करना पड़ा। तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी सत्येंद्र मौर्य रहे। उन्हें 159903 प्राप्त हुए। चंदौली संसदीय क्षेत्र में राजपूतों की नाराजगी भारतीय जनता पार्टी के जीत के इरादों के आगे आ गई। गौरतलब है कि राजपूत बिरादरी के लोग भाजपा से नाराज चल रहे थे। डैमेज कंट्रोल के तहत भारतीय जनता पार्टी ने मुगलसराय से पूर्व विधायक रहीं राजपूत बिरादरी से आने वाली साधना सिंह को राज्यसभा का सदस्य भी बनाया। बावजूद इसके भाजपा को यह सीट गंवानी पड़ी। वहीं समाजवादी पार्टी ने 2009 के बाद फिर से सीट पर कब्जा जमाया है। पिछली बार समाजवादी पार्टी के नेता रामकिशुन ने चंदौली संसदीय क्षेत्र से लोकसभा तक का सफर तय किया था। उसके बाद से जनता ने लगातार कई चुनाव में सपा को तरजीह नहीं दी थी। अगर राष्ट्रीय नेताओं के दौरों की बात की जाए तो ठाकुर बिरादरी के राष्ट्रीय स्तर के नेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसदीय क्षेत्र के धानापुर में और अपने गृह विधानसभा क्षेत्र चकिया के शहाबगंज गंज क्षेत्र में सभा कर राजपूतों के वोटों को संगठित करने का प्रयास किया लेकिन उनके वादों इरादों को भी राजपूतों ने भाव नहीं दिया। जबकि चंदौली भाजपा संगठन में ठाकुर नेताओं की भरमार है। वहीं इंडिया गठबंधन की ओर से अकेले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक मात्र सभा की जो काम कर गई।

ईवीएम खुलते ही बनी बढ़त अंत तक रही बरकरार

केटी न्यूज / चंदौली।

इंडिया गठबंधन व सपा प्रत्याशी बीरेंद्र सिंह सुबह आठ बजे ईवीएम का पिटारा खुलते ही बढ़त बना ली। मामूली बढ़त मतगणना के बढ़ते चक्र के साथ बरकरार रही और धीरे-धीरे बढ़ती गयी। बीच में प्रतिद्वंद्वी डा.महेंद्रनाथ पांडेय ने एक-दो मामूली बढ़त जरूरी बनाई, लेकिन अगले की चरण की गणना में फिर से वीरेंद्र सिंह अपनी लीड को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ते गए। नतीजा यह रहा कि मतगणना बढ़ने के साथ ही वीरेंद्र सिंह अपनी जीत के करीब पहुंचते गए और डा.महेंद्रनाथ पांडेय से उनके मतों का आंकड़ा भी बढ़ता गया। अंततः वीरेंद्र सिंह के खाते में जीत आई और तीसरी बार जीत की आस लगाए डा.महेंद्रनाथ पांडेय को हार का सामना करना पड़ा। मतगणना के पहले चक्र के नतीजे जब सार्वजनिक हुए तो पहले ही चक्र में वीरेंद्र सिंह ने 22269 मत पाकर डा. महेंद्रनाथ पांडेय को 6866 वोट से पीछे कर दिया। यह सिलसिला दूसरे चक्र में भी जारी रहा। दूसरे चक्र में वीरेंद्र सिंह को प्राप्त 18966 मत के सापेक्ष डा.महेंद्रनाथ पांडेय 17092 मत पाकर फिर से पिछड़ गए। तीसरे चक्र में बीरेंद्र सिंह को 17183 व डा.महेंद्रनाथ पांडेय को 18175 मत मिले, यहां उन्होंने थोड़ी बढ़ ली और चौथे चरण में भी डा.महेंद्रनाथ पांडेय को 18704 मत प्राप्त हुए, जो वीरेंद्र सिंह को प्राप्त मत 17072 से ज्यादा था। पांचवें चरण में भी उन्होंने अपनी बढ़त से वीरेंद्र सिंह की मार्जिन को कम किया। लेकिन छठे चरण में फिर से वीरेंद्र सिंह ने 16915 मत प्राप्त कर डा.महेंद्रनाथ पांडेय को पीछे छोड़ना शुरू किया। सातवें चरण में डा.महेंद्रनाथ पांडेय ने 17719 मत प्राप्त कर लम्बा अंतर पाटने की कोशिश की और अगले राउंड में सपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह को प्राप्त 14541 मत के सापेक्ष डा.महेंद्रनाथ पांडेय को 15894 मत मिले, जो सपा प्रत्याशी से अधिक था। लेकिन नौवें राउंड में फिर से सपा प्रत्याशी को भाजपा के डा.महेंद्रनाथ पांडेय से ज्यादा मत मिले। हालांकि 10वें राउंड में भाजपा के डा.महेंद्रनाथ पांडेय ने फिर से वापसी करने का प्रयास किया और इस राउंड में उन्हें सपा प्रत्याशी से अधिक मत प्रापत हुए। 11वें राउंड में मामूली अंतर से फिर से पिछड़े और 12वें राउंड में 3251 मत प्राप्त किया, जो सपा प्रत्याशी को प्राप्त 3064 मत से थोड़ा अधिक था। 13वें, 14वें और 15वें राउंड में सपा प्रत्याशी ने फिर से लीड ली और 17वें राउंड में सपा प्रत्याशी का कुल मार्जिन 443 रह गया। इसके बाद वीरेंद्र सिंह और डा.महेंद्रनाथ पांडेय के बीच जीत का अंतर धीरे-धीरे बढ़ता गया, जो फिर नहीं घटा और अंततः वीरेंद्र सिंह ने दो बार चंदौली लोकसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज भाजपा नेता व केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा.महेंद्रनाथ पांडेय को शिकस्त देकर विजय हासिल की।

सुभाषितम्

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी?

लोकसभा चुनाव 2024 का रुझान 4 जून को सामने आ गया है। एनडीए गठबंधन लगभग 295 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं इंडिया गठबंधन 231 सीटों पर बढ़त बनाये हुए है। अन्य 17 जो किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं वह अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने इस लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष के सभी दावों को खोखला साबित किया है। इसके साथ ही संविधान, संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए जिस तरह से उन्होंने लड़ाई लड़ी है, इसके लिए विपक्ष बधाई का पात्र है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को धीरे से इतना जोर का झटका लगेगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। हिंदी भाषी राज्यों में 2019 की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को सभी राज्यों में नुकसान हुआ है। चुनाव के जो प्रारंभिक रुझान देखने को मिले उसके अनुसार एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी को 241 सीटों पर बढ़त है। दोपहर 3 बजे तक का यह रुझान था। इस रुझान को देखते हुए कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर यह चुनाव लड़ा गया था। भाजपा सबसे बड़ी बहुमत वाली पार्टी है और वही सरकार बनाने का दावा करेगी। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति द्रोपदि मुर्मू प्रधानमंत्री की शपथ के लिए नरेंद्र मोदी को आमंत्रण देंगी। सदन में बहुमत साबित करने के लिए कुछ दिन का समय उन्हें मिलेगा। इंडिया गठबंधन को यदि स्पष्ट बहुमत भी मिल जाता है, इसके बाद भी प्रधानमंत्री पद की शपथ नरेंद्र मोदी ही लेंगे। इस बात की पूरी संभावना है। 5 साल पहले 30 मई 2019 को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसी स्थिति में वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भाजपा में अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखने के लिए, नरेंद्र मोदी और अमित शाह हर संभव प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर अन्य राजनीतिक दलों को एनडीए गठबंधन में शामिल होने के लिए वह बेहतर प्रयास कर पाएंगे। भाजपा में जिस तरह से अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को लाया गया था। 400 पार का जो नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था। उस स्थिति में भाजपा का कोई भी नेता उन्हें चुनौती देने की स्थिति में नहीं था। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को घर बैठा दिया है। भाजपा में अन्य विचारधारा के लोगों को लाकर संगठन और सत्ता के मुख्य पदों पर बैठाया गया है। राज्यों के कद्दावर नेताओं को लगातार कमजोर किया गया है। इस कारण पार्टी के अंदर प्रधानमंत्री मोदी और शाह को लेकर नाराजी है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह यहां तक की उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र एवं गुजरात के बड़े नेता जिस तरह से पार्टी के अंदर साइड लाइन किए गए, उससे भाजपा नेताओं के बीच में नाराजी है। एक बार फिर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में पार्टी में अभी जो विरोध है, उसे आसानी से दबाया जा सकता है। रुझान में एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में एनडीए गठबंधन के नेताओं को मंत्रिमंडल में स्थान देकर, उन्हें एकजुट करके रखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसमें कोई कष्ट नहीं होगा। इंडिया गठबंधन के पास चुनाव परिणाम घोषित होने तक, यदि इंडिया गठबंधन की सीट एनडीए गठबंधन से ज्यादा हो जाती है, ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन की सरकार बन सकती है। एनडीए गठबंधन के कुछ घटक दल, एनडीए छोड़कर इंडिया गठबंधन में भी शामिल हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था। महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

म. प्र. में सार्थक करेगा नमामि गंगे

- दीपक सिंह

विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 1972 में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जागरूक करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा शुरू किया गया था। यह दिन हर साल 5 जून को मनाया जाता है और इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदना को बढ़ावा देना है। वैसे तो पर्यावरण एक दिन कार्यक्रम करने का विषय नहीं है, यह एक संकल्प है जो निरन्तर चलने वाली सुधारात्मक प्रक्रिया का एक हिस्सा है। 5 जून एक ऐसा अलार्म है जो हमें पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्य का बोध करता है। इस दिन लोग पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने और इसके संरक्षण के लिए समेकित स्वर में आवाज उठाते हैं। मध्यप्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत रूप से कार्य किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश की जनता जनार्दन पर्यावरण प्रेमी होने के साथ पर्यावरण के इको सिस्टम के प्रति संवेदनशील भी है। पर्यावरण शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में पर्यावरण सचेतना कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्कूल-कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम हो रहे हैं। आज के युवा पर्यावरण के प्रति सजग और समर्पित है। आज के समय की एक और मांग है कि वृक्षों का स्थानांतरण - यानी ट्री ट्रांसप्लांट करना। इसके बारे के जागरूकता की बहुत आवश्यकता है। अक्सर देखा गया है कि निर्माण कार्यों में पेड़ों को काट दिया जाता है जबकि उन्हें ट्रांसप्लांट कर बचाया जा सकता है। इसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। यह कार्य बहुत जटिल भी नहीं है। अन्य राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश में जंगलों एवं वृक्षों की संख्या अच्छी है लेकिन हमें इसे समय की जरूरत को देखते हुए और बढ़ाना है। ट्री ट्रांसप्लांट से हम पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं। जल संरक्षण के लिए जल संरक्षण अभियान और जल संचारण परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। शहरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए नियम में स्पष्टता लाई जा रही है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में स्टॉप डेम, खेत तालाब, सिंचाई की आधुनिक पद्धति ड्रिप इरीगेशन जिसमें जल को कल के लिए बचाया जा सके, इस दिशा में काम चल रहा है। सबसे अच्छी बात यह है कि ग्रामीण युवा जल संरक्षण को लेकर बहुत जागरूक दिखाई दे रहे हैं। स्वच्छता अभियान चलाकर शहरों और गाँवों को स्वच्छ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में कचरा निस्तारण किया जा रहा है। शहरों में तो दिन और रात सफाई हो रही हैं। इन्दौर भारत का पहला ऐसा शहर बना है जो स्वच्छता के 7 कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। वहीं कई गांव है जो आदर्श ग्राम बन कर प्रेरणा दे रहे हैं। बिजली और पानी की बचत के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए उपायों पर काम किया जा रहा है। सुदूर क्षेत्रों में पेड़ लगाने और वन्यजीव संरक्षण के लिए परियोजनाएं शुरू की गई हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए सामुदायिक संगठनों का सहयोग दिया जा रहा है। इन सभी कार्यों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करके एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण का संरक्षण करना है। जिससे आने वाली पीढ़ी खुली हवा में सांस ले सके और शुद्ध हवा, शुद्ध जल आदि उनके लिए बचे रहे।

जैविक खेती आज की जरूरत है। किसान इसके प्रति जागरूक हो रहे हैं लेकिन अभी और जागरूकता बाकी है। हम सब को मिलकर देशहित में प्रयास करना चाहिए कि जैविक खेती को अधिक से अधिक अपनाकर प्रेस्टीसाइड के उपयोग को कम किया जाए। इससे हमारे स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और पर्यावरण का तंत्र भी मजबूत होगा। आज के जमाने में हो रही बीमारियों में बहुत बड़ा कारण दवाई के छिड़काव से उत्पादित खेती का अनाज, सब्जी आदि का सेवन करना है। जबकि जैविक खेती न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है बल्कि आर्थिक रूप से हमें सक्षम भी बनाती है। इतना ही नहीं जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है। इसी से जुड़ा हुआ एक और महत्वपूर्ण विषय है - गोवंश। गोवंश पालन आज की जरूरत है। गाय का हमारे जीवन में बहुत योगदान रहा है। गाय से सिर्फ दूध ही नहीं मिलता बल्कि उसके गोबर से 120 से ज्यादा उत्पाद बनाये जाते हैं। गाय के मूत्र से बनने वाला जीवामृत कृषि कार्य में उपयुक्त होने वाला सबसे बेहतरीन अमृत है। इसके उपयोग मात्र से फसलों में लगने वाली बीमारियां दूर हो जाती है। हमारी संस्कृति में गाय को माता माना गया है और उसकी पूजा की जाती है। गाय को गोधन भी इसलिए कहा जाता है कि वह हमारी संपदा भी है। उसके पालन से कई किसानों के परिवार अपनी आजीविका चलाते हैं। ऐसी मान्यता है कि अलसुबह गाय के दर्शन करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आज 5 जून से मध्य प्रदेश में नमामि गंगे अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान में तालाब, बावड़ी, पोखर, नदियों और अन्य जलस्त्रोतों का संरक्षण और पुनरुद्धार होगा, वहीं व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण की तैयारी भी इस दौरान की जाएगी। अभियान के दौरान जल संरचनाओं के उन्नयन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराये जाएंगे। अभी वर्तमान में कुँए, बावड़ी और तालाब के गहरीकरण और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वहीं नदियों को उनका अस्तित्व लौटने के प्रयास जारी है।

जल संरचनाओं को व्यवसाय व रोजगार मूलक बनाने के उद्देश्य से पर्यटन, मत्स्य पालन, सिंघाड़े का उत्पादन जैसी संभावनाओं का निर्धारण किया गया है। चिन्हित जल संरचनाओं की मोबाइल ऐप से जियो टैगिंग भी की जाएगी। जल संग्रहण संरचना से निकाली गई मिट्टी एवं खाद का उपयोग स्थानीय कृषकों के खेतों में किए जाने को प्राथमिकता दी जायेगी। यह कार्य क्षेत्रीय जन सहयोग से और भी बेहतर तरीके से किया जा सकता है। जल संरचनाओं के किनारे पर यथा संभव बफर जोन तैयार किए जाएंगे। इस जोन में अतिक्रमण से बचाने एवं नदी तालाबों के कटावों को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क के विकास जैसे कार्य किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्र में जल संरचनाओं के जल की गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी। जन-जागरूकता के उद्देश्य से 6 जून को प्रत्येक नगरीय निकाय में जल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 8 जून को जन भागीदारी से श्रमदान कर जल संरचनाओं की साफ-सफाई की जाएगी। 9 जून को जल संरचनाओं के समीप कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही 9 जून को जल संरक्षण विषय पर निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे। 10 से 16 जून तक योजनानुसार जीर्णोद्धार के साथ-साथ जल संरचनाओं की साफ-सफाई भी होगी। 15 व 16 जून को गंगा दशमी के अवसर पर प्रमुख जल स्त्रोतों के किनारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गंगा आरती, भजन समारोह इत्यादि आयोजित किये जायेंगें। जल स्त्रोतों के संरक्षण, जीर्णोद्धार व उन्नयन कार्यक्रम की निगरानी प्रतिदिन की जायेगी। इस अभियान के दौरान नगरीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। बढ़ता तापमान चिंता का विषय है। अभियान के तहत व्यापक जन जागरूकता और जन सहभागिता के साथ जल स्त्रोतों का संरक्षण और वृक्षारोपण होगा। जल स्त्रोतों, हाइवेज, प्रमुख मार्गों सहित पहाड़ियों में क्लस्टर प्लांटेशन किया जाएगा। ड्रिप इरीगेशन और फलदार वृक्षों का रोपण आने वाले समय में एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा। इन्दौर संभाग में सभी ज़िलों में ऐसी जल संरचनाएं है जो प्राचीन समय के परोपकार की भावना को आज भी प्रदर्शित करती हैं।

आखिर भाजपा के साथ मोदी भी हारे

- राकेश अचल

आम चुनाव के नतीजे आने से पहले मैंने कहा था कि ये चुनाव 400 पार का नहीं बल्कि आर-पार का है। आज 4 जून 2024 को आये नतीजे ये प्रमाणित कर रहे हैं की मेरा अनुमान गलत नहीं था। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होते हुए भी इस बार अकेले बहुमत हासिल नहीं कर सके। 400 पार का नारा तो दूर की बात रही। भाजपा 370 धारा के सहारे प्रति बूथ 370 वोट बढ़कर अकेले दम पर 370 सीटें जितने के लिए खून पसीना बहाया था। देश में नयी सरकार भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की बनेगी या कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की, ये आज मै नहीं कहने वाला। आज मै सिर्फ इतना कहता हूँ कि निवर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने खारिज कर दिया है। भाजपा को जी कुछ हासिल हुआ है वो मोदी जी के नाम या चेहरे की वजह से नहीं बल्कि उन नेकरधारियों के श्रम की वजह से हासिल हुआ है जिन्हें नतीजे आने से ठीक पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। देश के अभूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनेगी यी नहीं ये भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों को तय करना है। देश की जनता ने अपना मत दे दिया है कि उसे मोदी जी का न चेहरा देखना और न उनकी गारंटियों की उसे जरूरत है। इस चुनाव में मोदी जी हारे सो हारे बल्कि हिंदुत्व और सनातन की दरियादिली भी हारी। मोदी जी ने इस खासियत को संकीर्णता में बदलने की कोशिश की थी। कांग्रेस के राहुल गांधी की मोहब्बत की दूकान का शटर नीचे नहीं गिरा। उनकी दूकान खूब चली। 2024 के जनादेश ने भाजपा और मोशा की जोड़ी को पुन : मूषक बनने पर विवश कर दिया।

आम चुनाव में नतीजे अप्रत्याशित आते रहते हैं लेकिन वे इतने अप्रत्याशित नहीं होते की उत्तर प्रदेश जैसे बुलडोजर संहिता वाले राज्य में ही मतदाताओं ने बुलडोजर चला दिया। भाजपा की दाढ़ से ज्यादा मोशे की दाढ़ में सत्ता का खून लग चुका है इसलिए भाजपा और मोशा आसानी से सत्ता छोड़ने वाले नहीं है। वे चंद्र बाबू नायडू के साथ ही वे किसी भी क्षेत्रीय दल के साथ गठजोड़ कर सकते हैं। मुझे निवर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति पूरी सहानुभूति है ,क्योंकि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। वे कामयाब अभिनेता है। वक्ता हैं, बहुरूपिये हैं ,मदारी हैं। उनके जैसा कोई दूसरा नहीं है। लेकिन वे पंडित जवाहर लाल नेहरू बनते-बनते रह गए। चुनाव नतीजों ने बता दिया कि उनकी लोकप्रियता सातवें आसमान को नहीं छू पायी है। मुझे लगता है कि आम चुनाव के नतीजों के बाद अब एक बार फिर भाजपा की चाल,चरित्र और चेहरा फिर से बदलेगा। भाजपा को और संघ को ये करना ही पड़ेगा। भाजपा के रणनीतिकार यदि ऐसा नहीं करेंगे तो आप देखेंगे कि आने वाले दिनों में भाजपा की हालत ठीक वैसी ही होगी जैसी पिछले दशक में कांग्रेस की हुई थी। वर्ष 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस के अलावा देश के अनेक क्षेत्रीय दलों ने कुछ खोया नहीं है बल्कि हासिल ही किया है। ओडिशा की बीजू जनता दल इसका अपवाद है। भाजपा को न दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने कोई लाभ नहीं मिला। भाजपा को पंजाब में कुछ नहीं मिला। वहां कांग्रेस फिर से अंकुरित हो गयी। भाजपा का नुक्सान दिल्ली में भी हुआ और पंजाब में भी। लेकिन आम आदमी की भूमिका देश का राजनैतिक माहौल बदलने में कम नहीं हो जाती। बिहार में भले ही राजद अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके लेकिन उनका हौसला आईएनडीआईऐ के काम आया। नयी सरकार में कौन प्रधानमंत्री होगा या नहीं ये अलग मुद्दा है ,लेकिन ये साफ हो गया है कि देश मोदी जी मनमानी यानि तानाशाही से फिलहाल बच गया है। देश का संविधान बच गया है। अल्पसंख्यकों का आरक्षण बच गया। देश का 20 करोड़ मुसलमान बन बच गया। देश का भाईचारा बच गया। देश मंदिर -मस्जिद के विवाद से बच गया। अब भाजपा को राम का नहीं कृष्ण का आसरा लेकर भविष्य की राजनीति करना पड़ेगी। अपना नेता बदले बिना भविष्य की राजनीति नहीं कर सकती। भाजपा यदि माननीय नरेंद्र मोदी के नाम पर अड़ी रही तो भाजपा का भट्टा बैठ जाएगा। भाजपा ने पिछले दस साल में भाजपा ने जिस तरह से आपरेशन लोटस और आपरेशन झाड़ू चलाया उससे भाजपा को लाभ होने के बजाय नुक्सान हुआ। अगले 48 घंटे में देश की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठेगा कोई नहीं बता सकता। मै भी नहीं बता सकता। लेकिन ये तय है कि भाजपा के नेतृत्व में यदि नयी सरकार बनती है तो उसकी उम्र और शक्ति पहले जैसी नहीं होगी। भाजपा की जो दुर्दशा आज हुई है उससे ज्यादा दुर्दशा कांग्रेस की अतीत में हो चुकी है। तमाम विसंगतियों कि बावजूद भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए जाहिर है कि राष्ट्रपति सबसे पहले भाजपा और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन को सरकार बनाने का निमंत्रण देगीं। मुमकिन है की तोड़फोड़ में माहिर भाजपा आखिर तक हार न माने और सरकार बनाने लायक संख्या जुटा ले ,लेकिन भाजपा की सरकार अब न 2029 का सपना पूरा कर पायेगी और न 2047 का भारत बना पाएगी। क्योंकि अब नयी सरकार में मोदी जी की गरज पहले जैसी नहीं होगी। वे प्रधानमंत्री बनेगें या नहीं ये भगवान जानता है ,लेकिन मै ये जानता हूँ कि अब मोदी जी अविनाशी नहीं रह पाएंगे। उनके अवतार को आज नहीं तो कल चुनौतियाँ मिलेंगी। जब आप ये आलेख पढ़ रहेंगे होंगे तब तक अंतिम चुनाव परिणाम आ चुके होंगे। इसलिए जो कुछ बदलेगा वो आज नहीं बल्कि अगले 48 घंटे में बदलेगा। नयी सरकार अब देश का अतीत नहीं बदल पायेगी। भूगोल नहीं बदल पाएगी ,अर्थशास्त्र नहीं बदल पायेगी ऐसे में भविष्य कैसे बदलेगी कहना कठिन है। ये चुनाव परिणाम इस बात के भी द्योतक हैं की इस देश में न कोई पप्पू है और न कोई शाहजादा और न उसकी भाषा नक्सलियों की भाषा है। विपक्ष के हर नेता की भाषा देश की जनता समझती है। यदि राहुल की भाषा नक्सलियों जैसी होती तो वे भी उसी तरह खारिज कर दिए जाते जिस तरह मोदी जी को खारिज किया गया है। नयी सरकार में जो भी प्रधानमंत्री बने उसे हमारी और से अग्रिम शुभकामनायें। नई सरकार से एक ही अपेक्षा है कि वो देश को उस तरह से न हाँके जैसे की माननीय मोदी जी हाँक रहे थे।

सनातन का संदेश देती भ्रमणशील जमात की यात्रा

- सज्जन कुमार गर्ग

श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण की भ्रमणशील जमात एक चलता फिरता तीर्थ स्वरूप है। सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार के लिए भारत के शहर से ग्रामीण स्थानों पर भ्रमण करते रहते हैं,जहां सत्संग प्रवचन धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं,यहां साधु संत वैदिक विधि-विधान के साथ गणेश-पंचदेव एवं कलश पूजन कर प्रवास करते हैं।।श्री सत पंच परमेश्वर भ्रमणशील जमात बिहार मे लगभग चालीस बर्ष पूर्व 1984 में जमात पहुंची थी। पुन. 2024के मार्च मे यह यात्रा बिहार के बक्सर जिले मे प्रवेश की और बकसर के साथ पटना बाढ,जमालपुर मुंगेर के विभिन्न स्थानो की यात्रा कर अब झारखंड मे प्रवेश करने वाली है। श्री सत पंच परमेश्वर पंचायती अखाड़ा बडा उदासीन,मुख्यालय प्रयागराज श्रीमहंत मेहश्वर दास जी,मुखिया महंत दुगार्दासजी,मुखिया महंत अद्वैत्वानंद जी महाराज की अगुआई में संत-महंतों का , तपस्वी संतों के चलता फिरता तीर्थ की यात्रा जारी है।श्रीमहंत मेहश्वर दास जी मुखिया महंत दुगार्दास जी के अनुसार वैदिक परंपरा के अनुरूप प्रवास के दौरान संत विशेष पूजन, ध्यान व वैदिक परंपराओं का निर्वहन करते हैं।भ्रमणशील जमात में पद निधारित हैं,श्री महंत,मुखिया महंत,पुजारी भंडारी,कोठारी तथा,कार्यवारी कोतवाल के पद नियुक्त हैं। सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार के लिए देश के चारो धाम तीर्थ स्थल कुंभ मेला सहित देश भर में भ्रमण पर रहती हैं जमात। पहले भ्रमणशील जमात में हाथी,घोड़े ऊंट के साथ पूज्य संत की जमात देशभर का भ्रमण करती थी। समय के साथ हर क्षेत्र मे बदलाव के मद्देनजर अखाड़ा के पूज्य संतो की भ्रमणशील जमात मे भी बदलाव किया गया। जहां वर्तमान समय मे हाथी,घोड़े बैलगाड़ी के स्थान पर अब वाहन के माध्यम से भ्रमणशील जमात देश भ्रमण कर रही है। यात्रा का मकसद लोगो मे सनातन के प्रति जागरूकता पैदा करना ओलम्पिक तथा मठो की स्थित का अवलोकन भी करना है,लोगो मे अध्यात्मिक भाव बना रहे इसकी महती जवाबदेही संतो की हैं,श्रीमहंत मेहश्वर दास जी कहते है कि पहले भ्रमणशील जमात काबुल तक जाती थी,जिसका रिर्काड आज भी प्रयागराज मे संरक्षित है,उदासीन आचार्य श्रीचंद्र देव जी इस परंपरा के प्रर्वतक है उनकी मयार्दाओ का पालन आज भी किया जा रहा है। हमलोग को अपने गुरू वचन पर विश्वास है ओर उसी का पालन कर रहे हैं।यह संस्था जगह-जगह सनातन का प्रचार करती है सिर्फ धर्म का ही प्रचार करना इसका मकसद नही है बल्कि मानव कल्याण के कार्यो से भी जुड़ी हुई है,संगठन द्वारा जनहित के अनेक कल्याण कारी काम किए जा रहे है खासियत यह है कि संत अपने काम का प्रचार नही करते सिख धर्म के प्रर्वतक श्री गुरुनानक देव जी के सुपत्र भगवान श्रीचंद्र महाराज ने उदासीन सम्प्रदाय की स्थापना की ओर भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए शैव,वैश्विक शाक्त, सौर तथा गणपतय मत को मानने वाले सभी धमार्चार्य को संगठित कर पंचायत उपासना प्रतिपादित किया,महंत दुगार्दास जी महाराज के अनुसार इस संप्रदाय मे हिन्दु धर्म मे जाती पाती,ऊच नीच,छोटे बडे का भेद मिटाकर समाजिक समरसता ओर मानव मात्र की मुक्ती के लिए नई राह दिखाई साथ ही हिन्दु धर्म मे वैचारिक वाद विवाद कौन मिटाकर सत सनातन धर्म को समन्वय का विराट रूप प्रदान किया ओर भारतीय संस्कृत की महान परंपरा को जन-मानस को समझाया,लोग कल्याण की परंपरा को आगे बढाते हुए इस संस्था द्वारा संस्कृत पाठशाला,मेडिकल कॉलेज,का संचालन किया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य आपका साथ देगा। आज आपको बढ़ते हुए आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी।

तुला आज दिन परेशानी और चिंता में बीतेगा। आपको कुछ मामलों में बिना वजह की परेशानी होगी।

वृषभ आज आपका दिन खुशी में बीतेगा। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी।

वृश्चिक समाचार मिलेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।

मिथुन आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।

धनु आज का दिन सफलता से भरा होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा।

कर्क अपने परिवार की सलामती के लिए काम करते हैं तो आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर किस्मत साथ दे रही है और सम्मान में वृद्धि होगी। ग्रह चाल से आपका भाग्य विकास होगा।

सिंह आज कारोबार की चिंता काफी परेशान करेगी। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमित नहीं है।

कुंभ आज सम्मान में वृद्धि का दिन है। आज आपको कोई सुअवसर मिलने से लाभ होगा।

कन्या सफलता से भरा होगा और आज काफी बिजी रहेंगे। विशेष प्रकार की भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी।

मीन आज दिन सफलता से भरा होगा। आज उन्नति के क्षेत्र में कई रास्ते खुलेंगे और आपको लाभ होगा।

विशेष

मोदी के ध्यान का त्वरित प्रतिफल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 बरस पहले केदारनाथ की गुफा में बैठकर ध्यान लगाया था। इसका प्रतिफल भी उन्हें मिला। गुफा में ध्यान का टीवी प्रसारण चलता रहा। इसका फायदा चुनाव में मिला। 2024 मे लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन,चुनाव प्रचार करने के बाद मोदी सीधे केरल के विवेकानंद शिला पर जाकर ध्यान मुद्रा में बैठ गए। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी वह मीडिया में छाए रहे। ध्यान की विभिन्न मुद्राओं में उनके फोटो,नेशनल टीवी और अखबारों में प्रकाशित हुए। मतदान के दिन बनारस के मतदाताओं को उनके दर्शन टीवी में लगातार होते रहे।

कांग्रेस सवाल पूछती रही जवाब एक का भी नहीं मिला

लोकसभा चुनाव के दौरान प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से 272 सवाल पूछे। प्रधानमंत्री ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश के बारे में 7, अरुणाचल के बारे में 1 असम के 3 बिहार की 21 छत्तीसगढ़ के 8 दिल्ली के 11 गोवा के 3 गुजरात के 6 हरियाणा के 6 हिमाचल के 4 जम्मू कश्मीर के 4 झारखंड के 14 कर्नाटक के 13 केरल के 4 लद्दाख के 4 मणिपुर के तीन और भी अन्य कई सवाल पूछे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक का भी जवाब नहीं दिया। उसके बाद भी कांग्रेस सवालों की झड़ी लगाती रही। भाजपा हमेशा सवाल पूछती है। सवाल का जवाब कभी नहीं देती है। मोदी की सफलता का यही राज है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1806: लुआ बोनापार्ट हालैंड के शासक बने. 1947: अमेरिकी विदेशमंत्री जार्ज मार्शल ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देशों को उबारने के लिए मार्शल योजना की घोषणा की. 1953: डेनमार्क में नया संविधान प्रभावी हुआ. 1967: इजरायल और अरब देशों में युद्ध भड़का. 1975: स्वेज नहर इजरायल को छोड़कर अन्य सभी देशों के जहाजों के लिए खोल दिया गया. 1984: मिस्त्र के प्रधानमंत्री एफ.मोहेद्दीन का निधन हुआ. 1997: भारत ने 400 करोड़ का सोना बेचा. 1993: राष्ट्रसंघ शांति सेना के साथ सोमालिया में कार्यरत पाकिस्तान के 23 सैनिक मारे गये. 1998: नाट्यकर्मी वी.एम.शाह का लखनऊ में अचानक निधन. 1998: उर्दू के शायर अली सरदार जाफरी को प्रधानमंत्री ने ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया. 2003 अफगान में झड़प में 40 तालिबानी मारे गये.

दैनिक पंचांग

05 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.56 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	08.10 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.26 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.38 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.49 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	17.03 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.19 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.25 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.11 बजे से
राहुकाल		मीन	00.44 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	02.14 बजे से
		वृष	03.54 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 157 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **तिथि** चतुर्दशी 19.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 21.16 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.57 बजे तदनन्तर शकुनि 19.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 35' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872001 **जूलियन दिन** 2460466.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्काद **तारीख** 27 **विशेष** मासिक कार्तिगाई, विश्व पर्यावरण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

सरकारी बैंकों के शेयर धड़ाम, एक दिन पहले ही भरे थे ऊंची उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए के 400 के पार का सपना दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। एग्जिट पोल से गदगद बाजार जितना उछला था, आज उतना ही नीचे गिर गया। पीएसयू और बैंकिंग स्टॉक्स जिस तेजी से उड़ान भरे थे, आज उतनी ही स्पीड से गोता लगा रहे हैं। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 5.74 पर्सेंट का गोता लगा चुका है। शुरुआती कारोबार में ही प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी 3.09 फीसद लुढ़क गए। बैंक निफ्टी में भी 3.36 फीसद की भारी गिरावट है। फाइनेंशियल सर्विसेज भी 3 फीसद से अधिक टूटा है। केवल निफ्टी एफएमसीजी, फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स ही हरे निशान पर हैं। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में शामिल सभी 12 स्टॉक्स लाल निशान पर हैं। सबसे बड़ा लूजर बैंक ऑफ बड़ौदा है। आज इसमें 6.67 फीसद की गिरावट है। वहीं, आईओबी आज 72 रुपये पर खुला और 69.95 रुपये पर आ गया है। बैंक ऑफ इंडिया में 4.80 पर्सेंट की गिरावट है। यह 129.05 रुपये पर आ गया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 4.83 पर्सेंट टूटकर 69 रुपये पर है। यूको बैंक में 4.85 पर्सेंट की गिरावट है और यह 58.80 रुपये पर है। यूनियन बैंक के शेयर भी पस्त हैं। आज इसमें 4.91 फीसद की कमजोरी है। सोमवार को उड़ रहे स्टेट बैंक के भी पर कतर गए हैं। एसबीआई के शेयर आज 5 फीसद से अधिक लुढ़के हैं। पंजाब एंड सिंध बैंक के शेयरों में भी बिकवाली हावी है। यह स्टॉक भी 5 फीसद से अधिक टूट चुका है। पंजाब नेशनल बैंक के शेयर करीब 6 फीसद टूटकर 128.95 रुपये पर आ गए हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी 6 फीसद से अधिक टूटकर 67.95 रुपये पर आ गए हैं। इंडियन बैंक और केनरा बैंक में भी 6 फीसद से अधिक की गिरावट है।

2 दिन में 60 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन, आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। टीबीआई कॉर्न आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका है। कंपनी के आईपीओ का साइज 44.94 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 47.81 लाख फ्रेश शेयर जारी करने वाली है। आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 31 मई को खुला था। बता दें, ग्रे मार्केट में आईपीओ की स्थिति पहले से और बेहतर हुई है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 90 से 94 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। टीबीआई कॉर्न आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,12,800 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी की तरफ से दांव लगाने वाले निवेशकों को शेयरों का अलॉटमेंट 5 जून यानी कल किया जाएगा। वहीं, शेयर बाजार में लिस्टिंग 7 जून 2024 को हो सकती है। बता दें, कंपनी एनएसई एसएमई में लिस्ट होगी। ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति पहले से अच्छी हुई है। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी का आईपीओ आज 88 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजारों में 182 रुपये पर लिस्ट हो सकती है।

313 बिलियन डॉलर हो सकता है भारत का शिक्षा और स्किल का बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शिक्षण और स्किल क्षेत्र से जुड़े बाजार में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अनुमान है कि साल 2030 में यह 313 बिलियन डॉलर का हो सकता है। साल 2020 में यह 180 बिलियन डॉलर का था। यह अनुमान कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब यानी सीईएल की तरफ से आया है। इसका कहना है कि शिक्षा और स्किल से जुड़ा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है इसलिए इसमें दोगुने बढ़त की उम्मीद है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा।

सीईएल का कहना है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत है। इसलिए इस समय विदेशों से भी एक्सपर्ट भारत आ रहे हैं। खुद सीईएल ने भी भारतीय शिक्षा में योगदान करते हुए इस विकास का लाभ उठाने की योजना बनाई है। सीईएल के संस्थापक सुयश भट्ट का कहना है कि सीईएल ने भारत के साथ यूके, फिनलैंड, इंडोनेशिया और एस्टोनिया में कई शिक्षा सम्मेलन आयोजित किए हैं। और अब स्कूल लीडरों, शिक्षकों और छात्रों के लिए कई किफायती शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने पर विचार कर रहा है। सीईएल प्रोग्राम ने जम्मू और कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक भारत के कई राज्यों के 60 से अधिक स्कूलों और 1,00,000 से अधिक छात्रों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है।

छोटे शहरों में भी विस्तार

कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब रणनीति बदल दी है। कभी बड़े शहरों पर फोकस करने वाली कंपनी ने अब देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इसके लिए सीईएल ने देश के स्कूलों के साथ समझौते करने शुरू कर दिए हैं। कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब 9वीं से 12वीं कक्षा के भारतीय छात्रों के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट शुरू किया है, जो खास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को कैम्ब्रिज की एक सप्ताह की एक्सप्लोरेशन ट्रिप के लिए पूरा फंड दिया जाएगा, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है।

बढ़ेगा निवेश

सुयश भट्ट का कहना है कि जैसे-जैसे शिक्षा और स्किल सेक्टर का बाजार बढ़ेगा, इस क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा। उन्होंने कैम्ब्रिज का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कंपनी हर साल भारत में निवेश बढ़ा रही है। उनका कहना है कि उन्होंने पिछले साल भारत के 25-30 स्कूलों को आमंत्रित किया था। जबकि 30 स्कूल ऑनलाइन जुड़े थे।

इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख को वित्त वर्ष 24 में मिले 66 करोड़, पिछले साल से 17 प्रतिशत बढ़ा वेतन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख का सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2024 में 17.3 प्रतिशत बढ़कर 66.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। पारेख ने वित्त वर्ष 23 में 56.4 करोड़ का वेतन प्राप्त किया था। पिछले वित्तीय वर्ष में उनका सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2022 की सैलरी 71.02 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 56.4 करोड़ रुपये रह गई थी। पारेख के पारिश्रमिक में फिक्स्ड पे, वेरिएबल पे, रिटायरल बेनिफिट्स और इस अवधि के दौरान स्टॉक इंसेंटिव मूल्य शामिल है। पारेख का कुल फिक्स्ड वेतन वित्तीय वर्ष 2023 में 7.12 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 7.47 करोड़ हो गया। उन्हें वित्त वर्ष 23 के 18.73 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 19.75 करोड़ रुपये बोनस के रूप में दिए गए।

वित्त वर्ष 24 के लिए पारेख के वेतन में 2,58,636 ऋ (प्रतिबंधित स्टॉक यूनिट) के जरिए जुटाए गए 39.03 करोड़ रुपये भी शामिल थे। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 23 के दौरान, पारेख के पारिश्रमिक में आरएसयू के जरिए 30.60 करोड़ रुपये जोड़े गए थे। इस बीच, कर्मचारियों का औसत वेतन क्रमशः वित्त वर्ष 2024 और वित्तीय 2023 में 9,77,868 रुपये और 9,00,012 रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में वित्तीय 2024 में एमआरई में वृद्धि 8.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन नंदन एम. नीलेकणि ने स्वेच्छा से कंपनी को दी गई अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया।

राधाकिशन दमानी ने टाटा के मल्टीबैगर स्टॉक में घटाई हिस्सेदारी, 1 साल में पैसा डबल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ सालों में टाटा ग्रुप की कई कंपनियों ने शेयर बाजारों में शानदार रिटर्न दिया है। इन कंपनियों की लिस्ट में ट्रेंड भी शामिल है। महज एक साल में ही टाटा के इस स्टॉक ने 190 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, बीते 5 साल की बात करें तो ट्रेंड के पोजीशनल निवेशकों को 1000 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने इस कंपनी में हिस्सेदारी घटाई है। टाटा ग्रुप के इस स्टॉक ने अपने शानदार प्रदर्शन से कई दिग्गज निवेशकों और इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स को आकर्षित किया है। इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स में एक्सिस म्युचुअल फंड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस आदि शामिल हैं। दिग्गज निवेशकों की बात करें तो राधाकिशन दमानी ने भी इस कंपनी में निवेश किया है। उनकी कंपनी में कुल हिस्सेदारी 1.35 प्रतिशत की है। राधाकिशन दमानी ने डेरिवेटिव ट्रेडिंह एंड रिसॉर्ट प्राइवेट लिमिटेड के जरिए टाटा ग्रुप के इस स्टॉक में निवेश किया है। हालांकि उन्होंने अपनी हिस्सेदारी टाटा की कंपनी में घटाई है।

ट्रेंड की शेयर होल्डिंग के अनुसार 31 मार्च 2024 तक राधाकिशन दमानी की कुल हिस्सेदारी घटकर 1.35 प्रतिशत रह गई थी। जबकि एक क्वार्टर पहले उनकी हिस्सेदारी 1.52 प्रतिशत थी। दिसंबर से मार्च के दौरान राधाकिशन दमानी ने ट्रेंड के 6,13,724 शेयर बेच दिए हैं। यानी उन्होंने 0.17 प्रतिशत हिस्सेदारी घटाई है। बीते 5 साल के दौरान ट्रेंड के शेयरों का भाव 403.50 रुपये से 4680 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। वहीं, साल 2024 में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 55 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, स्टॉक का भाव इस साल 3000 रुपये के लेवल से बढ़कर 4680 रुपये के लेवल तक पहुंच गया।

कंपनियां नहीं कर पाएंगी 100 प्रतिशत फ्रूट जूस का दावा, एफएसएसएआई ने जारी किया फरमान

नई दिल्ली, एजेंसी। असली फ्रूट जूस के नाम पर कई तरह के प्रोडक्ट बेच रहीं कंपनियों को झटका लगा है। फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने सभी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह डिब्बाबंद प्रोडक्ट पर 100 फीसदी फ्रूट जूस (100 प्रतिशत) का दावा न करें। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग और विज्ञापन के दौरान भी ऐसे क्लेम से बचना होगा। एफएसएसएआई ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि फूड बिजनेस से जुड़ी सभी कंपनियों फलों के जूस के डिब्बे पर लगे लेबल और विज्ञापन में से यह दावा हटाना होगा। एफएसएसएआई को जानकारी प्राप्त हुई थी कि कई कंपनियां लगातार ऐसे भ्रामक दावे कर रही हैं। इससे कस्टमर्स के स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। सभी एफबीओ को निर्देश दिया गया है कि वह पहले से छाप चुकी पैकेजिंग सामग्री को 1 सितंबर, 2024 से पहले खत्म कर लें।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (विज्ञापन और दावे) रेगुलेशन- 2018 के अनुसार, कोई भी कंपनी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा नहीं कर सकती है। इन सभी जूस में सबसे ज्यादा मात्रा में पानी होता है। इसमें थोड़ी मात्रा में फ्रूट जूस या पल्प मिला देने से यह 100 फीसदी जूस नहीं हो जाता है। एफएसएसएआई के अनुसार, ऐसे गुमराह करने वाले दावों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

ज्यादा शुगर होने पर अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस बताना होगा

सभी एफबीओ से कहा गया है कि वह फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन के नियमों के दायरे में काम करें, यदि उनके जूस में 15 ग्राम प्रति किलो से ज्यादा शुगर है तो उन्हें अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस के हिसाब से लेबल करना होगा। एफएसएसएआई ने कहा कि वह लगातार फूड सेफ्टी के नियमों को मजबूती से लागू करने का प्रयास करती है। हम किसी भी कंपनी को भ्रामक दावे करके कस्टमर्स को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। सभी कंपनियों को फलों के जूस के संबंध में बनाए गए नियमों का पालन करना होगा।

जयप्रकाश एसोसिएट्स पर शुरू होगी दिवालिया प्रक्रिया, कंपनी को लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स को बड़ा झटका लगा है। आईसीआईसीआई बैंक की ओर से करीब 6 साल पहले दायर एक याचिका के बाद अदालत ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) को दिवालिया प्रक्रिया के लिए मंजूरी दे दी है। कर्ज संकट में फंसी जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दी है। जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स कंस्ट्रक्शन, सीमेंट और हॉस्पिटेलिटी बिजनेस में काम करती है। कंपनी करीब 3 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रही थी। इसके बाद बैंक ने ट्रिब्यूनल का रुख किया था। बता दें कि जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जेएएल ने अपना कर्ज का बोझ कर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अपने कई सीमेंट प्लांट्स को बेच दिया है।

बकाया चुकाने में विफल

कंपनी अपना बकाया चुकाने में असफल रही है। इस घटनाक्रम से कंपनी के डालमिया भारत समूह के साथ सौदा करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होने की संभावना है, जिसके तहत डालमिया भारत समूह द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स की सीमेंट, क्लिंकर और बिजली इकाइयों को 5,666 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर अधिग्रहित किया जाना था। यह जेपी समूह की प्रमुख कंपनी है, जिसके पास सीमेंट, आतिथ्य, रियल एस्टेट, उर्वरक और निर्माण व्यवसाय शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023 में जेपी इंफ्राटेक के ऋण का 62 फीसदी या 9,234 करोड़ रुपये का अधिग्रहण किया, जिससे ऋणदाताओं को निर्विरोध स्विस चुनौती नीलामी के बाद 39 प्रतिशत वसूली की पेशकश की गई।

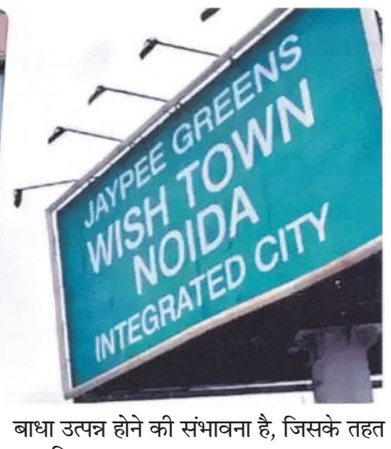

पहले स्वीकार नहीं हुई थी याचिका

आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक ने 2018 में एनसीएलटी में याचिका लगाई था लेकिन तब लेकर अब तक इनकी याचिका स्वीकार नहीं हुई थी। अब सोमवार को एनसीएलटी ने स्वीकार कर लिया है जिसके चलते अब जेपी एसोसिएट्स की दिवालिया प्रक्रिया शुरु हो गई है। अब जेपी एसोसिएट्स के काम आईआरपी (इंट्रिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल) की निगरानी होंगे।

बायर्स की भी बढ़ी टेंशन

जेपी ग्रुप की मदर कंपनी जेपी एसोसिएट्स के दिवालिया प्रक्रिया में जाने में जेपी इंफ्राटेक में फंसे 22 हजार बायर्स की विलंब शुल्क की देनदारी भी फंस सकती है। 2013 तक फ्लैट देने की डेडलाइन पूरी न होने पर बायर्स ने यह शुल्क कंपनी से मांगा था जिसे कोर्ट ने मदर कंपनी यानि जेपी असोसिएट्स की ओर से दिए जाने का आदेश दिया था। 22 हजार बायर्स का करीब 6-7 हजार करोड़ का विलंब शुल्क जेपी असोसिएट्स पर बनता है। अधिकांश बायर्स का 2-6 लाख तक का विलंब शुल्क मदर कंपनी को देना था। क्योंकि अलॉटमेंट लेटर बायर्स को जेपी असोसिएट्स की ओर से दिए गए थे और बायर्स का पैसा जेपी इंफ्राटेक में लिया गया था। इस कंपनी के दिवालिया में जाने से हम जेपी इंफ्राटेक में फंसे बायर्स की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मैकेनिकल इंजीनियर ने दिमाग लगा कचरे में खोज लिया जुगाड़, 15 महीने में 10 करोड़ कमाए!

नई दिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको ऐसे शख्स से मिलाते हैं जिन्होंने कचरे (वेस्ट) में मौका तलाश लिया। उनका नाम है अजिंक्य धारिया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद अजिंक्य ने सैनिटरी पैड रिसाइकिल करने की तकनीक खोज निकाली। यह इस तरह की पेटेंट कराई गई दुनिया की पहली तकनीक थी। इस इनोवेशन में कमर्शियल इस्तेमाल के लिए यूज्ड पैड से पल्प और प्लास्टिक निकाला जाता है। धारिया ने कूड़ा बीनने वालों को बिना सुरक्षा के पैड और डायपर बीनते देखा था। इसी आइडिया को डेवलप करके अजिंक्य धारिया ने पैडकेयर की शुरुआत की। अब यह सफल वेंचर बन चुका है। शुरू में कई लोगों ने अजिंक्य के आइडिया को खारिज कर दिया। इसके बावजूद महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले से ताल्लुक रखने वाले अजिंक्य धारिया ने भरोसा बनाए रखा। 2018 में उन्होंने पैडकेयर लैब्स की स्थापना की। इसका उद्देश्य मासिक धर्म स्वच्छता और वेस्ट मैनेजमेंट है। पैडकेयर लैब्स की तकनीक पैडकेयरएक्स सैनिटरी कचरे को हाई क्वालिटी प्रोडक्ट में बदल देती है। पुणे स्थित यह स्टार्टअप शौचालयों में सुरक्षित निपटान के लिए पैडकेयर

डिब्बे भी प्रदान करता है। उसके ग्राहकों में मेटा, फाइजर, पीएंडजी, थर्मैक्स, मर्सिडीज-बेंज और महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। अपने छह साल के ऑपरेशन में कंपनी ने 550 संगठनों के जरिये 19 शहरों को प्रभावित किया। इससे 10 लाख महिलाओं को लाभ हुआ है। सालाना 100 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। 90 फीसदी प्लास्टिक से बने एक सामान्य सैनिटरी नैपकिन को डिकम्पोज होने में 500 से 800 साल लग सकते हैं। पैडकेयर ने अब तक 138 टन सैनिटरी वेस्ट को जुटाकर उसे रिसाइकिल किया है। अजिंक्य धारिया अपने स्टार्टअप को शार्क टेंक के प्लेटफॉर्म पर भी लेकर गए। शो के जजों ने उनके आइडिया में काफी दिलचस्पी दिखाई। उस समय पैडकेयर की वार्षिक आय केवल 1 करोड़ रुपये थी। हालांकि, कंपनी ने अचानक छलांग लगाई। उसकी बिक्री 15 महीनों में ही 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। और भी रोचक बात यह है कि पैडकेयर ने अपनी राजस्व बढ़ोतरी के साथ 7 प्रतिशत का लाभ मार्जिन भी बनाए रखा। इसके अलावा कंपनी ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 22 करोड़ रुपये के ऑर्डर पहले ही हासिल कर लिए हैं। शार्क टैंक इंडिया के जज धारिया के बिजनेस मॉडल से प्रभावित हो गए थे। बातचीत के दौरान धारिया ने शुरू में 2 प्रतिशत इक्विटी के बदले 50 लाख रुपये की मांग की, जिससे पैडकेयर का मूल्यांकन 25 करोड़ रुपये हो गया। काफी विचार-विमर्श के बाद धारिया ने शार्क टैंक इंडिया के चार जजों के साथ एक महत्वपूर्ण करार किया। इसमें पीयूष बंसल ने 4 प्रतिशत इक्विटी के लिए 1 करोड़ रुपये की पेशकश की। अनुपम मित्तल ने 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 1 करोड़ रुपये और अतिरिक्त 2 प्रतिशत इक्विटी के लिए 50 लाख रुपये का प्रस्ताव कयिा। विनीता बाली और नमिता थापर ने मिलकर 1 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 25 लाख रुपये और 25 लाख रुपये का बिना ब्याज का कर्ज देने का ऑफर रखा।

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे, 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं।''

सात अक्टूबर, 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। उन्नीस मई, 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ

अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को हटाये जाने के बाद 2000 रुपये के बैंक नोट लाये गये थे।

क्या आप भी जानना चाहते हैं कैसे काम करती है बुलेट प्रूफ जैकेट? कितनी होती है इसकी कीमत

कभी न कभी कहीं न कहीं आपने बुलेट प्रूफ जैकेट के बारे में जरूर सुना होगा। आपने फिल्मों में इसे देखा होगा या फिर किसी आर्मी या पुलिस अफसर को इसे पहनते हुए भी देखा होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि ये जैकेटें क्यों प्रयोग की जाती हैं? और अगर आप एक बुलेट प्रूफ जैकेट खरीदना चाहते हैं, तो आपको कितने पैसे खर्च करने पड़ेंगे। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं। बुलेट प्रूफ जैकेट का काम क्या होता है? बुलेटप्रूफ जैकेट व्यक्ति को पिस्तौल या बंदूक से चली गई गोली से हानि होने से बचाती है। दरअसल इसे मुख्य रूप से पुलिस, सैनिकों और अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रयोग किया जाता है, जो बड़े खतरे में होते हैं और जिन्हें ऐसी घटनाओं से बचने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, विशेषज्ञों, नेताओं और देश के अन्य महान व्यक्तियों को भी ऐसी विकट स्थितियों में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती हैं।

गोली को कैसे रोकती है यह जैकेट?

वास्तव में, जब बुलेट जैकेट का सामना किसी गोली से होता है, तो उस गोली जैकेट के कड़क हिस्से में प्रवेश करती है। यह गोली की नुकीली त्वचा के नीचे वितरित हो जाती है और इससे गोली की स्पीड में कमी आ जाती है, जिससे उसका प्रभाव कम हो जाता है। साथ ही, जैकेट के नुकीले हिस्से में आने वाली गोली को रोकने के लिए बैलिस्टिक प्लेट का उपयोग किया जाता है। जिससे जैकेट पहने व्यक्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत कितनी होती है?

जानकारी के अनुसार बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत 40 हजार रुपये से शुरू होती है और 2 लाख तक की भी हो सकती है, जो उसकी गुणवत्ता और प्रकार पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, आजकल एडवांस्ड जैकेट भी उपलब्ध हैं जो काफी हल्की होती हैं। इसके अलावा, जब कोई बुलेट प्रूफ जैकेट पहने व्यक्ति को गोली लगती है, तो उसे उस इम्पैक्ट का एहसास होता है जैसे कोई उसे धक्का दे दिया हो, हालांकि इससे व्यक्ति को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता।

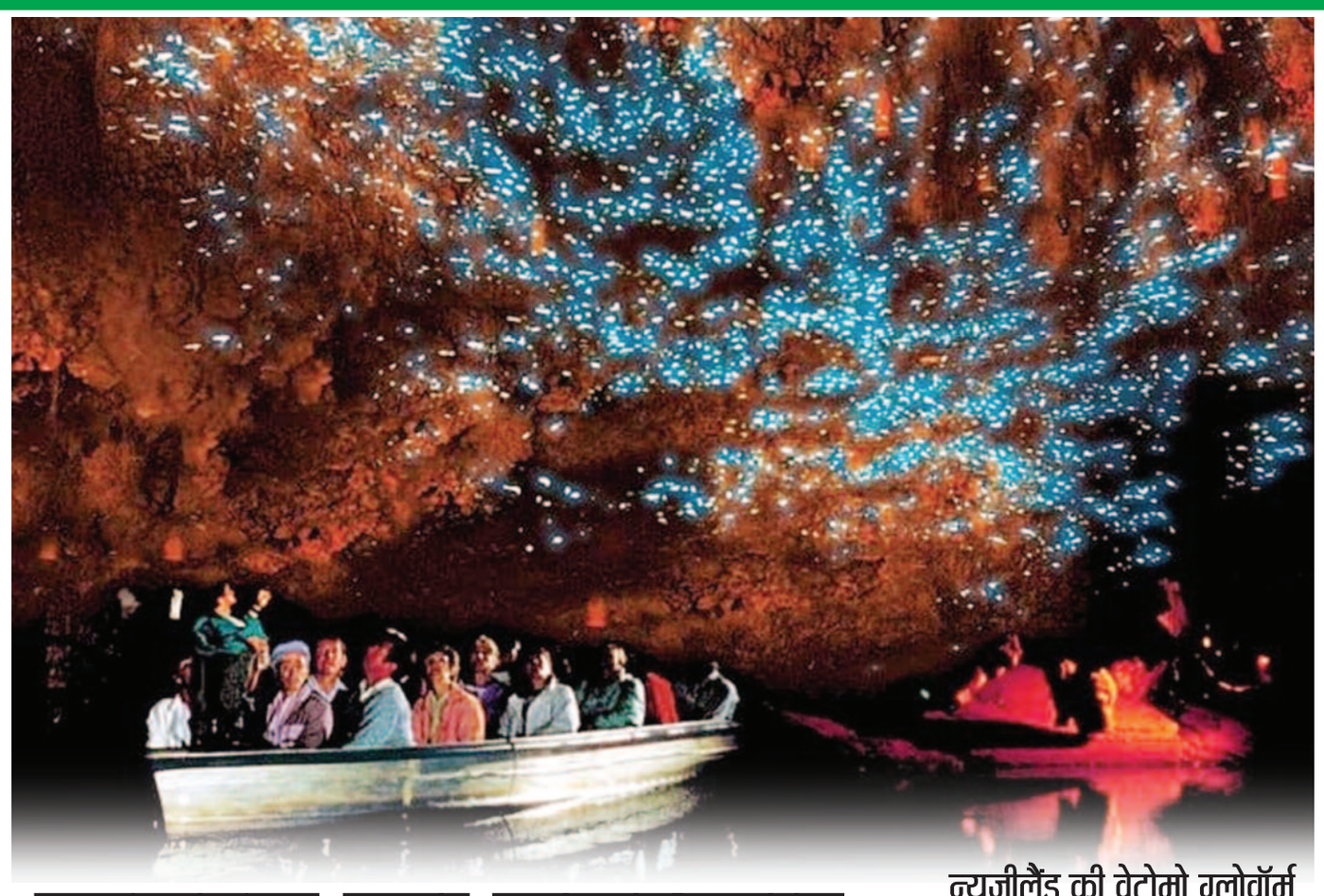

कुदरत का चमत्कार हैं न्यूजीलैंड की वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं

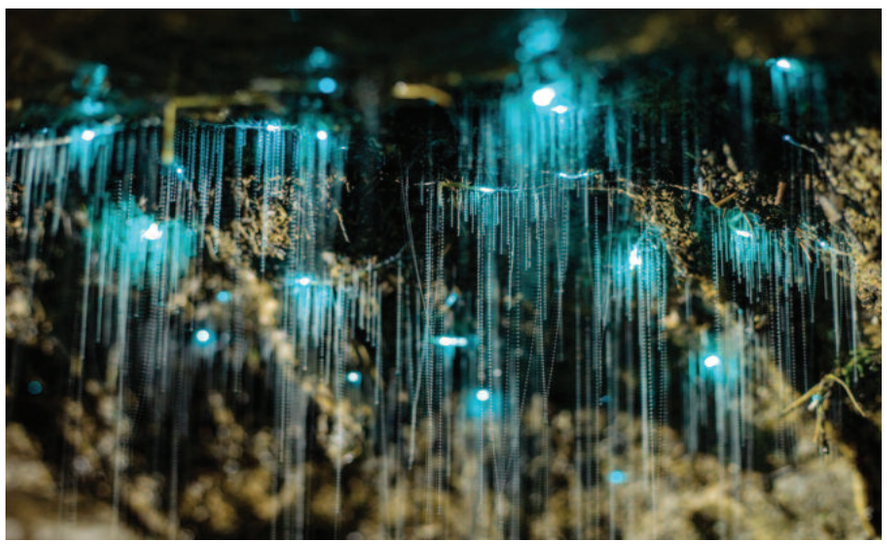

न्यूजीलैंड की वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफा ऐसी नजर आती है, जैसे तारों से जगमगाता आसमान। दरअसल यहां एराक्नोकैंपा ल्युमिनोसा नामक ग्लोवॉर्म पाए जाते हैं। ये जीव एक रासायनिक प्रक्रिया करते हैं, जिससे रोशनी पैदा होती है। यह रोशनी अपने शिकार को आकर्षित करने के लिए होती है। इस दौरान यह सिल्क जैसे लंबे जाल बुनते हैं ताकि इसमें फंसने वाले जीवों का शिकार कर सकें। ये जीव जितने ज्यादा भूखे होते हैं उतनी ज्यादा रोशनी पैदा करते हैं। इसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

क्या आप प्रागैतिहासिक गुफाओं के माध्यम से एक स्वप्निल सवारी करना चाहते हैं जो एक परी कथा की दुनिया से मिलती जुलती है? न्यूज़ीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाये किसी चित्र पोस्टकार्ड से कम नहीं दिखता, उत्तरी द्वीप के वेटोमो क्षेत्र में मंद रोशनी वाली और चमकते कीड़ों द्वारा आश्चर्यजनक रूप से सजाई गई है। चूना पत्थर की गुफाएँ ऑकलैंड के दक्षिण से घुमावदार पहाड़ियों के नीचे 2 घंटे की दूरी पर हैं।

न्यूजीलैंड की ग्लोवॉर्म गुफाएं अनोखी हैं, जिन्हें कुदरत का चमत्कार कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि इनकी छतें रात के अंधेरे में तारों से रोशन आसमान की तरह दिखती हैं. इसी वजह से ये गुफाएं दुनियाभर में फेमस हैं. बड़ी संख्या में लोग इनको देखने के लिए आते हैं. अब इन गुफाओं से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप गुफा के अंदर का जादुई नजारा देख कर हैरान रह जाएंगे.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'न्यूजीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं हजारों छोटे बायोलुमिनसेंट जीवों प्राणियों के साथ अपनी छत की चमक के साथ एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं. इन गुफाओं के अंदर का नजारा तारों से भरी रात की तरह लगता है.'

कहां हैं ये गुफाएं?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं न्यूजीलैंड के वेटोमो गांव में स्थित है. ये टोमो गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध हैं, जो 130 से अधिक सालों से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही हैं.

गुफा की छतें चमकने का रहस्य?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं एक कीड़े की वजह से चमकती हैं, जो छतों पर बड़ी संख्या में पाए जाते हैं. इस कीड़े का नाम एराचनोकैम्पा ल्यूमिनोसा है, जिसे न्यूजीलैंड ग्लोवॉर्म के नाम से भी जाना जाता है. ये कीड़े मच्छरों की तरह दिखते हैं और परिपक्व होने पर मक्खियों में बदल जाते हैं. जुगनू की तरह प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम ये कीड़ा न्यूजीलैंड में ही पाया जाता है.

ग्लोवॉर्म गुफाएं प्रकृति की बेहतरीन रचना हैं जो समय के साथ पुरानी हो गई हैं और विशिष्टता प्राप्त कर चुकी हैं। बहुत सारे पर्यटक भूमिगत गुफा में नौकायन और कयाकिंग सत्र का आनंद लेते हैं। चमकते कीड़ों के नीचे तैरते हुए एक तारों भरी रात बिताएं और चमकते कीड़ों द्वारा आकर्षक बनाए गए गुफा के मंद-रोशनी वाले वातावरण को देखकर आश्चर्यचकित हो जाएं।

किंवदंतियों के अनुसार वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं लगभग 30 मिलियन वर्ष पुरानी हैं। समय के साथ, समुद्र के तल पर स्थित ये चूना पत्थर की गुफाएँ खराब हो गई हैं और हल्की रोशनी के साथ आकर्षण बढ़ा रही हैं, जिससे सुंदर भूमिगत गुफाएँ जगमगा रही हैं, जिसने दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित किया है।

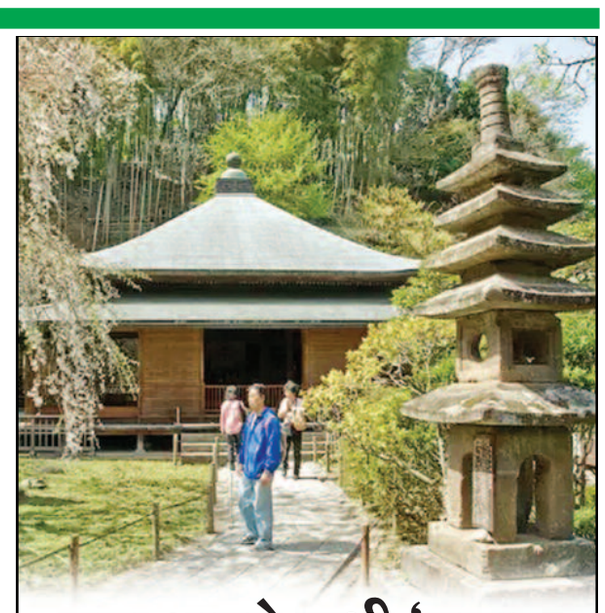

क्या आपने कभी 'तलाक मंदिर' के बारे में सुना है? जानिए कहां है 600 साल पुराना यह मंदिर

दुनिया में ऐसे कई मंदिर है जिनकी अपनी अलग ही एक पहचान होती है। हालांकि हर मंदिर की अपनी एक विशेषता होती है लेकिन कुछ मंदिरों में अलग मान्यताओं के चलते उनको एक विशेष दर्जा दिया जाता हैं। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। सनातन धर्म में मंदिरों का अपना एक विशेष महत्व है। वहीं हम सनातन धर्म की बात करें तो हर मंदिर के अपने-अपने नियम और कानून होते हैं, जिससे वे दुनिया भर में मशहूर होते हैं। दरअसल मंदिरों के जरिए ही अपने अपने कल्चर को सुरक्षित हर धर्म द्वारा रखा जाता हैं। वहीं अपने जीवन में आपने कई ऐसे मंदिरों के बारे में सुना होगा जहां अपनी-अपनी मान्यताएं है। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

'तलाक मंदिर' की अपनी एक खास पहचान

दरअसल आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसकी अपनी एक खास पहचान हैं। दरअसल इसे 'तलाक मंदिर' के नाम से ही जाना जाता हैं। आपको बता दें कि यह मंदिर जापान में स्थित है और इसे उसके अजीब इतिहास के लिए विख्यात माना जाता है। दरअसल यदि आप इसका नाम सुनकर यह सोच रहे होंगे की शायद इस मंदिर में तलाक करवाए जाते होंगे तो ऐसा नहीं हैं, यहां तलाक नहीं होते और न ही किसी देवी-देवता की पूजा की जाती है।

क्या है इस मंदिर की विशेषता?

आपको बता दें तलाक मंदिर, जिसे विशेष रूप से 'मात्सुगाओका टोकेई-जी के नाम से भी जाना जाता है, 12वीं और 13वीं शताब्दी की शुरुआत में जापान में बनाया गया था। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सशक्त करना था, क्योंकि उस समय महिलाओं की सामाजिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी और उनके अधिकारों में भी बड़ी असमानता थी। जापान के समाज में 12वीं और 13वीं शताब्दी में सिर्फ पुरुषों के लिए तलाक की व्यवस्था थी, जिसके अनुसार पुरुष आसानी से अपनी पत्नी को तलाक दे सकते थे। इस दौरान वे महिलाएं जिन्हें शादी में खुशी नहीं मिली या घरेलू हिंसा की सामना कर रही थीं, उनके लिए एक समर्थन संरचना की आवश्यकता थी। 1285 में, बौद्ध नन काकुसान शिदो-नी ने तलाक मंदिर की स्थापना की, जो उन महिलाओं को आश्रय और सहायता प्रदान करने के लिए था जो संघर्ष कर रही थीं। यहां, वे अपने जीवन को आध्यात्मिकता में समर्पित करके बिताती थीं।

ये है दुनिया का सबसे छोटे दिल वाला पक्षी एक सिक्के से भी हल्का होता है इनका शरीर!

आपको जानकर हैरानी होगी कि कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है?

दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे.

दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे. दुनिया का सबसे छोटा पक्षी भी कहा जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक हमिंगबर्ड आमतौर पर महज 2-2.5 इंच ही लंबी होती है. हालांकि कुछ 8 इंच भी लंबी होती हैं और इनके वजन की अगर बात करें तो एक हमिंगबर्ड महज दो ग्राम से लेकर 20 ग्राम तक की होती है. अब आप समझ सकते हैं कि इनका दिल कितना छोटा होता होगा.

कहते हैं कि हमिंगबर्ड खड़े-खड़े ही सो लेती है. दरअसल, इनके पैर बहुत ही कमजोर होते हैं, इसलिए ये चल नहीं पातीं, लेकिन अपने पैरों से ये पेड़ की टहनियों को मजबूती से पकड़ कर खड़े-खड़े सो जरूर जाती हैं. एक हमिंगबर्ड की उम्र करीब 4-5 साल ही होती है. आपको शायद ही ये पता हो कि यह चिड़िया हर 10 मिनट में कुछ न कुछ खाती या पीती है. वहीं, इनकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये अपने पंखों को इतनी तेजी से फड़फड़ाती हैं कि एक ही जगह पर काफी देर तक रूकी रह सकती हैं, जिस तरह कोई हेलीकॉप्टर अपने पंखों के सहारे एक ही जगह पर रूका रह सकता है. वैसे कहने के लिए तो ये दुनिया के सबसे छोटे पंछी होते हैं, लेकिन लंबी दूरी के सफर के मामले में इनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता. हमिंगबर्ड एक उड़ान में करीब 1400 मील यानी 2253 किलोमीटर का सफर तय कर सकती हैं.

इमरजेंसी मीटिंग बुलाओ, सुप्रीम कोर्ट ने जल संकट पर अपर यमुना रिवर बोर्ड को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में चल रहे जल संकट पर तत्काल अपर यमुना रिवर बोर्ड की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि पांच जून को बैठक की जाएगी और उसमें सभी हितधारक राज्य, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश हिस्सा लेंगे। कोर्ट ने मामले को छह जून को फिर सुनवाई पर लगाते हुए यमुना रिवर बोर्ड की बैठक के मिनट्स और जल संकट से निबटने के सुझाव कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है।

ये निर्देश न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने राजधानी में जल संकट पर सुनवाई के दौरान सोमवार को दिये। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर बढ़ती गर्मी के कारण पानी की मांग बढ़ने से गंभीर जल संकट की स्थिति पैदा होने की बात कही है और हरियाणा से पानी दिलाने का निर्देश मांगा है।

ये भी कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश अपना अतिरिक्त जल दिल्ली को देने को तैयार है लेकिन उसकी भौतिक सीमाएं दिल्ली से नहीं जुड़ती हैं इसलिए दिल्ली को पानी मौजूदा जल वितरण प्रणाली के जरिये ही मिल सकता है जिसमें की हरियाणा को हिमाचल द्वारा दिल्ली के लिए छोड़ा गया अतिरिक्त जल देना होगा।

सोमवार को जब मामला सुनवाई पर आया तो दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जल संकट की दुहाई देते हुए दिल्ली को पानी

दिलाने का निर्देश मांगा। तभी केंद्र और हरियाणा सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जो मुद्दा याचिका में उठाया गया है उस पर पहले से ही अपर यमुना रिवर बोर्ड में विचार चल रहा है। वहां सारे हितधारक राज्य, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश हैं।

बोर्ड ने हिमाचल प्रदेश से कहा है कि वह बताए कि उसके पास कितना अतिरिक्त जल है। इन दलीलों पर कोर्ट ने कहा कि इमरजेंसी को देखते हुए बोर्ड की बैठक तत्काल बुलाई जानी चाहिए। कल ही बैठक बुलाई जाए। मेहता ने बोर्ड की बैठक बुलाए जाने पर सहमति जताई लेकिन कहा कि कल यानी मंगलवार को बैठक बुलाना संभव नहीं होगा बुधवार को बैठक बुलाई जा सकती है।

उधर, दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश की ओर से पेश वकील ने कहा कि उनका राज्य अतिरिक्त जल दिल्ली को देने को राजी है। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली में जल संकट के लिए पानी की बर्बादी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बोर्ड के समक्ष पेश आंकड़ों के मुताबिक, अगर दिल्ली में 100 लीटर पानी आता है तो निवासियों को सिर्फ 48.65 लीटर ही पानी मिलता है। 51.35 लीटर जल बर्बाद हो जाता है जिसका कारण पानी लीकेज, टैंकर माफिया और कुछ औद्योगिक इकाइयों द्वारा जल की चोरी है।

मेहता ने कहा कि दिल्ली सरकार को अपना सिस्टम ठीक करना चाहिए। पीठ ने भी इससे सहमति जताई और कहा कि पानी की बर्बादी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली सरकार के वकील सिंघवी ने कहा कि सरकार पानी की बर्बादी रोकने पर काम कर रही है पर अस्थाई मदद के तौर पर दिल्ली को पानी दिलाया जाना चाहिए। हिमाचल से बात हुई है और वह अतिरिक्त जल दिल्ली को देने को राजी है। कोर्ट ने सभी को सुनने के बाद आदेश में कहा कि दिल्ली के जल संकट को किसी भी पक्ष को प्रतिकूल मुकदमेबाजी की तरह नहीं लेना चाहिए।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली में जल संकट से निबटने के लिए ऊपरी यमुना नदीं बोर्ड की पांच जून को बैठक बुलाई जाए और दिल्ली में जल संकट से निबटने पर विचार किया जाए। बैठक में सभी हितधारक राज्य हिस्सा लेंगे। कोर्ट ने कहा कि मामले पर छह जून को फिर सुनवाई होगी और उस दिन बैठक के मिनट्स कोर्ट में पेश किये जाएंगे साथ ही दिल्ली में जल संकट से निबटने के लिए हितधारकों के सुझाव भी पेश किये जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

रेव पार्टी मामले में तेलुगु अभिनेत्री हेमा गिरफ्तार

पहचान छिपाने के लिए पहनी थी बुर्का

बेंगलुरु। रेव पार्टी मामले की जांच कर रही केंद्रीय क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने सोमवार को पूछताछ के बाद तेलुगु फिल्म अभिनेत्री हेमा को गिरफ्तार कर लिया। गत 19 मई को इलेक्ट्रॉनिक सिटी के निकट फार्म हाउस पर रेव पार्टी का आयोजन किया गया था।

बुर्का पहनकर अधिकारियों के सामने हुई पेश: सीसीबी ने सोमवार को हेमा को अपने कार्यालय बुलाया था। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनकर सीसीबी के अधिकारियों के सामने पेश हुईं। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गत दिनों जन्मदिन पार्टी के बहाने से रेव पार्टी का आयोजन किया गया था और पार्टी में शामिल होने के लिए अधिकांश लोग पड़ोसी राज्य तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से आए थे। सीसीबी ने पुख्ता सूचना पर रेव पार्टी में छापा मारा था और यहां से कोकेन, एमडीएमए समेत काफी ड्रग्स बरामद किए थे। मामले की जांच के तहत सीसीबी ने पार्टी में मौजूद 103 लोगों के ब्लड सैंपल परीक्षण के लिए भेजे थे। जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि अभिनेत्री हेमा समेत 86 लोगों ने ड्रग्स लिए थे।

तेलंगाना में आइईडी के फटने से ग्रामीण की मौत, माओवादियों ने लगाए थे विस्फोटक

हैदराबाद। तेलंगाना के मुलुगु जिले के एक वन क्षेत्र में सोमवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के द्वारा लगाए गए आइईडी के फटने से 55 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, जिले के वजीदु मंडल के कोंगल गांव के पास व्यक्ति का पैर आइईडी पर पड़ गया। उसमें विस्फोट होने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट तब हुआ जब ग्रामीण, उसका बेटा और तीन अन्य लोग पास के जंगल में लकड़ी एकत्र करने के लिए जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, माओवादी लोगों के आने-जाने के रास्ते पर अक्सर आइईडी लगा रहे हैं, जिससे अपनी उपस्थिति का एहसास करा सकें। पुलिस ने बताया कि 30 मई को इसी तरह के विस्फोट में एक अन्य ग्रामीण के पालतू कुत्ते की मौत हो गई थी।

भारत में बिजली मांग का बना ऑलटाइम रिकॉर्ड, देश में प्रचंड गर्मी के बीच जानें कितनी रही डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अधिकतर हिस्सों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। गर्मी से बचने के लिए लोग पंखा, कूलर, एसी और फ्रीज का सहारा ले रहे हैं, जिसकी वजह से बिजली की रिकॉर्ड मांग हो रही है। यही कारण है कि देश के विद्युत क्षेत्र में पहली बार 30 मई 2024 को 250 गीगावाट की रिकॉर्ड अधिकतम बिजली की मांग रही और भारत ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। बता दें कि इससे एक दिन पहले यानी 29 मई को बिजली की मांग 234.3 गीगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंची थी। यह गर्मी के मौसम की वजह से बढ़े भार और बढ़ती औद्योगिक व आवासीय बिजली खपत के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। खास बात यह है कि इतनी भारी मांग के बावजूद इससे देश के ट्रांसमिशन नेटवर्क में कोई समस्या नहीं आई और बिजली कटौती की भी कोई रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। इस मांग को पूरा करने में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, खासकर सौर घंटों के दौरान सौर ऊर्जा और गैर-सौर घंटों के दौरान पवन ऊर्जा से मिला समर्थन भी बहुत महत्वपूर्ण रहा। बिजली की देखरेख और इसको निर्देशित करने वाली संस्थाएं अब आने वाले महीनों में 258 गीगावाट की अधिकतम मांग के लिए तैयारी कर रही हैं।

आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को झटका, कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की एक स्थानीय अदालत ने ताहिर हुसैन उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के पीछे बड़ी साजिश से जुड़े मामले के कुछ दस्तावेज मुहैया कराने का अनुरोध किया था। ताहिर हुसैन और कई अन्य पर गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

राहुल कसाना का बयान मुहैया कराने का अनुरोध

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर वाजपेयी ने कहा कि हुसैन ने अपने आवेदन में चश्मदीद राहुल कसाना का बयान मुहैया कराने का अनुरोध किया है जो उसने आप के पूर्व पार्षद के खिलाफ दंगे के एक अन्य मामले में और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में दर्ज कराया है।

सरकारी वकील ने क्या दी दलील

न्यायाधीश ने विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद की उस दलील

पर भी संज्ञान लिया जिसमें कहा गया था कि आवेदन आरोपी द्वारा अपने बचाव के लिए दस्तावेज जुटाए जाने की कोशिश है और वह भी उस स्तर पर जब आरोप भी तय नहीं किए गए हैं।

क्यों खारिज कर दी याचिका?

अदालत ने शनिवार को पारित आदेश में कहा कि रिकॉर्ड प्रदर्शित करते हैं कि सुनवाई शुरुआती चरण में है और अभी इस मामले में आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। इसलिए आवेदक द्वारा जताई गई इच्छा के अनुरूप बयान उपलब्ध कराने पर विचार नहीं किया जा सकता।

आवेदन में कोई पुख्ता तथ्य नहीं

अदालत ने रेखांकित किया कि हुसैन की अर्जी में यह नहीं बताया गया है कि उक्त बयान कैसे उसके मामले में मददगार होगा। न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि सभी तथ्यों पर संज्ञान लेते हुए अदालत पाती है कि इस स्तर पर आवेदन में कोई पुख्ता तथ्य नहीं है और तदनुसार इसे खारिज करती है।

ड्रोन और लेजर बीम पर बैन, दिल्ली एयरपोर्ट पर धारा 144 भी लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दिल्ली पुलिस ने अब कई पाबंदियां लगा दी हैं। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास धारा 144 लगा दी है। पुलिस ने विमानों के उड़ान के रास्ते में ड्रोन उड़ाने और लेजर बीम के इस्तेमाल पर भी बैन लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, देश के मौजूदा राजनीतिक हालात के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वीवीआईपी के एयरक्राफ्टों के मूवमेंट में आई तेजी और प्रधानमंत्री के शपथ समारोह को देखते हुए ये अहम आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली पुलिस का यह आदेश 1 जून से ही लागू हो गया है और यह 30 जून तक लागू रहेगी।

आइजीआइ एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कहा है कि लेजर बीम की वजह से कई विजन डिसट्रैक्शन होता है। खासकर वहां जहां कोई विमान लैंडिंग कर रहा हो। इससे ना सिर्फ दिक्कतें आएंगी बल्कि यह विमान में सवार यात्री, क्रू सदस्यों और अन्य लोगों की जान भी खतरे में डाल सकता है। आगे कहा गया है कि अभी तक लेजर बीम को लेकर किसी तरह का कोई नियम नहीं था ताकि लेज बीम को नियंत्रित किया जा सके। फार्म हाउस, बैनक्विट हॉल, होटलों और रेस्टोरेंटों में अक्सर शादी-विवाह, जन्मदिन या अन्य कार्यक्रमों के दौरान लेजर बीम का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से पायलट को

अक्सर दिक्कतें आती हैं और उन्हें दिशा भ्रम भी होता है। आगे कहा गया है कि इस वक्त लेजर बीम के इस्तेमाल को लेकर कोई नियम नहीं है। खासकर रात के वक्त खुले में इसके इस्तेमाल को लेकर। इसलिए इसके इस्तेमाल को लेकर जरूरी कदम उठए जाने जरूर हैं। एयरक्राफ्ट की सुरक्षा और इंसानों की सुरक्षा को देखते हुए लेजर बीम को बैन कर दिया गया है।

इसके अलावा यह भी बताया गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर आतंकी कभी भी हमला कर सकते हैं और इसे लेकर अक्सर जानकारियां सामने आती रहती हैं। आतंकवादी ड्रोन, पैराग्लाइर, हैंग-ग्लाइडर, एयरो मॉडल इत्यादि के जरिए इस हमले को अंजाम दे सकते हैं। इसलिए सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन को बैन किया गया है।

यूके इंडिपेंडेंस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष नाइजल फराज आम चुनाव लड़ेंगे, अपना फैसला पलटने का मन बनाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश नेता और यूके इंडिपेंडेंस पार्टी (यूकेआईपी) के पूर्व प्रमुख नाइजल फराज ने 4 जुलाई का आम चुनाव नहीं लड़ने वाले अपने फैसले को पलटने का मन बना लिया है। उन्होंने सोमवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह अब ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे।

विवादास्पद ब्रिटिश राजनेता ने लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह यूकेआईपी का नेतृत्व संभालेंगे और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के एसेक्स में क्लैकटन की कट्टर समर्थक ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे। 60 वर्षीय फराज ने कहा कि उन्हें लगा कि चुनाव लड़ने से इन्कार करने के बाद वह अपने समर्थकों को निराश कर रहे हैं। इसलिए मैंने अपना इरादा बदल लिया।

फराज ने कहा कि मैं मंगलवार दोपहर में

एसेक्स के समुद्र तटीय शहर क्लैक्टन में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करूंगा। मैं उन लाखों लोगों से मुंह नहीं मोड़ सकता, जो मेरे बारे में कही जा रही भयानक बातों के बावजूद मेरा अनुसरण करते थे, मुझ पर विश्वास करते थे।

कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा फराज चुनाव मैदान में उतरना: बता दें कि नाइजल फराज का दोबारा चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा। बता दें कि कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव से पहले किए गए सभी सर्वेक्षणों में भी पीछे चल रही है।

सुनक बोले- स्टार्मर या मैं दोनों में से एक प्रधानमंत्री होगा: वहीं, प्रधानमंत्री सुनक से पूछा गया कि एक उम्मीदवार के रूप में फराज का टोरी की संभावनाओं पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने अपनी पार्टी के कट्टर समर्थकों को स्पष्ट संदेश देते हुए जवाब दिया। कहा कि दो लोगों में से एक प्रधानमंत्री होगा या तो श्रमिक नेता कीर स्टार्मर या मैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए वोट जो कंजर्वेटिव उम्मीदवार नहीं है, वह सिर्फ कीर स्टारर को नंबर 10 पर रखने के लिए एक वोट है।

चीन की खुफिया एजेंसी ने एमआई-6 के लिए जासूसी करने का किया खुलासा

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआइ-6 के लिए जासूसी करने के आरोप में एक दंपति को पकड़ा है। दोनों चीनी नागरिक हैं। चीन की खुफिया एजेंसी और राज्य सुरक्षा मंत्रालय (एमएसएस) ने कहा है कि उन्होंने एमआइ-6 से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी केस को उजागर किया है।

सरकार के महत्वपूर्ण विभाग में कार्य करने वाले दोनों नागरिकों से ब्रिटेन की ओर से जासूसी कराया जा रहा था। यह आरोप ब्रिटिश पुलिस के उस दावे के कुछ हफ्ते बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने तीन लोगों को हांगकांग की खुफिया एजेंसी के लिए कार्य करने में हिरासत में लिया था। पकड़े गए दंपति का सिर्फ सनरेम जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि वांग और जोउ को एमआइ-6 की ओर से भर्ती किया गया था।

वांग 2015 में ब्रिटेन पढ़ने के लिए गया था। वहां अपनी पत्नी से मिला। वहां वांग को होटल रूम और देशभर में घूमने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही पैसे भी दिए गए थे। दंपति ने चीनी सरकार के लिए केंद्रीय राज्य एजेंसी में काम किया और सरकार की खुफिया जानकारी एमआइ-6 को दी। चीनी दावों के बारे में पूछे जाने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी खुफिया एजेंसियों के काम या सुरक्षा मामलों पर टिप्पणी न करने की सरकार की दीर्घकालिक नीति रही है।

इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे, बाइडन के इटली में रहने की उम्मीद

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। यह यात्रा डेमोक्रेटिक सीनेट बहुमत नेता चक शूमर द्वारा मार्च में इस्राइल से नए चुनाव कराने का आह्वान करने के बाद हो रही है, जो कि गाजा में युद्ध से निपटने के देश के तरीके की एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी द्वारा की गई कड़ी आलोचना का एक दुर्लभ उदाहरण है। वहीं, नेतन्याहू के प्रवास के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली में रहने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रपति की शनिवार को एक सप्ताह की समय-सारिणी की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने शुक्रवार को एक इस्राइली तीन चरणीय योजना प्रस्तुत की, जो इस्राइल-हमास संघर्ष को समाप्त करेगी। सभी बंधकों को मुक्त करेगी और हमास के सत्ता में आए बिना तबाह हो चुके फलस्तीन क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेगी।

वहीं, नेतन्याहू के कार्यालय ने इस बात पर जोर दिया कि सात अक्टूबर के हमले से शुरू हुआ युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि इस्राइल के सभी लक्ष्य पूरे नहीं जाते, जिसमें हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश भी शामिल है। बता दें कि सदन और सीने में चार पार्टी नेताओं ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू से कांग्रेस की संयुक्त बैठक में बोलने के लिए पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में, विशेषकर जब हमास ने अमेरिकी और इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाना जारी रखा है, इस्राइल के साथ एकजुटता व्यक्त की थी।

फिलीपींस पहुंचे जेलेंस्की, बोले- चीन जैसा देश पुतिन के हाथों का उपकरण, यह दुर्भाग्यपूर्ण

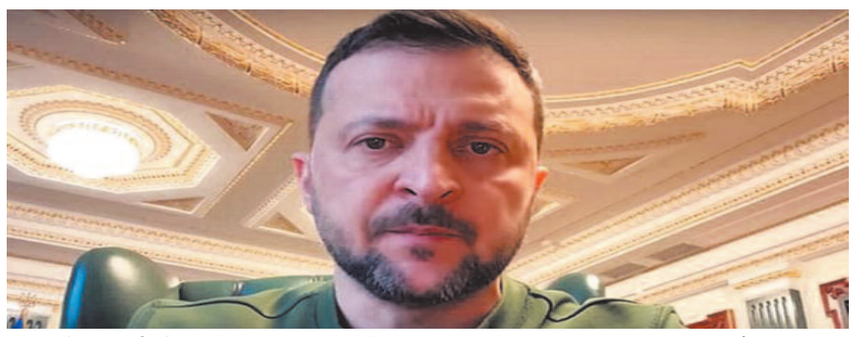

मनीला, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की विशेष एशियाई दौरे पर सोमवार को अचानक फिलीपींस पहुंचे। वह क्षेत्रीय नेताओं से अपने देश में युद्ध की स्थिति पर स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित एक वैश्विक शांति सम्मेलन में शामिल होने की अपील करने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। वह बोले, अफसोस की बात है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसा बड़ा स्वतंत्र शक्तिशाली देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हाथों का एक उपकरण बन गया है।

सिंगापुर में 'शांगरी-ला डिफेंस फोरम' में भाग लेने के बाद, जेलेंस्की कड़ी सुरक्षा के बीच अघोषित दौरे पर मनीला पहुंचे। उन्होंने सिंगापुर में आयोजित वार्षिक रक्षा सम्मेलन से इतर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन नहीं मिल पाए और बाद में उन्होंने निजी रूप से यहां आने का फैसला किया। यह दोनों ही नेताओं ने सिंगापुर में हुए सम्मेलन में चीन की आलोचना की। मनीला में जेलेंस्की ने विस्तार से बताए बिना कहा, रूस क्षेत्र में चीनी प्रभाव का इस्तेमाल कर, चीनी राजनयिकों का उपयोग करते हुए शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने के लिए सब कुछ करता है। इस दौरान उन्होंने रूस पर चीन की मदद से इस सम्मेलन में अड़चन डालने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया। चीनी विदेश मंत्रालय ने जेलेंस्की के दावे पर टिप्पणी के आग्रह का जवाब नहीं दिया।

पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक असर घटा

चीन द्वारा यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाने से उसका यूक्रेन, अमेरिका व अधिकांश यूरोप के साथ मतभेद हो गया है। इसके विपरीत चीन-रूस में व्यापार बढ़ गया है। इससे पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक प्रभाव कम हो गया है। अमेरिकी, यूक्रेनी और अन्य खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस बात के सबूत हैं कि चीनी हिस्से रूसी हथियारों में तब्दील हो रहे हैं, भले ही चीन सीधे तौर पर अपने पड़ोसी को हथियार नहीं दे रहा हो।

फिलीपींस के समर्थन में अमेरिका निभा रहा गलत भूमिका:चीन

चीन ने कहा है कि अमेरिका ने चीन व क्षेत्रीय संबंधों को भड़काने के लिए दक्षिण चीन सागर का इस्तेमाल किया है। इसके तहत उसने फिलीपींस के समर्थन व सहयोग में बेहद अपमानजनक भूमिका निभाई है। फिलीपींस के राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा, समझदार आंखों के लिए यह बहुत स्पष्ट है कि फिलीपीन अपनी विदेश नीति में किसकी सेवा कर रहा है और वह अपने समुद्री अभियानों में किसके लिए काम कर रहा है। चीन ने कहा, वह समुद्री मतभेदों को रोकने का इच्छुक है।

संक्षिप्त समाचार

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

अब नहीं खेलेगा क्रिकेट

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 चल रहा है। भारतीय टीम अपने पहले मैच का इंतजार कर रही है, जो 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेला जाएगा। इस बीच भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पता चला है कि भारतीय टीम के लिए क्रिकेट खेल चुके और आईपीएल में कई टीमों का हिस्सा रहे केदार जाधव ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है।

सोशल मीडिया पर किया रिटायरमेंट का ऐलान- भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने तत्काल प्रभाव से खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में भारतीय टीम के लिए इंटरनेशनल मैच खेला था। इसके बाद से वे टीम के बाहर चल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड में खेले गए वनडे विश्व कप 2019 में भी हिस्सा लिया था। जाधव ने अपने संन्यास की पुष्टि करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और अपने करियर के दौरान सभी समर्थन और प्यार के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। जाधव ने अपने ट्वीट में लिखा कि मेरे पूरे करियर में आपके प्यार और समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे दोपहर 3 बजे से क्रिकेट के सभी प्रारूपों से रिटायर माना जाए।

बजरंग पूनिया को मिली बड़ी राहत

● नाडा द्वारा लगाए गए बैन को ष्ठष्ठक्कने हटाया, सामने आई बड़ी वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल विजेता बजरंग पूनिया पर नेशनल एंट्री डोपिंग एजेंसी ने पिछले बड़ा एक्शन लिया था। नेशनल एंट्री डोपिंग एजेंसी ने बजरंग पूनिया को अस्थाई तौर पर सस्पेंड कर दिया था। पूनिया ने मार्च में सोनीपत में आयोजित नेशनल ट्रायल्स के दौरान डोप सैम्पल नहीं दिया था, जिसके चलते ह्वष्ट्र ने ये एक्शन लिया। लेकिन राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी की अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने

पहलवान बजरंग पूनिया को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटा दिया है। पूनिया ने मार्च में चयन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए नमूना देने से इनकार किया था। नाडा ने 23 अप्रैल को पूनिया पर 23 अप्रैल 2025 तक का प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भी यही कार्रवाई की थी।

बिश्केक में हुए एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिये पुरूष टीम के चयन ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में हुए थे और बजरंग हारने के बाद डोप टेस्ट के लिए नमूना दिए बिना स्थान से चले गए थे। उन्होंने तीसरे चौथे स्थान के मुकाबले में भाग भी नहीं लिया था। बजरंग ने अपने वकील के मार्फत अस्थायी निलंबन को चुनौती दी थी।

फजल हक फारूकी का पहला पंजा

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना), एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 का 5वां मैच युगांडा और अफगानिस्तान के बीच खेला गया। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में बल्ले और गेंद से दमदार खेल दिखाते हुए युगांडा को बुरी तरह हराया। टॉस जीतकर

पहले गेंदबाजी करने उतरी युगांडा ने हर मोर्चे पर निराशाजनक प्रदर्शन किया। वहीं, अफगानिस्तान ने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्व कप में जीत के साथ शुरुआत की। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जादरान (46 गेंदों पर 70 रन) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (42 गेंदों पर 76 रन) के बीच 154 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी की बदौलत 183/5 का मजबूत स्कोर बनाया। अफगानिस्तान के 184 रन के जवाब में युगांडा टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। हालांकि, इससे पहले शुरुआत में संघर्ष कर रहे युगांडा के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में वापसी की। लेकिन उनके बल्लेबाजों ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए। इस चुनौतीपूर्ण टोटल का बचाव करते हुए अफगानिस्तान के लिए फजल हक फारूकी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से जीत की नींव रखी। तेज तर्रार गेंदबाज फारूकी ने युगांडा टीम के बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी और अपने स्पैल में मात्र 9 रन देकर पांच विकेट चटकाए। फारूकी का यह प्रदर्शन टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। साथ ही यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर और विश्व कप में पहला 5 विकेट है। 183 रन के जवाब में युगांडा की पूरी टीम 16 ओवर में 58 रन पर ढेर हो गई। रियाजत अली और रॉबिन्सन ओबुया के अलावा युगांडा का अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका।

टी20 विश्व कप

श्रीलंका के क्रिकेटरों ने अपने शेड्यूल की आलोचना की, आईसीसी को लिखा पत्र

न्यूयॉर्क, एजेंसी। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और स्पिनर महीष तीक्षणा ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के मैचों के शेड्यूल को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह काफी अनुचित है और लंबी यात्राओं के कारण उन्हें एक अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा है। श्रीलंका को ग्रुप डी के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया। तीक्षणा ने अपनी टीम के मैचों के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इसका टीम पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह गलत है। हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि हम चार अलग-अलग मैदानों पर खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने फ्लोरिडा से, मियामी से उड़ान ली और आठ घंटे हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। हमें रात आठ बजे निकलना था लेकिन सुबह पांच बजे उड़ान ली। यह अनुचित है लेकिन खेलते समय यह मायने नहीं रखता। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को दो और मैच यहां खेलना है जबकि भारतीय टीम तीन मैच यहां खेलेगी। तीक्षणा ने कहा, 'होटल से अभ्यास स्थल भी एक घंटे 40 मिनट का रास्ता है।

इंडिया वर्सेस पाक

लोग शॉपिंग के पैसे नहीं लेते...

भारत से मैच से पहले मोहम्मद रिजवान का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप के इतिहास में सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने भारत को हराया है। चाहे वो 50 ओवर हो या फिर टी20। यह जीत 2021 टी20 वर्ल्ड कप में दुबई में मिली थी, जहां बाबर आजम की टीम ने भारतीय टीम को मात दी थी। टी20 वर्ल्ड कप की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 बार जीत दर्ज की है और सिर्फ एक बार हारा है। वहीं, 50 ओवर के वर्ल्ड कप में तो भारत अब तक 8 बार पाकिस्तान को हरा चुका है और एक बार भी नहीं हारा है। मोहम्मद रिजवान जो 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे, उन्होंने बताया कि उस एक जीत ने पाकिस्तानी क्रिकेटरों की जिंदगी में कितना बड़ा बदलाव ला दिया।

रिजवान ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में कहा, उससे पहले (वर्ल्ड कप में) हमने कभी भारत को नहीं हराया था। रमीज़ राजा हमसे मिले और बोले, आपको भारत को हराना है। भले ही आप ट्रॉफी जीतते हो या नहीं, बस भारत से मत हारना। वो कहते थे कि दबाव में मत आना, और फिर खुद ही हम पर दबाव डाल देते थे।

फ्रेंच ओपन

नोवाक जोकोविच ने इस मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस, एजेंसी। दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराया। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रांसिसको सेरूंडोलो को हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने इस तरह ग्रैंडस्लैम में अपनी 370वीं जीत दर्ज की। उन्होंने ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में सर्वाधिक जीत दर्ज करने के मामले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। फेडरर ने अपने करियर में 369 ग्रैंडस्लैम मुकाबले जीते थे।

दर्द से जूझने के बावजूद दर्ज की जीत

दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराया। दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था।

मिनौर का सामना ज्वेरेव से होगा

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 यूएस ओपन चैंपियन डेनिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं, ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-2 से मात दी।

बोपन्ना-एबडेन ने बालाजी-वारेला को सुपर टाइब्रेकर में हराया

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। इस अनुभवी जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और एमए रेयेस वारेला मार्तिनेज की जोड़ी को सुपर टाइब्रेकर में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तीसरे दौर में 6-7, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस अनुभवी जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और एमए रेयेस वारेला मार्तिनेज की जोड़ी को सुपर टाइब्रेकर में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तीसरे दौर में 6-7, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की।

पिछड़ने के बाद की वापसी

पहले सेट में बालाजी और मैक्सिको के रेयेस ने 5-4 की बढ़त बना ली थी। उनके पास सेट जीतने का सुनहरा मौका था जब एबडेन का फोरहैंड पर शॉट बाहर निकल गया, लेकिन बालाजी ने भी यही गलती की। पहले सेट का फैसला टाइब्रेकर पर हुआ जिसमें बालाजी और रेयेस ने बाजी मारी। इसके बाद से हालांकि बोपन्ना और एबडेन ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला तीसरे सेट तक गया। इसमें बोपन्ना और एबडेन का अनुभव काम आया और विनर लगाकर एबडेन ने जीत पर मुहर लगा दी।

पेरिस ओलंपिक में बालाजी को जोड़ीदार बना सकते हैं बोपन्ना

बोपन्ना ने अभी तक पेरिस ओलंपिक के लिये अपने जोड़ीदार का चयन नहीं किया है। बालाजी ने जरूर उन्हें अपने खेल से प्रभावित किया होगा। शीर्ष-10 में होने के कारण बोपन्ना ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप राहुल द्रविड़ का बतौर कोच आखिरी टूर्नामेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कंफर्म कर दिया कि टी-20 वर्ल्ड कप उनका हेड कोच के तौर पर यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। उन्होंने इस पद के लिए फिर से आवेदन नहीं किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने पिछले माह इसके लिए आवेदन मंगाए थे।

द्रविड़ ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने हेड कोच के अपने कार्यकाल में हर क्षण का लुत्फ लिया है। कोच के तौर पर मेरे लिए भारत का हर मैच महत्वपूर्ण रहा। वर्ल्ड कप भी अलग नहीं है। यह हेड कोच के रूप में मेरा अंतिम टूर्नामेंट है। 27 मई को कोच पद के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख थी।

2021 में हेड कोच बने थे द्रविड़

राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया गया। तब टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के कारण उनका कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया गया। द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया की एकमात्र कामयाबी 2023 में एशिया कप के रूप में आई। भारत ने मेजबान श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा। द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया एशिया कप 2023 की चैंपियन बनी।

बोले- बतौर कोच मेरे लिए भारत का हर मैच महत्वपूर्ण, 2021 में संभाला था पद

2027 तक रहेगा नए कोच का कार्यकाल

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नए हेड कोच का सिलेक्शन हो जाएगा। उनका कार्यकाल 1 जुलाई 2024 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। इस दौरान टीम इंडिया को ह्वष्ट्रष्ट के 5 टूर्नामेंट खेलने हैं। इनमें चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2 साइकिल शामिल हैं।

गंभीर का टीम इंडिया का हेड कोच बनना लगभग तय- टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर गौतम गंभीर का भारतीय टीम का हेड कोच बनना लगभग तय हो गया है। एक फ्रेंचाइजी के मालिक ने क्रिकबज से बातचीत करते हुए बताया था कि गंभीर का कोच बनना लगभग तय है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

15वीं बार चैंपियंस लीग जीतने वाली रियल मैड्रिड में शामिल हुए एम्बाप्पे, इतने साल का किया करार

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने पिछले हफ्ते ही रिकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड ने प्रतिष्ठित वेम्बले स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बुंदेसलीगा के दिग्गज बोरुसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराया था।

आखिरकार फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे रियल मैड्रिड की टीम में शामिल हो गए। कई वर्षों से एम्बाप्पे के इस टीम से जुड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अब एम्बाप्पे ने स्पैनिश लीग ला लीगा की दिग्गज टीम के साथ पांच साल की डील साइन कर ली है। सोमवार को रियल मैड्रिड ने इसकी पुष्टि की। रियल मैड्रिड ने पिछले हफ्ते ही रिकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड ने प्रतिष्ठित वेम्बले स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बुंदेसलीगा के दिग्गज बोरुसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराया था।

रियल मैड्रिड से खेलेंगे एम्बाप्पे- रिकॉर्ड 15वें चैंपियंस लीग ट्रॉफी को उठाने के दो दिन बाद रियल मैड्रिड ने फ्री ट्रांसफर पर एम्बाप्पे के अनुबंध की पुष्टि की। फ्रांस के पूर्व कप्तान ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ लॉस ब्लैंकोस में सात साल का समय बिताया है। अब वह अगले पांच सीजन तक रियल मैड्रिड टीम के लिए खेलते दिखेंगे। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने 10 मई को पीएसजी छोड़ने का एलान किया था। एम्बाप्पे जुलाई में रियल मैड्रिड टीम से जुड़ जाएंगे। पीएसजी के साथ उनका अनुबंध 30 जून को समाप्त हो गया था। रियल मैड्रिड की टीम अब उन्हें यूरो कप 2024 शुरू होने से पहले लॉन्च करेगी।

मैड्रिड 2012 से एम्बाप्पे के पीछे पड़ा था

मैड्रिड ने दिसंबर 2012 में पहली बार एम्बाप्पे के बारे में जानकारी हासिल की थी। फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन की अकादमी में रहते हुए एम्बाप्पे को उस समय एक सप्ताह के लिए मैड्रिड में आमंत्रित किया गया था। क्लब के प्रशिक्षण स्थल पर इस युवा खिलाड़ी ने अपने आइकन जिनेदिन जिदान और क्रिस्टियानो रोनाल्डो से मुलाकात की थी। हालांकि, फ्रांस के इस स्टार को रियल मैड्रिड से जुड़ने में एक दशक से अधिक का समय लग गया।

एम्बाप्पे ने पीएसजी में रहते हुए कई रिकॉर्ड बनाए

एम्बाप्पे ने 2018 में फ्रांस टीम के साथ फीफा विश्व कप जीता था। वहीं, पीएसजी के साथ वह छह लीग-1 खिताब और चार फ्रेंच कप जीते हैं। एम्बाप्पे ने क्लब के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया। फ्रेंच फॉरवर्ड पीएसजी के लिए 256 गोल किए। मैड्रिड में ट्रांसफर से पहले एम्बाप्पे केवल लीग-1 टीमों के साथ ही जुड़े रहे हैं। एम्बाप्पे ने सबसे पहले एएस मोनाको क्लब में शामिल हुए थे। एम्बाप्पे 2017 में 214 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कथित फीस के साथ मोनाको से पीएसजी में शामिल हो गए थे। इस डील के साथ वह पूर्व पीएसजी सुपरस्टार नेमार जूनियर के बाद दुनिया के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

अक्षय पर बकाया मेरी जीती हुई रकम

अगली बार मिलेंगे तो वसूली जरूर करूंगी : वाणी कपूर

फिल्म 'बेफिक्रे' की शायरा गिल अब 'बदतमीज गिल' बन चुकी है। जी हां, यशराज फिल्म्स की फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर की नई फिल्म का यही नाम है। वाणी हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग करके बरेली से लौटी हैं। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खेल खेल में' और अजय देवगन के साथ फिल्म 'रेड 2' की शूटिंग भी करीब करीब पूरी कर ली है। अपने व्यस्त समय से कुछ वक्त निकालकर वाणी कपूर ने ये बातचीत की.

'शुद्ध देसी रोमांस' के किरदार तारा से लेकर 'बदतमीज गिल' तक आते आते बतौर अभिनेत्री अब कितना विश्वास आ चुका है अपने ऊपर?

खूब सारा काम करके खूब सारा आत्मविश्वास तो आता ही, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन, आत्मविश्वास से ज्यादा जरूरी है, उस किरदार को करने के लिए आस्था होना। बीते 10 साल में मैंने ज्यादा फिल्में की नहीं हैं और मुझे तो लगता है कि जैसे मेरी शुरुआत अब हो रही है। मैं अब भी शूटिंग पर पहुंचती हूं तो नर्वस हो जाती हूं। उस मकाम पर भी अभी नहीं पहुंची हूं जहां मुझे लगे कि मैं कुछ भी कर सकती हूं।

'रेड 2' की खूब चर्चा हो रही है, इस फिल्म को देखते समय दर्शक 'वॉर' की नैना को कितना याद करेंगे?

'वॉर' बहुत ही शानदार फिल्म थी। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ, साथी कलाकार ऋतिक रोशन के साथ मैं दोबारा काम कर सकूं तो ये मेरी खुशकिस्मती होगी। नैना का किरदार बहुत ही खास तरीके से गढ़ा गया था। मैं और सिद्धार्थ जब फिल्म की पटकथा साथ पढ़ने बैठते थे तो इस बारे में बहुत विचार किया करते थे कि नैना के किरदार का आधार, इसकी अंतर्धारा कैसे मजबूत की जा सकती है। हम नहीं चाहते थे कि ये किरदार बस फिल्म में होने भर के लिए ही हो।

'बदतमीज गिल' के अलावा आपने हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खेल खेल में' भी पूरी की है। 'बेलबॉटम' के बाद अक्षय कुमार के साथ आपकी ये दूसरी फिल्म है..

अक्षय के साथ काम करना एक अलग ही आनंद है। वह खुद भी बहुत खुशमिजाज इंसान हैं। शूटिंग नहीं भी हो रही हो तब भी सबके साथ रहना ही पसंद करते हैं। खूब हंसी मजाक करते हैं। मौका मिलता था तो हम लूडो पर बाजी लगाकर खेलते थे। 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक की हमारी बाजी होती थी और अगर बाजी अक्षय जीत गए तो फिर तो आपको उनको पैसे देने ही पड़ेंगे। लेकिन, अक्षय मुझसे हारे हैं और मेरे पैसे भी उन पर बकाया है। वह शायद भूल गए हों, लेकिन अगली बार मिलेंगे तो मैं वसूली जरूर करूंगी। अगर अजय देवगन की बात करें तो वह काम में डूबे रहने वाले कलाकार हैं। फिल्म 'रेड 2' की पटकथा बहुत ही कमाल की है।

आपकी तो दूसरी फिल्म ही साउथ सिनेमा की फिल्म थी। इन दिनों ऐसी भारतीय फिल्में खूब बन रही हैं जिनमें सभी भाषाओं के कलाकारों के होते हैं, आपका इस बारे में क्या कहना है?

मैं भी मानती हूं कि हम भारतीय सिनेमा हैं और सारी भाषाओं के कलाकारों को साथ काम करना ही चाहिए। इसे पैन इंडिया जैसा नाम न देकर भारतीय सिनेमा ही कहना बेहतर होगा। इन दिनों मलयालम सिनेमा में बहुत अच्छी अच्छी फिल्में बन रही हैं। उनकी कहानियों को और भी विस्तार मिले। मुझे मौका मिले तो मैं भी ऐसी फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं हमेशा से बौद्धिक सिनेमा करना चाहती रही हूं। साउथ में मुझे साई पल्लवी की काम बहुत पसंद है। अल्लू अर्जुन बहुत ही मनोरंजक अभिनेता हैं।

साई पल्लवी का आपने जिक्र किया और उनकी रणबीर कपूर के साथ बन रही फिल्म 'रामायण' की इन दिनों बहुत चर्चा है। रणबीर के साथ आपने फिल्म 'शमशेरा' की थी। कितना जाना आपने रणबीर को, इस शूटिंग के दौरान?

वह अभिनेता जितने कमाल के हैं, इंसान उससे भी कमाल के हैं। बहुत ही विनम्र, बहुत ही जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। एक सुपरस्टार होने का कोई फितूर नहीं पालते हैं। कभी ये नहीं कहते कि उन्हें किसी खास तरह की तवज्जो दी जाए। प्रकृति के करीब रहना उन्हें बहुत पसंद है। हम नुब्रा वैली में शूटिंग कर रहे थे तो साथ में दूर तक पैदल घूमने चले जाते थे। कहीं जाना हो तो उनकी कोई जिद नहीं होती थी कि नहीं, मुझे यही गाड़ी चाहिए। मजाकिया भी वह बहुत हैं और दूसरों की टांग खींचने में उन्हें खूब मजा आता है।

और, आपके माता-पिता कितने खुश हैं आपकी अब तक की अभिनय यात्रा से?

समय के साथ साथ वह दोनों भी काफी बदले हैं। सिनेमा और इसके लोगों को लेकर उनकी समझ पहले से ज्यादा विकसित हो चुकी है। उनका बहुत भरोसा रहा है मुझ पर और मेरा भी यही रहा है कि मैं कभी उनका भरोसा न तोड़ूं। ये हमारे बीच एक अनकहा सा समझौता है। वह मेरा हर कदम पर साथ देते हैं और मैं भी बहुत आज्ञाकारी बेटी की तरह रहती हूं। जो दायरा मैंने अपनी परवरिश के दौरान अपने चारों तरफ देखा है, उसके बाहर मैं खुद ही अपने आपको जाने नहीं देती।

तो मम्मी ने फोटो भेजनी तो नहीं शुरू की इन दिनों कि देखो, ये लड़के देख रहे हैं हम तुम्हारे लिए..?

मेरे ऊपर ऐसा कोई दबाव उन्होंने कभी नहीं डाला। मेरा भी यही मानना है कि शादी से पहले आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना और खुद के भरोसे चलना बहुत जरूरी है। शादी तब होनी चाहिए जब आप मानसिक रूप से तैयार हों इसके लिए। किसी और के साथ जीवन बिताने का फैसला करने से पहले जरूरी है अपने साथ समय बिताना और खुद को जानना। बहुत जरूरी है ये पहचानना कि आप किस वजह से शादी कर रहे हैं।

आपकी पहली फिल्म के पहले हीरो सुशांत सिंह राजपूत लोकप्रियता में अब भी तमाम दूसरे सितारों से कहीं आगे हैं..

सुशांत मेरा पहला साथी कलाकार है। और, वह ही मेरा पहला दोस्त भी था फिल्म जगत में। मैं उसे कभी भूल नहीं सकती। हमारी बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी और हम लोगों ने बहुत अच्छा वक्त साथ में बिताया। हम दोनों बहुत ही साधारण परिवार से थे।

'शुद्ध देसी रोमांस' में मेरे ज्यादातर दृश्य उसी के साथ थे। हमारे बीच एक रिश्ता सा था। मैं सिर्फ यही कह सकती हूं कि वह एक बहुत ही ज्यादा प्रतिभाशाली और तेजवान नवयुवक थे।

मन्नारा संग कॉम्पिटिशन पर बोलीं परिणीति

हम एक ही माहौल में पले-बढ़े हैं...

बिग बॉस 17 फेम और एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा को सलमान खान के इस शो से एक अलग पहचान मिली है। शो में मन्नारा ने अपने खास अंदाज से फैंस को खूब एंटरटेन किया। प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा की बहन होने की वजह से भी मन्नारा को शो में काफी फायदा मिला। उन्हें इस बात के लिए भी जाना जाता है कि वो प्रियंका की कजिन हैं। शो से निकलने के बाद मन्नारा लगातार खबरों में छाई हैं। उनके कई म्यूजिक वीडियो भी रिलीज हुए हैं। कुछ दिनों पहले मन्नारा ने अपना बर्थडे बहन प्रियंका चोपड़ा और जीजा निक जोनस के साथ सेलिब्रेट किया था, जिसकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं। ऐसे में अब परिणीति चोपड़ा का एक वीडियो चर्चा में बना हुआ है। इस वीडियो में उनसे जब मन्नारा के साथ इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन को लेकर सवाल किया गया तो एक्ट्रेस के जवाब ने सबका दिल जीत लिया। परिणीति चोपड़ा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो किसी इवेंट का लग रहा है। इस वीडियो में जब परिणीति से पूछा, बहन का ट्रेलर लॉन्च हुआ है आपने देखा है मन्नारा का कैसा लगा। इस मन्नारा ने कहा, हां जरूर देखा है। बहुत सेक्सी लगा है उसका ट्रेलर। इसके बाद मीडिया ने जब परिणीति से पूछा कि आपको क्या लगता है वो आपकी कॉम्पिटीटर बन सकते हैं? इस पर परिणीति ने कहा, 'यार वो और मैं एक ही साथ बड़े हुए हैं एक ही माहौल में। हमारे बीच में सिर्फ दो साल का अंदर है। अब समय आ गया है कि हम दोनों को तुलना करना बंद कर दें। हम बहनें एक दूसरे के साथ निगेटिव तरह से नहीं रहते हैं हमारे बीच काफी प्यार है।'

37 साल बाद एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी, बोली- उनके साथ आसान...

मीनाक्षी शेषाद्री ने सनी देओल के साथ की असली किस

मीनाक्षी शेषाद्री ने पहली बार फिल्म डकैत में एक्टर सनी देओल में पहली बार काम किया था। इस फिल्म में मीनाक्षी और सनी के कई किसिंग सीस हैं। फिल्म डकैत में काम करने को लेकर एक्ट्रेस ने 37 साल बाद चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म डकैत में उन्होंने सनी के साथ असली मे किस किया था। मीनाक्षी ने बताया कि किस करने वाले सीन में सनी ने उनकी काफी मदद की थी जिसके बाद इस सीन को करने में काफी आसानी हुई थी।

मीनाक्षी शेषाद्री और सनी देओल

मीनाक्षी शेषाद्री ने हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में अपनी फिल्म डकैत के बारे में बात करते हुए बताया, हमारा एक रोमांटिक गाना था। इसमें हम दोनों नाव पर थे। गाना शुरू होने से पहले उन्हें मुझे किस करना था। यह असली किस था। ये थोड़ा कठिन था क्योंकि मैं थोड़ी कंजर्वेटिव थी। मीनाक्षी ने बताया सनी बहुत सज्जन इंसान हैं। सनी किस वाले सीन को करने पर बहुत रिलैक्स्ड थे और उनके साथ काम करना इतना आसान है कि यह आराम से हो गया। मुझे लगता है कि यही वजह है कि मैंने उनके साथ बाकी दूसरी फिल्में भी कीं। हमारे बीच काफी अच्छी इक्वेशन और समझ थी।

अमिताभ बच्चन और जया की शादी को 51 साल पूरे

पिता की इस शर्त पर एक्टर ने की थी वेडिंग

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और एक्ट्रेस जया बच्चन की शादी को आज 51 साल पूरे हो गए हैं। 03 जून कपल अपनी शादी की 51वीं सालगिरह मनाया है। फैंस और करीबी उन्हें सोशल मीडिया के जरिए वेडिंग एनिवर्सरी की बधाइयां दे रहे हैं। तो आइए इस मौके जानते हैं कपल की शादी का सफर कैसा रहा। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी 03 जून 1973 को मुंबई में हुई थी। उन्हीं दिनों दोनों की फिल्म जंजीर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही थी। दोनों एक साथ छुट्टी मनाने के लिए लंदन जाना चाहते थे। यह बात अमिताभ बच्चन के पिता हरिवंश राय बच्चन को पसंद नहीं आई। उन्होंने अमिताभ से कहा था यदि छुट्टी मनाने जाना है तो पहले शादी कर लो फिर जाना। बताया जाता है कि इस शादी में केवल पांच बाराती शामिल हुए थे। अब कपल को प्यार से शादी के दिन बिताते पूरे 51 साल हो गए हैं। काम की बात करें तो अमिताभ और जया ने जंजीर, अभिमान, चुपके चुपके, शोले, सिलसिला, मिली, कभी खुशी कभी गम समेत कई हिट फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं।

कंगुवा के बाद अब इस अवतार में धमाका करने आ रहे हैं सूर्या

डायरेक्टर कार्तिक सुब्बाराज और एक्टर सूर्या नई फिल्म से लेकर आ रहे हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है और मेकर्स ने वीडियो शेयर कर ये गुड न्यूज फैंस को दी। इसमें सूर्या को एकदम अलग रेट्रो लुक में देखा जा सकता है। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। डायरेक्टर कार्तिक सुब्बाराज और एक्टर सूर्या ने अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन अस्थाई रूप से इसका नाम सूर्या 44 है। एक्टर और डायरेक्टर दोनों ने वीडियो शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की अनाउंसमेंट की। सूर्या को इस फिल्म में रेट्रो लुक में देखकर फैंस एक्साइटेड हो गए। सूर्या ने एक्स (पहले ट्विटर) पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, लाइट्स! कैमरा!! एक्शन!!! इस वीडियो की शुरुआत में सूर्या की पीठ कैमरे की तरफ है और वह सूटकेस लेकर समुद्र की तरफ देख रहे हैं।

अनन्या से ब्रेकअप की खबरों पर

आदित्य ने तोड़ी चुप्पी

आदित्य रॉय कपूर अपनी जिंदगी को अपने तक रखने में विश्वास करते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने कहा, सोशल मीडिया पर कौन मेरे बारे क्या बोल रहा है या क्या लिख रहा है इस बात पर मैं ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। मैं जिंदगी में सकारात्मक चीजों पर फोकस करना चाहता हूं। आशिकी 2 स्टार आदित्य रॉय कपूर आगे कहते हैं, मैं अपनी बातों को अपने तक रखता हूं। मैं हमेशा से ऐसा ही हूं।

मैं निजी जिंदगी में भी शांत किस्म का इंसान हूं। मैं नहीं चाहता हूं मेरी जिंदगी के बारे में हर बात हर किसी को पता हो। मैं बेहद प्राइवेट इंसान हूं। आदित्य रॉय कपूर अपने रिलेशनशिप के बारे में कोई भी बात करना पसंद नहीं करते हैं। अभिनेता इस विषय पर बात करते हुए कहा,लोगों को जो बोलना है बोलते रहें। वे क्या बोल रहे हैं या क्या लिख रहे हैं मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। उन्हें जो सोचना हैं वे वही सोचे, मैं अपनी शांति को भंग नहीं करना चाहता हूं। मीडिया रिपोर्ट्स

की मानें तो अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर इस साल मार्च में अलग हो गए हैं। दोनों अलगाव के बावजूद एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण भावना रखने की कोशिश कर रहे हैं। वे इस स्थिति से परिपक्वता से निपटने की कोशिश कर रहे हैं।

कल्कि 2898 एडी पर आया बड़ा अपडेट

कल्कि 2898 एडी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल में ही इससे संबंधित एक एनिमेटेड सीरीज लॉन्च की गई थी। अब इस शहर से फिल्म के ट्रेलर लॉन्च किए जाने की खबरें आ रही हैं। फिल्मी गलियारे में कल्कि 2898 एडी की चर्चा जोरों-शोरों से हो रही है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका देश भर में दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को लेकर जबर्दस्त उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के निर्माता भी अब विभिन्न तरीकों से फिल्म की मार्केटिंग शुरू कर चुके हैं। फिल्म के कई नए पोस्टर साझा करने के बाद फिल्म के दो प्रमुख किरदार भैरवा और बुज्जी की एक एनिमेटेड सीरीज भी लॉन्च की गई। इस सीरीज के बाद लोगों की फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई है।

मशहूर अभिनेता प्रभास की इस फिल्म को नाग अश्विन निर्देशित कर रहे हैं। यह भारतीय संस्कृति पर आधारित एक साइंस फिक्शन फिल्म होगी। फिल्म की रिलीज की तारीख 27 जून 2024 रखी गई है। अब फिल्म के ट्रेलर रिलीज करने संबंधित खबरें तेजी से फैल रही हैं। सोशल मीडिया के अनुसार, फिल्म की टीम मुंबई में ट्रेलर को रिलीज करने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर 7 जून को रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है।